जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 13 संख्याः 275 प्रभात चूरू, बुधवार 2 फरवरी, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

सरिस्का से बाघ एस.टी.-13 गायब

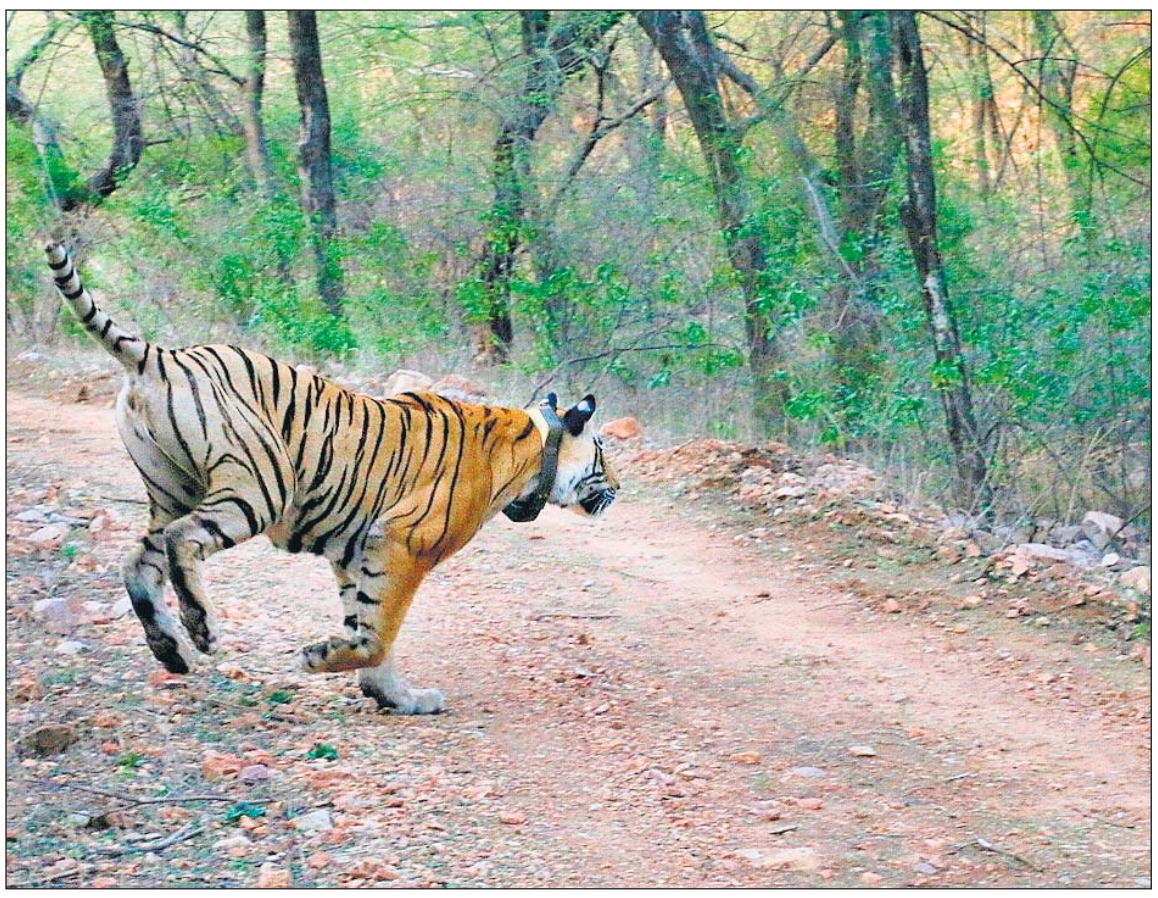

सरिस्का से टाइगर एस.टी. 13 गायब हो गया है, पिछले 13 दिनों से सरिस्का प्रशासन को एस.टी.-13 एक बार भी कहीं नज़र नहीं आया है, और ना ही इसका कोई पगमार्क मिला है। इस मामले में सरिस्का प्रशासन सवालों के घेरे में है। यहां जंगल से लगते एरिया में करीब 7 दिन पहले 3 तेंदुओं का शिकार हो गया था। यह मामला सुलझा भी नहीं कि अब टाइगर एसटी-13 के गायब होने से प्रशासन की चिंता और बढ़ गई है। जंगल में लगे कैमरों में भी टाइगर की कोई फोटो नहीं दिखाई दी है। इस कारण सरिस्का प्रशासन के हाथ पैर फूले हुए हैं। यह भी डर है कि, कहीं टाइगर शिकारियों का निशाना तो नहीं बन गया। हालांकि वन विभाग के अधिकारी बराबर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। टाइगर एसटी-13 का रेडियो कॉलर भी काम नहीं कर रहा है। जिसके कारण प्रशासन की चिंता और ज्यादा गहरा गई हैं। सरिस्का प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि, पहले भी टाइगर एसटी-13 के कई दिन तक पगमार्क नहीं मिले थे। लेकिन कई दिन बाद टाइगर की साइटिंग हो गई थी। कई बार टाइगर टैरिटरी के अलावा जंगल में दूसरी तरफ चला जाता है। लेकिन इस बार टाइगर के कोई पता नहीं चल रहा है।

वित्त मंत्री ने ''गैर राजनीतिक'' बजट पेश किया इस बार

पांच महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों की छाया में प्रस्तुत बजट में लोग, सस्ती लोकप्रियता से ओत-प्रोत, रियायतों व छूटों की भरमार वाला बजट होने की उम्मीद कर रहे थे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 फरवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक शक्तिशाली और मर्दाना बजट पेश किया है जिसमें काफी उत्साह अन्तर्निहित है। उन्होंने महत्वाकांक्षी दिखाई है और अगले 25 वर्षों के लिए देश में ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की है जो सर्वसाधारण के लिए एक ''अमृत काल'' होगा।

विधानसभा चुनावों के बीच, बढ़ते वित्तीय घाटे और लोकलुभावन उपायों के दबावों की परवाह ना करते हुए वित्त मंत्री ने इन्फ्रास्ट्रक्चर में व्यय और निवेश में गति लाने वाली एक समग्र आर्थिक रणनीति अपनाई है।

बजट अनुमानों में 6.8 प्रतिशत का संशोधित वित्तीय घाटा जी.डी.पी. का 6.9 प्रतिशत अनुमानित है। वर्ष 2022-23 में वित्तीय घाटा जी.डी.पी. का 6.4 प्रतिशत अनुमानित है, जो कि वित्तीय समेकन के वृहद परिप्रेक्ष्य के अनुरूप है।

एयरपोर्ट्स, रेल्वेज़, माल ट्रांज़िट, इन्टर मोडल ट्रांसपोर्ट हब्स सहित ऐसे सात इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र हैं, जिन पर गहन जोर दिया गया है।

एक तरह से यह नैशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर कार्यक्रमों के लिए एक बड़ी बजट स्टोरी है। सीतारमण अर्थव्यवस्था को हौंसला और संसाधन प्रदान करने की कोशिश कर रही हैं, ताकि वह कथित ''गति शक्ति'' कार्यक्रम के अनुरूप दौड़ सके। उन्हें उम्मीद है कि यह बड़े निवेश अर्थव्यवस्था को पर्याप्त गतिशीलता प्रदान करेंगे और रोजगार व आय को कई गुना सृजित करेंगे।

उनका मानना है कि, इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण में बड़े पैमाने के निवेश से आर्थिक वृद्धि और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। परिणामस्वरूप, यह ऐसा बजट नहीं है प्रशंसा की वर्षा जाए।

वित्त मंत्री यह दावा कर रही हैं कि, 14 सैक्टर्स के लिए लायी गई पी.एल.आई. स्कीम्स ही 60 लाख नौकरियां सृजित करेंगी, 30 लाख करोड़ का आर्थिक लाभ देंगी।

गरीब और मध्यम वर्ग की अनदेखी को लेकर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने बजट की आलोचना की है। पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम ने इसे ''सर्वाधिक पूंजीवादी'' मानते हुए इसकी आलोचना की है। तृणमूल कांग्रेस इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकती थी कि, यह बजट गरीब-विरोधी है।

कहा जा सकता है कि वैश्विक महामारी के बाद का यह एक ऐसा बजट है जिसने महामारी के सर्वाधिक पीड़ितों की क्रय शक्ति पर ध्यान नहीं दिया है। इस प्रक्रिया में उन्होंने एक ऐसा बजट दिया है, जो राजनीतिक रूप से त्रुटिपूर्ण है। बजट निर्माण में वित्त मंत्री के पास ये विकल्प थे कि वे या तो भावुकता जारी रखते हुए आर्थिक सौगात देकर लोकलुभावन मार्ग का अनुसरण करतीं या कोई मूलभूत दिशा निर्देश देकर कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, वित्त मंत्री ने सस्ती लोकप्रियता का रास्ता (पॉप्युलिस्ट रूट) का चयन न कर, इन्फ्रास्ट्रक्चर के बड़े-बड़े प्रोजैक्ट में पूंजी लगाने का विकल्प अपनाया।
- वित्त मंत्री ने अपने भाषण में भी कहा, यह आशा है कि, इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी सरकारी ''इन्वैस्टमैंट'' से 60 लाख नौकरियां उपलब्ध होंगी तथा 30 लाख करोड़ का इकोनॉमिक उत्पादन व आऊटपुट जनरेट करेगा।
- यह सच है कि, इस बजट को भूरि-भूरि प्रशंसा मिलने वाली नहीं है, बल्कि कुछ राजनीतिज्ञों ने तो इसे अब तक का सबसे ज्यादा पूंजीवादी बजट भी कहा है।
- वित्त मंत्री ने बड़े पूंजी निवेश पर ध्यान साधते हुए, टैक्स व एक्साइज़ ड्यूटी आदि से कोई छेड़छाड़ नहीं की, उन्हें अछूता ही छोड़ दिया है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने रेल बजट में भी भारी ''इन्फ्रास्ट्रक्चर'' खर्च का विकल्प लिया

रेल उपकरण, जैसे वैगन आदि के निर्माता, लाइन बिछाने वाली बड़ी कम्पनियां, जैसे एल्स्टॉम व हिटाची आदि बहुत प्रसन्न हैं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 फरवरी। भारतीय रेल एल्यूमिनियम बॉडी वाली 400 वन्दे भारत रेल गाड़ियों (160 किमी सैमी हाई स्पीड) का निर्माण करेगी, जबकि अगले तीन वर्षों में 100 ग्रीनफील्ड मल्टीमोडल कार्गो टर्मिनलों का भी निर्माण होगा।

आज संसद में अपने बजट भाषण को पढ़कर प्रस्तुत करते हुये, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह घोषणा भी की कि, 2022-23 के दौरान ट्रेन कोलिज़न अवॉयडैंस सिस्टम (टी-सी.ए.एस.) के अन्तर्गत, 2000 किमी ट्रैक का काम पूरा कर लिया जायेगा। बजट प्रस्तावों में, देश में मास रैपिड ट्रान्ज़िट सिस्टम तथा मैट्रो प्रोजेक्ट विकसित करने के लिये 23875 करोड़ रु. खर्च करने का प्रावधान किया गया ह।

- पर, रेल के फाइनैंस समझने वाले विशेषज्ञ की यह भी राय है कि यह भारी इन्वैस्टमैंट भारतीय रेल, बैंकों, फाइनैन्शियल कम्पनियों व सरकार से ऋण लेकर कर रही है तथा अभी ऋण अदायगी व ब्याज के भुगतान पर ''मोरेटोरियम'' लगा है, पर जब मोरेटोरियम का समय समाप्त होगा तो एक साथ भारतीय रेल पर भारी आर्थिक बोझ आयेगा और क्या भारतीय रेल इस संकट को भूल पायेगा।

रेल गाड़ियों तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिये 2.25 करोड़ रु. के पूंजीगत व्यय तथा इण्डियन रेलवे की और अधिक प्रतिबद्धता के चलते इस उद्योग के सर्वोच्च अधिकारी काफी उत्साहित एवं प्रसन्न हैं।

एल्स्टॉम इंडिया के प्रबंध निदेशक एलेन स्पोर ने कहा, ''यह एक प्रगतिशील एवं ग्रोथ केन्द्रित बजट है, जो अर्थव्यवस्था पर बहुत आधक सकारात्मक असर डालने वाला तथा प्रोजेक्टों के तेज क्रियान्वयन को प्रोत्साहित करने वाला सिद्ध होगा। मैट्रो डिज़ाइन सिस्टम को स्तरीय बनाने के लक्ष्य से बनाई जाने वाली नीतियाँ, निर्माताओं को अत्यावश्यक स्थिरता प्रदान करेंगी।

नॉर ब्रैमसी (इंडिया) के प्रबन्ध निदेशक दीपांकर घोष ने कहा है, ''रेल -क्षेत्र के लिये की गईं ये पहल कायापलट करने वाली हैं क्योंकि ये ग्रोथ के भविष्य का खाका प्रस्तुत कर रही हैं।'' टैल्गो इंडिया के प्रबन्ध निदेशक सुब्रत नाथ ने कहा, ''रेल गाड़ियों तथा यात्रियों के लिहाज से, बजट-प्रस्ताव सकारात्मक हैं।'' हिटाची इंडिया के निदेशक मंगल देव ने कहा, ''रेल -क्षेत्र के लिये वित्त मंत्री द्वारा की गई घोषणाएं स्थाई इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में मदद करेंगी। प्राइवेट तथा सरकारी क्षेत्रों को इन प्रोजेक्टों में, जोखिम तथा लाभ में आनुपातिक रुप से भागीदारी एवं साझेदारी करने की जरुरत है।''

सीतारमण ने पूर्व घोषित बड़े प्रोजेक्टों, जैसे- इण्डियन रेलवे (आई. आर.) की पुनर्निमाण योनजाओं, रेलवे उत्पादन इकाइयों को कॉर्पोरेशनों का रुप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''क्रिप्टो करैन्सी''

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 फरवरी। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, पी. चिदंबरम ने मंगलवार को जोर देते हुए कहा कि, वित्त मंत्री ने आज से क्रिप्टो करैन्सी को एक तरह से वैध करने की घोषणा कर दी है।

उन्होंने कहा कि, वित्त मंत्री ने देश

- चिदंबरम के अनुसार एक प्रकार से वित्त मंत्री सीतारमण ने क्रिप्टो करैन्सी को ''लीगल'' करार दे दिया है। पर भारत की 99.9 प्रतिशत जनता ''डिजिटल एसैट'' का मतलब तक नहीं समझती।

के काफी अमीर लोगों के इशारे पर ''डिजिटल असैट'' शब्द का आविष्कार किया है। यह भली-भांति जानते हुए कि, यह शब्द क्रिप्टो करैन्सी के अतिरिक्त कुछ नहीं है। उन्होंने ध्यान दिलाया कि, वित्त मंत्री की घोषणानुसार रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (आर.बी.आई.) इसे जारी करेगा और डिजिटल असैट्स के ट्रांसफर पर एक विशेष दर पर टैक्स

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आरोप लग रहा है तो जांच होनी चाहिए, जांच सी.बी.आई. करे या कोई दूसरी एजेंसी'

रीट मामले में राजीव गांधी स्टडी सर्कल पर लगे आरोपों पर बोले सचिन पायलट

जयपुर, 1 फरवरी (का.प्र.)। रीट परीक्षा पेपर लीक को लेकर राजीव गांधी स्टडी सर्किल पर लग रहे आरोपों को लेकर पूछे गए सवाल पर राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि, अगर कोई ऐसा आरोप लग रहा है तो उसकी भी जांच होनी चाहिए। चाहे यह जांच सीबीआई करे या कोई दूसरी एजेंसी, लेकिन समयबद्ध तरीके से पूरी हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

दरअसल रीट परीक्षा मामले में गिरफ्तार प्रदीप पाराशर जो कि स्टेट कोऑर्डिनेटर था वह राजीव गांधी स्टडी सर्किल से जुड़ा है। वही माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के बर्खास्त अध्यक्ष डीपी जारोली भी राजीव गांधी स्टडी सर्किल से जुड़े हुए हैं।

इसके राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर राज्य के मंत्री सुभाष गर्ग हैं और चेयरपर्सन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हैं। ऐसे में सचिन पायलट का यह बयान कि यदि

- ''इस मामले में जो भी दोषी पाया जाए, चाहे वह कितने भी बड़े पद पर क्यों ना हो, कितना भी प्रभावशाली क्यों ना हो, उसे सख्त से सख्त सजा मिलनी ही चाहिए।''

राजीव गांधी स्टडी सर्किल को लेकर आरोप लग रहे हैं और इनकी जांच पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। राजस्थान की राजनीति में महत्वपूर्ण बयान बन सकता है।

इस मामले में मीडिया से बात करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि, रीट भर्ती मामले में पद बढ़ाने के लिए मैंने खुद मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था। यह बेरोजगार और युवाओं से जुड़ा हुआ गंभीर मुद्दा है, क्योंकि रीट परीक्षा मध्यम और ग्रामीण परिवेश के लोग देते हैं। 26 लाख युवाओं के साथ ही इस परीक्षा से जुड़े करीब सवा करोड़ परिवार भी प्रभावित हो रहे हैं। इसी के साथ पायलट ने कहा कि गड़बड़ी सामने आई तो सरकार ने बर्खास्तगी जैसे कड़े कदम उठाते हुए जांच का आदेश भी दिया है और जांच के लिए कमेटी भी बनाई है। भविष्य में ऐसी घटना ना हो, इसके लिए सरकार सदन में कानून भी लेकर आएगी। लेकिन इसके साथ ही पायलट ने यह भी कहा कि, यह मुद्दा देश और प्रदेश की धरोहर नौजवानों के भविष्य से जुड़ा है। इनके साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। पायलट ने कहा कि, सरकार को इस मामले में कड़े कदम उठाने चाहिए और जांच पारदर्शी होने के साथ ही समयबद्ध तरीके से पूरी होनी चाहिए।

पायलट ने कहा कि, इस मामले में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''मोबाइल व बजट''

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 फरवरी। मंगलवार को वित्त मंत्री, निर्मला सीतारमण ने अपने स्मार्टफोन से 90 मिनट का बजट भाषण पढ़कर देश का पहला ''पेपरलैस बजट'' प्रस्तुत किया। इस दौरान, स्क्रीन पर टैक्स्ट को पलटने के लिए उन्हें अनेकों बार रुकना पड़ा।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि भाषण के बीच उनके फोन की बैटरी खत्म ना हो जाए, उन्होंने फोन को चार्जर

- वित्त मंत्री ने बजट भाषण के दौरान अपने मोबाइल फोन की खुलकर मदद ली।

से कनैक्ट किया हुआ था। वित्त मंत्री के रुप में यह उनका चौथा बजट था।

तथापि, बजट भाषण के बाद, फाइनैंस बिल पेश करने के लिए उन्हें स्मार्टफोन छोड़कर पेपर से पढ़ना पड़ा, जिसमें उन्होंने टैक्स व शुल्क में बदलावों का विस्तृत विवरण दिया। मीडियम टर्म फिस्क्ल पॉलिसी पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

निर्मला सीतारमण इकॉनमी को भारत की परम्परागत ''टैन्जिबल करैन्सी'' की दुनिया से उड़ाकर इक्कीसवीं सदी की ''डिजिटल करैन्सी'' के माहौल में ले गयीं

''डिजिटल करैन्सी'' की दुनिया में, जहां विश्व के आधुनिकता देशों, जिनमें अमेरिका भी शामिल है, ने कदम नहीं रखा है, का भारत में आगमन साहसपूर्ण कदम है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 फरवरी। निर्मला सीतारमण ने अपने चौथे बजट में, डिजिटल परिसम्पत्तियों की ट्रेडिंग से होने वाले लाभों पर टैक्स लगाने के अपने प्रस्ताव के जरिये, सीधे तौर पर एक उग्र बहस की शुरूआत कर दी है।

इस प्रस्ताव के साथ ही, वित्त मंत्री ने यह घोषणा भी कर दी कि रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया अपनी स्वयं की ''सैन्ट्रल बैंक डिजिटल करैन्सी'' (सी.बी.डी.सी.) जारी करने पर विचार करेगा।

इन प्रस्तावों और घोषणाओं से, सीतारमण केन्द्रीय बजट को डिजिटल करैन्सी की 21वीं सदी की दुनिया में ले आई हैं।

इससे भारत डिजिटल करैन्सी के के साम्राज्य की अगली पंक्ति में आ गया है, जहां आने का अभी तक केवल कुछ देशों ने ही साहस दिखाया है। इस क्षेत्र का सबसे अग्रणी देश चीन है, जिसने पिछले वर्ष प्रयोग के तौर पर चीनी मुद्रा के रुप में डिजिटल करैन्सी जारी की थी। इन लोगों को चीनी सेन्ट्रल बैंक की अधिकृत डिजिटल करैन्सी का एक डिजिटल वॉलेट दिया गया था, तथा उनसे यह अपेक्षा की गई थी कि वे पैसे के दैनिक लेन-देनों में इसका उपयोग करेंगे।

- हालांकि, इस डिजिटल करैन्सी व्यवस्था के बारे में कई सवाल भी अनुत्तरित हैं।
- चीन, जो इस क्षेत्र में सबसे आगे है, विन्टर ओलम्पिक्स के दौरान चीन की डिजिटल करैन्सी को ओलम्पिक की ऑफिशियल करैन्सी बनाने की पूरी तैयारी में था।
- पर, ओमक्रॉन वायरस व पश्चिमी देशों द्वारा मानव अधिकारों की अवहेलना, विशेषकर वीगर प्रांत की विकट स्थिति के कारण, विन्टर ओलम्पिक में अपनी डिजिटल करैन्सी को गेम्स की ऑफिशियल करैन्सी करने के इरादे से चीन को पीछे हटना पड़ा।
- पर डिजिटल करैन्सी का प्रसार बढ़ रहा है, विशेषकर महंगे आर्ट की खरीद-फरोख्त में।

चीनी कम्यूनिस्ट पार्टी तथा सरकार का विचार था कि वे इस सरकारी चीनी डिजिटल करैन्सी को विधिवत रुप से बीजिंग विन्टर ओलिम्पिक्स के उद्घाटन के समय शुरु करेंगे। चीनियों को उम्मीद थी कि कोई औपचारिक चीनी सी बी डी सी, चीनी युआन को ग्लोबल रिजर्व करैन्सी बना देगी, तथा यह कार्य चीन में अमेरिका से भी पहले हो जायेगा क्योंकि अमेरिका अभी ऐसा कुछ भी करने से बहुत दूर है।

लेकिन, चीन द्वारा वीगर प्रांत में किये गये मानवाधिकारों के हनन को लेकर हुई कूटनीतिक कहा सुनी तथा पश्चिमी देशों द्वारा किये गये ओलम्पिक्स के बहिष्कार के कारण, विन्टर ओलम्पिक्स के उद्घाटन के समय इस करैन्सी की लॉन्चिंग स्थगित कर देनी पड़ी थी।

चीनी इस विचार का मूल्यांकन कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेजपाल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 फरवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को तहलका सम्पादक तरुण तेजपाल को आश्वस्त किया कि, बम्बई उच्च न्यायालय की गोवा बैंच के उस फैसले के खिलाफ दायर की गई अपील को सुनवाई के लिये

- दो जजों द्वारा तेजपाल के मामले में सुनवायी करने से माफी मांगने पर, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने तरूण तेजपाल को विश्वास दिलाया कि उनकी सुनवायी शीघ्र करायेंगे, विलम्ब नहीं आने देंगे।

शीघ्र ही सूचीबद्ध किया जायेगा, जिस फैसले में 2013 के यौन-उत्पीड़न केस में ''इन -कैमरा'' सुनवाई के लिये इनकार कर दिया गया था।

यह आश्वासन मुख्य न्यायाधीश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

एक बात जो मैं दिन की तरह स्पष्ट देखता हूँ यह है कि दुःख का कारण अज्ञान है और कुछ नहीं। –स्वामी विवेकानंद

विश्वविद्यालयों में पेंशन का उलझा हुआ मुद्दा

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार का क्या वैधानिक दायित्व है और सरकार क्या अपना यह दायित्व पूरी तरह निभा पा रही है, यह सवाल आज उठ खड़ा हुआ है क्योंकि सरकार एक तरफ नये-नये विश्वविद्यालय तो स्थापित करती जाती है मगर दूसरी तरफ पहले से चल रहे विश्वविद्यालयों की सुध लेने की उसे फुरसत नहीं है। वहां सेवानिवृत्तियों से खाली हो रहे प्रोफेसरों के पद कैरियर एडवांसमेंट पदोन्नति से भरे जा रहे हैं और नई नियुक्तियों से परहेज़ किया जा रहा है। सरकार को कोई यह समझाने वाला नहीं है कि विश्वविद्यालयों में नया रक्त नहीं आएगा तो उच्च शिक्षा कैसे अपनी अहमियत बनाये रख सकेगी। शासन में बैठे लोग नये विश्व विद्यालय खोल कर राजनैतिक वाह-वाही तो लूटना चाहते हैं किन्तु उच्च शिक्षा में निवेश के लिए वे सरकार की अंटी ढीली नहीं करना चाहते। हालत तो यहां तक है कि सेवानिवृत्त हो रहे विश्वविद्यालय कर्मियों को पेंशन देने के भी उच्च शिक्षा के इन संस्थानों में लाले पड़ रहे हैं। सेवानिवृत्त विश्वविद्यालय कर्मियों का गुबार पिछले दिनों जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के ऑन लाइन हो रहे दीक्षांत समारोह में फूटते हुए सबने देखा है। मुख्यमंत्री ने अपने लिए सलाहकारों की नियुक्तियां करके जो फौज खड़ी की है उसमें से भी कोई यह सलाह देने वाला नहीं दीखता कि विश्वविद्यालय ऐसे उद्यम नहीं होते हैं जिसमें किये जाने वाले निवेश का प्रतिफल रुपये पैसों में तोला जा सके। वह समय गया जब कोई कुलपति मुख्यमंत्री से मुंह पर कह सकता था कि यदि विश्वविद्यालय के लिए पैसे नहीं हैं तो वे खोले ही क्यों गए हैं। यह भी सच है कि विकास के अन्य क्षेत्र अब भी पिछड़े हैं और बड़ा निवेश मांगते हैं। किन्तु शासन की काबिलियत का पता तो इसी से चलता है कि वह उच्च शिक्षा और अन्य विकास के कामों के निवेश में कैसे संतुलन बनाए रखे। इसमें प्रारम्भिक शिक्षा के लिए तो और भी अधिक निवेश और ध्यान की अपेक्षा स्वाभाविक ही की जाती है। मगर इस समय जो मुद्दा तुरंत हल चाहता है वह है विश्वविद्यालयों, खास कर कृषि विश्वविद्यालयों, के सेवानिवृत्त कर्मियों की पेंशन का जिसे लगातार लटकाया जाता रहा है। यह एक ऐसा मानवीय मुद्दा है जो जीवन के संध्याकाल में पहुंच चुके सैकड़ों लोगों के जीवन यापन से जुड़ा हुआ है। जिस प्रकार सेवानिवृत्त सरकारी कर्मियों की पेंशन प्रतिमाह एक निश्चित तारीख तक उनके बैंक खातों में अपने आप पहुंच जाती है वहीं प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत्तकर्मी इस सौभाग्य से वंचित हैं। उन्हें पेंशन कब मिलेगी इसका कोई ठिकाना नहीं है। कहीं कहीं तो दो-दो तीन-तीन महिनें हो जाते हैं जब उन्हें पेंशन का पैसा मिल पाता है। कई जगह अदालतों से आदेश लाने पड़ते हैं।

समस्या यह है कि विश्विद्यालयों के पास अपने सेवानिवृत्त कर्मियों के पेंशन देने का कोई बजट नहीं होता। प्रत्येक विश्व विद्यालय को अपने यहां अलग से पेंशन कोष की व्यवस्था करनी होती है। विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मी इस बात को एक विडंबना बताते हैं कि एक तरफ इन विश्वविद्यालयों के पास अपने सेवानिवृत्त कर्मियों की पेंशन के भुगतान के लिए पैसा नहीं है दूसरी तरफ सरकार प्रत्येक से तीन तीन करोड़ रुपये कोविड महामारी के नाम से ले लेती है। राज्य सरकार यह दलील देती रही है कि उसका विश्वविद्यालयों के पेंशन फंड से कोई लेना-देना नहीं हैक्योंकि प्रत्येक विश्वविद्यालय तकनीकी रूप से स्वायत्त है। बीकानेर के कृषि विश्वविद्यालय जिसमें सबसे अधिक साढ़े बारह सौ के करीब सेवानिवृत्त कर्मी हैं अदालतों में गुहार लगा कर कुछ न कुछ राहत पाते रहे हैं मगर बाद में ढाक के तीन पात वाली बात हो जाती है। हालांकि राजस्थान उच्च न्यायालय कह चुका है कि राज्य को विश्वविद्यालय की स्वायत्तता के नाम पर अपनी आंखें मूंदने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यदि विश्वविद्यालयों के पास पर्याप्त धनराशि नहीं है, तो राज्य सरकार उनके कर्मियों को पेंशन का भुगतान करने के लिए बाध्य है। हालांकि राज्य सरकार यह दावा करती रही है कि विश्वविद्यालयों की पेंशन योजना में शर्त थी कि विश्वविद्यालय अपने संसाधनों से इस योजना का वित्तपोषण करेंगे। मगर सच यह है कि राज्य सरकार ने 16 अप्रेल 1991 को जो पत्र विश्व विद्यालयों को लिखा उसमें सरकार द्वारा सूचित पेंशन योजना में ऐसी कोई शर्त नहीं थी। दूसरे, किसी भे विश्वविद्यालय की सिंडिकेट ने ऐसा कोई प्रस्ताव पास नहीं किया।

विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत्त कर्मियों के पेंशन की जिम्मेवारी सीधे राज्य द्वारा उठाने की कानूनी व्यवस्था कर दी जाए। या फिर बजट में अलग से प्रावधान किया जाकर इस समस्या का स्थायी समाधान किया जा सकता है। सरकारी कर्मचारियों की कुल संख्या के सामने विश्वविद्यालय के कर्मियों की संख्या नगण्य है। परन्तु क्यों मधुमक्खी के छत्ते में हाथ डाला जाए।

राज्य सरकार ने अपनी तरफ से 16 अप्रेल 1991 को विश्वविद्यालयों को लिखा था कि उसने विश्वविद्यालयों में पेंशन योजना शुरू करने का निर्णय लिया है। इसी पत्र में उसने विश्वविद्यालयों से कहा था कि वे एक अप्रेल 1990 से सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार अपने यहां पेंशन योजना लागू करे। ऐसे में यह स्पष्ट रूप से विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने की जिम्मेवारी सरकार की बनती है। सरकार द्वारा बनाए गए नियमों में यह निर्धारित किया गया था कि तत्कालीन कार्यरत शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को पेंशन योजना या पहले से लागू अंशदायी भविष्य निधि में से किसी एक को चुनने का विकल्प दिया गया। सरकार ने यह भी तय किया कि एक जनवरी 1990 के बाद विश्वविद्यालयों में नियुक्त कर्मियों पर पेंशन योजना ही लागू होगी। इस प्रकार नयों के लिए अंशदायी भविष्य निधि समाप्त कर दी गई। जब अंशदायी भविष्य निधि प्रचलन में थी, तब विश्वविद्यालय को मिलने वाले ब्लॉक अनुदान में भविष्य निधि में नियोक्ता के योगदान की भरपाई सरकार करती थी। इस प्रकार अंशदायी भविष्य निधि का दायित्व सरकार वहन करती थी। इसी आधार पर अंशदायी भविष्य निधि के बदले शुरू की गई पेंशन की आवश्यकताओं को पूरा करना भी सरकार का ही दायित्व बना। राज्य सरकार के उस पत्र में जिसके जरिए विश्वविद्यालयों को पेंशन योजना लागू करने का निर्देश दिया गया उसमें यह उल्लेख कहीं नहीं था कि पेंशन योजना या उसके किसी भाग की पूर्ति की जिम्मेदारी संबंधित विश्वविद्यालय की होगी।वर्ष 1993 में जब राजस्थान उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर हुई कि जोधपुर विश्वविद्यालय में पेंशन योजना 1986 से लागू की जाए तो राज्य सरकार की तरफ से यह जवाब दिया गया था कि स्वायत्तशाषी संस्था के वित्त को नियंत्रित करने के लिए राज्य पूरी तरह अधिकृत है। सरकार ने अदालत से यह कह कर कि पेंशन योजना कब से लागू की जाय उसकी कट ऑफ तिथि का औचित्य पूर्णत: आर्थिक है और स्वीकार किया कि यह उसकी जिम्मेदारी है। वास्तव में सरकारी नीतियों ने पेंशन फंड के वर्तमान बुरे हालात बनाए हैं। राजनीति में अपने करीबियों तथा अकुशल कुलपतियों की नियुक्तियों के कारण विश्वविद्यालयों में कुप्रबंधन का लंबा दौर चला है जो आज भी जारी है जिसका खामियाजा सेवानिवृत्त कर्मी भुगत रहे हैं। विश्वविद्यालयों के दो महत्वपूर्ण अधिकारी रजिस्ट्रार और वित्तीय सलाहकार या लेखा अधिकारी होते हैं। वे राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। सभी विश्वविद्यालय कुलाधिपति के नियंत्रण में होते हैं। विश्वविद्यालयों में यदि वित्तीय कुप्रबंधन हुआ है तो इन सरकारी अधिकारियों की जिम्मेदारी कभी तय नहीं की गई।

सरकार विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता की कितनी परवाह करती है इसका उदाहरण है कि राजस्थान विश्वविद्यालय पीएफ योगदान के लिए मार्च 1991 में एक संशोधन पारित किया, जिसकी गणना वेतन और डीए को जोड़ कर की जानी थी। किन्तु विश्वविद्यालय और सरकार के बीच लंबे पत्राचार तथा शिक्षक संघ के विभिन्न अभ्यावेदनों के बावजूद सरकार ने संशोधन को अपनी मंजूरी नहीं दी। यह दर्शाता है कि सरकार अपना पल्ला झाडे ही रखना चाहती है। पेंशन को कर्मचारी तथा उसके परिवार के जीवन यापन का कल्याणकारी उपाय माना जाता है। राजस्थान उच्च न्यायालय भी इस मामले में कह चुका है कि राज्य सरकार पूरे मामले पर सही परिप्रेक्ष्य में विचार करे। परंतु जब सरकारें राजनीति के प्रपंच में फंसी रहे तब ऐसे मुद्दों पर गंभीरता और संवेदनशीलता से विचार होना संभव नहीं होता। लेकिन इस प्रकार के मुद्दे टाले नहीं जा सकते। राज्य विधान सभा का बजट सत्र शुरू होने वाला है। यह वह संवैधानिक मंच है जहां ऐसे मुद्दों पर चर्चाएं होनी चाहिए और किसी नतीजे पर सर्वसम्मत तरीके से पहुंचा जाना चाहिए। एक रास्ता यह सुझाया जा रहा है कि विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत्त कर्मियों के पेंशन की जिम्मेवारी सीधे राज्य द्वारा उठाने की कानूनी व्यवस्था कर दी जाए। या फिर बजट में अलग से प्रावधान किया जाकर इस समस्या का स्थायी समाधान किया जा सकता है। ऐसा करने से राजकोष पर कोई बड़ा भार नहीं पड़ने वाला है क्योंकि सरकारी कर्मचारियों की कुल संख्या के सामने विश्वविद्यालय के कर्मियों की संख्या नगण्य है। परंतु सरकार में सोच यह है कि यदि विश्वविद्यालय के कर्मियों के लिए ऐसा किया जाता है तो अन्य स्वायत्तशाषी अर्धसरकारी उपक्रमों में भी यह मांग उठेगी। तो क्यों मधुमक्खी के छत्ते में हाथ डाला जाए। लेकिन लोकतंत्र में निर्वाचित सरकारों से ऐसे व्यवहार की अपेक्षा नहीं की जा सकती। शासन को आगे बढ़ कर समस्या का सामना ही नहीं करना चाहिए बल्कि कोई सर्वमान्य हल खोज कर विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत्त कर्मियों की मानवीय त्रासदी में संवेदनशीलता से मदद करनी चाहिए। इसके लिए उच्च शिक्षा के बारे में राज्य सरकार को अपना सोच स्पष्ट करना होगा। निर्वाचित प्रतिनिधियों को सचिवालय के वातानुकूलित बंद कमरों से बाहर निकल कर खुली सोच के साथ शिक्षा को लाभ के अन्य उपक्रमों से अलग देखना होगा और उसके साथ वैसा ही व्यवहार करना होगा। तभी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा फिर प्राप्त कर पाएगा।

अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

अजमेर में उर्स मेला

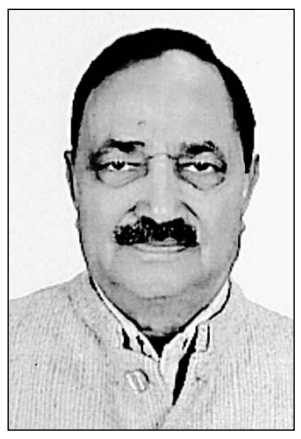

देवीसिंह नरूका

■ सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती का सालाना उर्स (पुण्य तिथि) इस्लामिक कलेण्डर के रजब माह की 1 से 6 तारीख तक मनाया जाता है

सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती का सालाना उर्स (पुण्य तिथि) इस्लामिक कलेण्डर के रजब माह की 1 से 6 तारीख तक मनाया जाता है। दूर-दूर से देश-विदेश के लोग गरीब नवाज की मजार पर अकीदत के फूल पेश करते खिंचे चले आते हैं। उर्स के दौरान लाखों लोगों के अजमेर में एकत्रित होने से मेले का सा माहौल होता है अत: यह उर्स मेला कहलाता है।

ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती (1143-1233 ई.) 52 वर्ष की उम्र में अजमेर आये। 91 वर्ष की आयु में उनके शरीर का अंत हुआ। ख्वाजा साहब के इंतकाल के बाद कच्ची ईंटों का साधारण मजार बना दिया गया था। करीब 250 वर्ष तक इसमें कोई खास रद्दोबदल नहीं हुआ। सन् 1455 ई. में मांडू के सुल्तान मोहम्मद खिलजी का अजमेर पर कब्जा हुआ। उस समय पक्का मजार बनवाया गया। सन् 1564 में अजमेर बादशाह अकबर के अधीन आया। इसके पश्चात बादशाह अकबर जहांगीर और शाहजहां के जमाने से अब तक दरगाह क्षेत्र में नये भवनों का निर्माण और रद्दोबदल करवाया जा रहा है।

ख्वाजा साहेब का सालाना उर्स कब से मनाया जाने लगा, इस संबंध में निश्चित रूप से बताना मुश्किल है। ऐसे पहुंचे हुए संत की मजार पर उनके इंतकाल के बाद से ही लोग अकीदत के फूल पेश करते होंगे। बादशाह अकबर के समय से पहले भी दरगाह में वर्तमान समय के रस्म रिवाज किसी न किसी रूप में अवश्य होंगे। इन व्यवस्थाओं के सुचारू रूप से संचालन के लिए बादशाह अकबर द्वारा 18 गांव दरगाह की जागीर में दिये गये। कर्मचारी नियुक्त किये और सन् 1569 में शेख मोहम्मद बुखारी को दगाह का मुतवली नियुक्त किया गया। सन् 1570 ई. में बादशाह अकबर द्वारा आगरा से अजमेर तक की पैदल यात्रा से दरगाह की शोहरत खूब फैली। संभवत: बादशाह अकबर के समय से ही उर्स मेला जोर-शोर से भरने लगा।

बादशाह अकबर के उत्तराधिकारी बादशाह जहांगीर 1613 से 1616 ई. तक करीब तीन वर्ष तक अजमेर में रहे। अजमेर प्रवास के दौरान ख्वाजा साहेब के उर्स के बारे में बादशाह ने अपनी जीवनी 'तुजुके जहांगीरी' में लिखा है, "रविवार की रात को ख्वाजा बुजुर्गवार का उर्स था और मैं उनके रोजे मुतबरिक पर गया और वहां आधी रात तक रहा। खादिमों और सूफियों को वज्द हो गया और मैंने अपने हाथ से फकीरों और खादिमों को दौलत बख्शी। कुल खर्च 600 रुपये नकद, 100 कुरते और मोतियों, अम्बर व मूंगों की 70 मालाओं का हुआ।"

बादशाह शाहजहां की बेटी बेगम जहांआरा ने अपनी पुस्तक 'मोनेसुल अरवाह' में अजमेर यात्रा के बारे में लिखा है, "दिल्ली से यहां (अजमेर) आनासागर होते हुए अजमेर शरीफ तक पहुंची। तब हर दो मंजिल पर दो रकात नमाज अदा की.... बड़ी अकीदत के साथ मजारे अकदश पर पहुंची और जब तक यहां रही और रातें यहां गुजारी, तब तक पैर और कमर मजारे अकदश शरीफ की ओर नहीं किये।"

यातायात के वर्तमान साधन न होने के कारण उर्स मेले में भी लोग ऊंट, बैलगाड़ी व घोड़ों आदि से आया करते थे। जनाब अब्दुल कादिर साबिज जंग (1782-1825 ई.) ने अपने संस्मरण में लिखा है कि, 'पुष्कर मेले से भी अधिक पशु अजमेर के उर्स मेले में देखे जा सकते हैं। इसी प्रकार से संचार के साधन न होने के कारण उर्स मेले की सूचना देने के लिए लोग देश के विभिन्न स्थानों से हाथों में छोटी-बड़ी झंडिया लेकर अजमेर शरीफ की ओर रवाना हो जाते थे। रास्ते में लोगों को सूचित करते, जिससे कुछ लोग उनके साथ और कुछ आगे-पीछे अजमेर के लिए प्रस्थान करते। उर्स मेले के प्रारंभ से एक सप्ताह पहले दरगाह के 75 फीट ऊंचे बुलन्द दरवाजे पर भीलवाड़ा के गौरी परिवार द्वारा लाया गया बड़ा हरा झंडा चढ़ाने की परम्परा है।

उर्स मेले के दौरान दरगाह में कव्वाली की महफिल का समय भी रात्रि 11 से प्रात: चार बजे तक रखा गया। महफिल-ए-समा अथवा कव्वाली के लिए यही आदर्श समय है। सन् 1891 में जनाब वशीरूदौला सर असमान जाह द्वारा महफिलखाने के निर्माण के पहले उर्स के दौरान शामियाना लगाकर कव्वाली की महफिल होती थी। कव्वाली के प्रारंभिक काल में केवल डफ व तालियों के साथ ही कव्वाली गाई जाती थी। बाद में हारमोनियम आदि का भी उपयोग किया जाने लगा। उर्स मेले में अब की तुलना में पहले बहुत कम लोग आते थे। बताया गया है कि सन् 1947-48 में देश के विभाजन के दंगों के समय तो उर्स मेले में केवल इतने लोग थे कि जुम्मे की नजाम दरगाह क्षेत्र में ही अदा कर दी गई। वर्तमान समय में दरगाह को जाने वाली सभी सड़कों पर दूर-दूर तक सड़कों पर बैठकर लोग नमाज अदा करते हैं।

लंगर:– बादशाह अकबर के समय से ही दरगाह में प्रात: व सांयकाल मीठा व नमकीन दलिया तैयार कर बांटा जाता है। इसी प्रकार से खासतौर से उर्स के मौके पर बादशाह अकबर व जहांगीर द्वारा भेंट की गई देगों में चावल, घी, मेवा, मिष्ठान पका कर वितरण की व्यवस्था है। बताया गया है कि पहले मुगल बादशाहों के द्वारा शिकार किये गये जानवरों का मांस पका कर वितरित किया जाता था। बाद में इन देगों के लूटने की परम्परा चल पड़ी। कुछ वर्षों से अब पुन: देगों में पकाये गये तवर्रुक के वितरण की व्यवस्था की गई है। अजमेर मेरवाड़ा के गजेटियर के अनुसार सन् 1901-1902 में लंगर खाने में प्रात: व सांयकाल करीब नौ सौ लोगों को भोजन वितरित किया जाता था। इसका सालाना खर्च 5000 रुपये था। इस्लामी कलेण्डर के शव्वाल माह की 5 तारीख को ख्वाजा साहेब के गुरू ख्वाजा उस्मान हारूनी, 14 रबी प्रथम को ख्वाजा साहेब के शिष्य ख्वाजा कुतुबुद्दीन, 19 रजब को ख्वाजा साहेब की पुत्री बीबी हाफिज जमाल और 19 रजब को अजमेर के तारागढ़ के किले में सैय्यद मीर हुसैन खंगसवार अथवा मीा साहब का उर्स मनाया जाता है। इस संबंध में उल्लेखनीय है कि अन्य धर्मों में प्राय: जन्मोत्सव मनाने की परम्परा है जैसे– रामनवमी, जन्माष्टमी, बुद्ध जयन्ती, महावीर जयन्ती आदि, किन्तु सूफी मत में उर्स अथवा पुण्य तिथि को अधिक महत्व दिया गया है।

–देवीसिंह नरूका,
वरिष्ठ लेखक व पत्रकार

असुविधाओं से जूझता बृजपुरा का उच्च प्राथमिक विद्यालय

बरसों गुजर जाने के बावजूद नहीं सुधर पाए हालात

बृजपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में बालक-बालिकाएं खुले में पढ़ने को मजबूर हैं।

चाकसू, (निसं)। सरकार एवं शिक्षा विभाग विद्यालयों के भवन निर्माण के लिए जगहों की तलाश कर रहा है। लेकिन जहां जगह उपलब्ध है वहां भी विभाग भवन निर्माण कार्य कराने में सक्षम नहीं हो रहा है। कई विद्यालय अपग्रेड हुए कई भवनों का निर्माण हुआ। बावजूद इसके अभी इसकी गुणवत्ता में अधिक सुधार नहीं दिखाई देता है। इसका कारण यह है कि कहीं विषयगत शिक्षकों की कमी है तो कहीं संसाधनों का घोर अभाव है। इसी के तहत चाकसू उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोथून के तहत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बृजपुरा के हालात भी इसी सूची मैं है जहां कक्षा कक्ष के अभाव में छात्र-छात्राओं को खुले में बैठकर पढ़ाई करवाई जा रही है। बरसों गुजर जाने के बावजूद हालात नहीं सुधर पाए हैं।

■ कक्षा एक से आठवीं तक के बालकों के अध्ययन के लिए मात्र दो कमरे बचे हैं

■ विद्यालय परिसर के चार दीवारी नहीं होने से आवारा पशुओं का जमावड़ा लग जाता है

■ 70 बालक-बालिकाओं के नामांकन के बावजूद यहां लघु शंकालय एवं शौचालय तक उपलब्ध नहीं है

विद्यालय में कक्षा एक से आठवीं तक के बालकों के अध्ययन के लिए मात्र दो कमरे बचे हैं। 70 बालक-बालिकाओं के नामांकन के बावजूद यहां लघु शंकालय एवं शौचालय तक उपलब्ध नहीं है। पीने की पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है। साथ ही विद्यालय परिसर के चार दीवारी नहीं होने से आवारा पशुओं का जमावड़ा लग जाता है। जयपुर से मात्र 50 किलोमीटर दूर स्थित राजकीय विद्यालय की यह दशा कितनी दयनीय है देखते ही पता चल जाता है। ग्रामवासियों ने साहस बटोर कर चाकसू प्रधान, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद जयपुर एवं माननीय जिला प्रमुख को विद्यालय में अभावों की जानकारी देते हुए विद्यालय की चारदीवारी, चार कक्षा-कक्षों के निर्माण एवं बालक-बालिकाओं के लिए अलग अलग शौचालय निर्माण की मांग की है। मांगपत्र पर प्रधानाचार्य के अलावा वार्ड मेंबर पंच रामनारायण, रामसहाय, रतनलाल सीताराम, रामजीलाल, ओमप्रकाश, अभिषेक, विक्रम, मनोज, गिरिराज व दीपक सहित अन्य ग्रामवासियों के हस्ताक्षर हैं।

वैक्सीनेशन के लिए नाव पर हुए सवार

जान बचानी है तो जान जोखिम में भी डालेंगे ...। नाव में बैठकर लोगों के टीकाकरण के लिए गंतव्य तक पहुंचती चिकित्सा विभाग एवं सेव द चिल्ड्रन की टीम।

बांसवाड़ा, (निसं)। छोटी सरवन ब्लॉक के दूरस्थ एवं आवागमन साधनों से रहित स्थानों पर वैक्सीनेशन टीम ने पहुंचकर लोगों का टीकाकरण किया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा सेव द चिल्ड्रन संगठन की ओर से शत प्रतिशत टीकाकरण के लिए प्रयास किये जा रहे हैं जिसके तहत विभाग एवं संगठन की टीम नाव के सहारे कोरोना महामारी से बचाव के लिए लोगों को टीका लगाने के लिए दूरस्थ टापरों में पहुंची।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एचएल ताबियार ने बताया कि समन्वित प्रयासों के सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं और जिला पूर्ण वैक्सीनेशन जिला बनने के करीब पहुंच चुका है। छोटी सरवन के ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गणेश मईडा ने बताया कि सेव द चिल्ड्रन के माध्यम से ब्लॉक में शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन के ठोस प्रयास किये जा रहे हैं एवं नियमित रुप से टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समीक्षा के बाद पाया गया कि दूरस्थ ईलाकों में अभी भी कुछ लोग वंचित रह गये हैं इस पर विभाग का दल एवं सेव द चिल्ड्रन की टीम ने ऐसे गांवों को चिह्नित करते हुए पहुंच के हर संभव प्रयास किये। डॉ. मईडा एवं उनकी टीम गांव-गांव जाकर वंचित लोगों का टीकाकरण कर रही है। अभियान के माध्यम से 15 से 18 आयु वर्ग के वंचित युवाओं एवं बूस्टर डोज के लिए योग्यता रखने वाले व्यक्तियों का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। सेव द चिल्ड्रन के दिनेश कुमार ने बताया कि कोटडा, झमलिया, ठीकरिया आदि दुर्गम स्थानों पर पहुंचकर वैक्सीनेशन शिविर लगाये गये।

■ 15 से 18 आयु वर्ग के वंचित युवाओं एवं बूस्टर डोज के लिए योग्यता रखने वाले व्यक्तियों का वैक्सीनेशन किया

इस दौरान लोगों को प्रेरित करते हुए परामर्श भी दिया गया। टीम में स्वास्थ्य विभाग से एडोलेसेंट हेल्थ काउंसलर नीता जोशी, सरोज सोनी, मोली एएनएम, आशा एवं सेव द चिल्ड्रन के उमेश डिंडोर, कैसर अजीम, गोवेर्धन, कैलाश, मनोहर तथा वॉलिंटियर्स शामिल रहे।

राशिफल बुधवार 2 फरवरी, 2022

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2078, धनिष्ठा नक्षत्र सायं 5:38 तक, वारियान योग रात्रि 11:58 तक, बव करण प्रात: 8:16 तक, चन्द्रमा आज कुमभ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-धनु, बुध-मकर, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज राजयोग प्रात: 8:32 से सायं 5:53 तक है। आज चन्द्र दर्शन, बुध शृगोन्नति है। आज से गुप्त नवरात्र आरम्भ होंगे। आज श्री वल्लभ जयन्ती, पंचक है। आज द्वितीय तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत 10:46 से 12:10 तक सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 7:14 से शाम 4:23 तक।

राहूकाल: दोपहर 04:30 से 6 बजे तक।

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

धनु

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कन्या

आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी।

तुला

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

महत्वपूर्ण और अति कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत कारणों से भागदौड़ रहेगी और मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। संभावित धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

कार्यालय नगर पालिका विद्या विहार (पिलानी)

क्रमांकः-न.पा.वि.वि./4477 दिनांकः-31.01.2022

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित द्वारा स्थानीय पालिका में स्थित भूखण्डों के लिये का पट्टा हस्तानान्तरण/नगरीय विकास कर दर्ज/नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः जिस किसी को आपत्ति हो, तो सूचना के प्रकाशन के अन्दर मियाद 7 दिवस में आपत्ति/दस्तावेज प्रस्तुत करें। मियाद बाद प्राप्त होने वाली आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	भूखण्ड स्थित है	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
1	श्री विष्णु पांडे पुत्र श्री सीताराम पोंडे, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर, विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर, विद्या विहार पिलानी	200.00 वर्ग गज	69क नियमन
2	श्री नगेन्द्रद्र नोवाल पुत्र श्री महेन्द्र नोवाल निवासी- वार्ड नं. 14 पिलानी गेस्ट हाऊस के पास पिलानी।	वार्ड नं. 15 विद्या विहार पिलानी	339.26 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
3	श्रीमती ग्यारसी देवी पत्नि श्री गोविन्दराम, निवासी- वार्ड नं. 18 अग्रसेन कॉम्पलेक्स भगत सिंह सर्किल के पास विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 18 अग्रसेन कॉम्पलेक्स भगत सिंह सर्किल के पास विद्या विहार पिलानी	242.00 वर्ग गज	69क नियमन
4	श्री राजेश कुमार पुत्र श्री रोहिताश वर्मा, निवासी वार्ड नम्बर 16 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 16 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	211.11 वर्ग गज	69क नियमन
5	श्री विनोद कुमार सैनी पुत्र श्री ताराचन्द सैनी, निवासी- वार्ड नम्बर 16 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 16 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	211.11 वर्ग गज	69क नियमन
6	श्रीमती बिमला देवी पत्नि श्री शीशराम निमड़, निवासी- वार्ड नं. 11 शिव कॉलोनी सीरी रोड़ विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 11 शिव कॉलोनी सीरी रोड़ विद्या विहार पिलानी	249.33 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
7	श्रीमती मंजू पत्नि श्री जोगेन्द्र सिंह, निवासी- वार्ड नं. 21 विश्राम वाटिका कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 21 विश्राम वाटिका कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	325.00 वर्ग गज	69क नियमन
8	श्री पवन सोमानी पुत्र श्री महावीर सोमानी, निवासी- वार्ड नं. 21 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 21 विद्या विहार पिलानी। विद्या विहार पिलानी	278.00 वर्ग गज	69क नियमन
9	श्री शीशराम पुत्र श्री मातू राम, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	330.41 वर्ग गज	69क नियमन
10	श्री मुनेश पुत्र श्री रिछपाल व श्री बलवान सिंह पुत्र श्री माईधनराम व श्रीमती रमेश देवी पत्नि श्री जयपाल सिंह, निवासी- साबू कॉलजे के पासे विद्या विहार पिलानी	साबू कॉलेज के पास विद्या विहार पिलानी	116.64 वर्ग गज	69क नियमन
11	श्रीमती सुशीला देवी पत्नि श्री ओंकार, निवासी- वार्ड नम्बर 04 हरि नगर, विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 04 हरि नगर, विद्या विहार पिलानी	333.33 वर्ग गज	69क नियमन
12	श्रीमती सुनिता देवी पत्नि श्री धर्मपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	493.43 वर्ग मीटर	69क नियमन
13	श्रीमती सुनिता देवी पत्नि श्री धर्मपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	440.79 वर्ग मीटर	69क नियमन
14	श्रीमती सुनिता देवी पत्नि श्री धर्मपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	335.28 वर्ग मीटर	69क नियमन
15	श्रीमती सुनिता देवी पत्नि श्री धर्मपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	473.83 वर्ग मीटर	69क नियमन
16	श्रीमती सुनिता देवी पत्नि श्री धर्मपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	473.80 वर्ग मीटर	69क नियमन
17	श्रीमती सुनिता देवी पत्नि श्री धर्मपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	473.80 वर्ग मीटर	69क नियमन
18	श्रीमती सुनिता देवी पत्नि श्री धर्मपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	296.67 वर्ग मीटर	69क नियमन
19	श्रीमती सुनिता देवी पत्नि श्री धर्मपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	452.24 वर्ग मीटर	69क नियमन
20	श्रीमती सुनिता देवी पत्नि श्री धर्मपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	430.78 वर्ग मीटर	69क नियमन
21	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी-चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	497.83 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
22	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	490.56 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
23	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की। सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	499.10 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
24	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	492.64 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
25	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	486.98 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
26	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	496.30 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
27	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	449.80 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
28	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	484.90 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
29	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	409.24 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
30	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	494.73 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
31	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	498.68 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
32	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	278.46 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
33	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	496.81 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
34	श्री रतनलाल पुत्र श्री माईधन, निवासी- चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	चिडावा रोड़ खेड़ला की सरहद, विद्या विहार पिलानी	462.65 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
35	श्रीमती सुनिता देवी पत्नि श्री धर्मपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	296.67 वर्ग मीटर	69क नियमन
36	श्रीमती सुनिता देवी पत्नि श्री धर्मपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	206.94 वर्ग मीटर	69क नियमन
37	श्री रामौतार सिंह पुत्र श्री रधुवीर सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	110.73 वर्ग गज	69क नियमन
38	श्री बलवान सिंह पुत्र श्री अमीलाल, निवासी- वार्ड नं. 11 शिव कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 11 शिव कॉलोना विद्या विहार पिलानी	293.85 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
39	श्री मांगु सिंह व श्री मुकेश सिंह पुत्रगण श्री पृथ्वी सिंह राठौड, निवासी- वार्ड नं. 01 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 01 विद्या विहार पिलानी	215.87 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
40	श्री गोरधन कुमावत पुत्र श्री तारू जी कुमावत, निवासी- वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	209.05 वर्ग गज	69क नियमन
41	श्रीमती सुमन देवी पत्नि श्री राजकुमार, निवासी- वार्ड नम्बर 01 शान्ति नगर विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 01 शान्ति नगर विद्या विहार पिलानी	450.55 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
42	श्रीमती बबीता पत्नि श्री विनोद शर्मा, निवासी- वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	266.66 वर्ग गज	69क नियमन
43	श्री अत्तरसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल, निवासी- बाई पास रोड़ कल्पवृक्ष अस्पताल के सामने विद्या विहार पिलानी	बाई पास रोड़ कल्पवृक्ष अस्पताल के सामने विद्या विहार पिलानी	171.08 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
44	श्रीमती शकुंतला देवी पत्नी श्री अशोक कुमार डाडा, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	325.00 वर्ग गज	69क नियमन
45	श्रीमती प्रेम देवी पत्नि श्री जितेन्द्र सिंह यादव, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	150.00 वर्ग गज	69क नियमन
46	श्रीमती डिम्पल केडिया पत्नि श्री रमाकान्त केडिया, निवासी- वार्ड नं. 21 पंचवटी के पास विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 21 पंचवटी के पास विद्या विहार पिलानी	200.00 वर्ग गज	69क नियमन
47	श्री महीपाल सिंह पुत्र श्री बैजूराम, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	291.50 वर्ग गज	69क नियमन
48	श्रीमती सुमन देवी पत्नि श्री योगेश शर्मा, निवासी- वार्ड नं. 19 चिडावा रोड विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 19 चिडावा रोड विद्या विहार पिलानी	27.77 वर्ग गज	69क नियमन
49	श्री रविन्द्र कुमार सांगवान पुत्र श्री दयानन्द राम, निवासी- वार्ड नं. 01 राजगढ रोड विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 01 राजगढ रोड विद्या विहार पिलानी	129.00 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
50	श्री इश्वरसिंह पायल पुत्र श्री हंसराम पायल, निवासी-वार्ड नं. 01 शान्ति नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 01 शान्ति नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	83.33 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
51	श्री नरोतमलाल पुत्र श्री मोहनलाल, निवासी- वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	175.00 वर्ग गज	69क नियमन
52	श्री विनोद कुमार शर्मा पुत्र श्री श्योबक्स शर्मा, निवासी- वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	266.66 वर्ग गज	69क नियमन
53	श्री विनोद कुमार शर्मा पुत्र श्री श्योबक्स शर्मा, निवासी- वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	266.66 वर्ग गज	69क नियमन
54	श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री शीशराम, निवासी- वार्ड नं. 11 सीरी रोड विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 11 सीरी रोड विद्या विहार पिलानी	250.11 वर्ग मीटर	कृषि भूमि नियमन
55	श्री अंकित खुल्लर पुत्र श्री बलदेव कुमार, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	300.00 वर्ग गज	69क नियमन
56	श्री सुभाष चन्द्र सैनी पुत्र श्री रामूराम, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	158.31 वर्ग गज	69क नियमन
57	श्रीमती भतेरी देवी पत्नी श्री वेदपाल सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	250.00 वर्ग गज	69क नियमन
58	श्री राम किशन पुत्र श्री मगाराम, निवासी- वार्ड नं. 11 सीरी रोड़ विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 11 सीरी रोड़ विद्या विहार पिलानी	22.22 वर्ग गज	69क नियमन
59	श्रीमती सुषमा पत्नि श्री भवानी सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	294.44 वर्ग गज	69क नियमन
60	श्री जय नारायण सिंह पुत्र श्री लादू राम, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	555.55 वर्ग गज	69क नियमन
61	श्रीमती प्रेमलता पत्नि श्री कल्याण सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	297.77 वर्ग गज	69क नियमन
62	श्री विकास पुत्र श्री राजेश, निवासी- वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	40.00 वर्ग गज	69क नियमन
63	श्रीमती सुशीला पत्नि श्री शीशराम, निवासी- वार्ड नं. 24 शान्ति नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 24 शान्ति नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	488.88 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
64	श्री हंसादत्त उपाध्याय पुत्र श्री परमानन्द उपाध्याय, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	71.11 वर्ग गज	69क नियमन
65	श्री राजसिंह राजपूत पुत्र श्री देशराज सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	300.00 वर्ग गज	69क नियमन
66	श्री ओमप्रकाश सिंह पुत्र श्री करण सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	226.11 वर्ग गज	69क नियमन
67	श्री बाबूलाल पंवार पुत्र श्री प्रेम चन्द, निवासी- वार्ड नं. 18 राणी सती मन्दिर के पास विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 18 राणी सती मन्दिर के पास विद्या विहार पिलानी	300.00 वर्ग गज	69क नियमन
68	श्री राम निवासी शर्मा पुत्र श्री चेतराम शर्मा निवासी- वार्ड नं. 18 राणी सती मन्दिर के पास विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 18 राणी सती मन्दिर के पास विद्या विहार पिलानी	231.25 वर्ग गज	69क नियमन
69	श्रीमती संतोष पत्नि श्री ओमप्रकाश, निवासी- वार्ड नं. 01 झेरली रोड विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 01 झेरली रोड विद्या विहार पिलानी	887.42 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
70	श्रीमती संतोष पत्नि श्री ओमप्रकाश, निवासी- वार्ड नं. 01 झेरली रोड विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 01 झेरली रोड विद्या विहार पिलानी	1315.58 वर्ग गज	69क नियमन
71	श्री नागेन्द्र नोवाल पुत्र श्री महेन्द्र नावोल, निवासी- वार्ड नं. 14 पिलानी गेस्ट हाऊस के पास पिलानी।	वार्ड नं. 15 विद्या विहार पिलानी	418.57 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
72	श्री प्रेमलाल सैनी पुत्र श्री मूंगाराम सैनी, निवासी- वार्ड नं. 25 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 25 विद्या विहार पिलानी	520.11 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
73	श्रीमती मुनेश कुमारी पत्नि श्री संजय कुमार, निवासी- वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	422.86 वर्ग मीटर	भवन निर्माण स्वीकृति हेतु
74	श्रीमती सरिता देवी पत्नि श्री शीशराम तानान, निवासी- वार्ड नं.18 बिरला अस्पताल के पास,विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 18 बिरला अस्पताल के पास विद्या विहार पिलानी	37.77 वर्ग गज	69क नियमन
75	श्री नवीन पुत्र श्री महावीर सिंह, निवासी- वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	40.00 वर्ग गज	69क नियमन
76	श्री पवन पाल रॉव पुत्र श्री अमर सिंह, निवासी- वार्ड नं. 13 सीरी रोड विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 13 सीरी रोड विद्या विहार पिलानी	27.77 वर्ग गज	69क नियमन
77	श्रीमती स्नेहलता शर्मा पत्नी श्री विनोद कुमार शर्मा, निवासी- वार्ड नं. 18 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 18 विद्या विहार पिलानी	37.77 वर्ग गज	69क नियमन
78	श्रीमती विद्या शर्मा पत्नी श्री मदन लाल शर्मा निवासी- वार्ड नं. 01शान्ति नगर कॉलानी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं.01 शान्ति नगर कॉलानी विद्या विहार पिलानी	461.00 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
79	श्रीमती सुनिता सोलंकी पत्नि श्री लवेन्द्र सोलंकी, निवासी- वार्ड नं. 17 चिडावा रोड विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 17 चिडावा रोड विद्या विहार पिलानी	355.55 वर्ग गज	69क नियमन
80	श्रीमती शान्ति देवी पत्नि श्री सोवन सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	185.44 वर्ग गज	69क नियमन
81	श्री विष्णु पांडे पुत्र श्री सीताराम पांडे, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	1300.00 वर्ग गज	69क नियमन
82	श्री पवन कुमार सैनी पुत्र श्री लीलाधर सैनी, निवासी- वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	58.42 वर्ग गज	69क नियमन
83	श्री सुभाष कुमावत पुत्र श्री सीताराम, निवासी- वार्ड नं. 09 शिव कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 09 शिव कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	344.15 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
84	श्री बहादुर सिंह पूनियां पुत्र श्री मोहर सिंह पूनियां, निवासी- वार्ड नं. 18 बेडवाल अस्पताल के पास विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 18 बेडवाल अस्पताल के पास विद्या विहार पिलानी	543.14 वर्ग गज	69क नियमन
85	श्री नरोत्तम लाल पुत्र श्री मोहन लाल, निवासी- वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	175.00 वर्ग गज	69क नियमन
86	श्री सम्पत सिंह पुत्र श्री जीवण सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	256.94 वर्ग गज	69क नियमन
87	श्री जयचन्द शिवरान पुत्र श्री गुगनराम, निवासी- वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	151.86 वर्ग गज	69क नियमन
88	श्री जयचन्द शिवरान पुत्र श्री गुगनराम, निवासी- वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 13 विद्या विहार पिलानी	75.93 वर्ग गज	69क नियमन
89	श्रीमती ग्यारसी देवी पत्नी श्री गोविन्द राम, निवासी- वार्ड नं. 18 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 18 विद्या विहार पिलानी	58.81 वर्ग गज	69क नियमन
90	श्रीमती स्नेहलता शर्मा पत्नी श्री विनोद कुमार शर्मा, निवासी- वार्ड नं. 18 विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 18 विद्या विहार पिलानी	252.22 वर्ग गज	69क नियमन
91	श्रीमती शान्ति देवी पत्नि श्री सोबन सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	145.77 वर्ग गज	69क नियमन
92	श्री जयप्रकाश पुत्र श्री शंकरलाल, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	252.00 वर्ग गज	69क नियमन
93	श्रीमती विनोद कंवर पत्नि श्री मोहन सिंह, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	258.00 वर्ग गज	69क नियमन
94	श्री प्रमेन्द्र जांगिड पुत्र श्री बहादुरसिंह जांगिड, निवासी-वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	150.00 वर्ग गज	69क नियमन
95	श्रीमती प्रेम पत्नि श्री नवीन कुमार, निवासी- वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 04 हरि नगर विद्या विहार पिलानी	244.44 वर्ग गज	69क नियमन
96	श्री विजेन्द्र सिंह पुत्र श्री रघुवीर सिंह, निवासी- वार्ड नं. 09 शान्ति नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 09 शान्ति नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	815.08 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
97	श्री नवीन कुमार पुत्र श्री उम्मेद सिंह, निवासी- वार्ड नं. 01 झेरली रोड विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 01 झेरली रोड विद्या विहार पिलानी	266.67 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन
98	श्रीमती राधा असवाल पतिन्र श्री मोहन सिंह असवाल, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोना विद्या विहार पिलानी	150.00 वर्ग गज	69क नियमन
99	श्रीमती सावित्री देवी पत्नि श्री तेजपाल, निवासी- वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नम्बर 03 हरि नगर कॉलोना विद्या विहार पिलानी	301.80 वर्ग गज	69क नियमन
100	श्रीमती नरेश कुमारी पत्नी श्री विनोद कुमार पूनिया निवासी वार्ड नं. 09 शान्ति नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	वार्ड नं. 09 शान्ति नगर कॉलोनी विद्या विहार पिलानी	341.66 वर्ग गज	कृषि भूमि नियमन

(तौफिक अहमद)
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका विद्या विहार, पिलानी

16 डॉक्टर व 40 नर्सिंग स्टाफ के बावजूद चरमराई मालपुरा अस्पताल की व्यवस्थाएं

विभाग के नियमों के विपरीत दो चिकित्सकों के पास चल रहा अस्पताल का चार्ज

मालपुरा, (निसं)। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालपुरा में 16 डॉक्टर व 40 नर्सिंग स्टाफ की स्थाई नियुक्ति के बावजूद मालपुरा अस्पताल की चिकित्सा व प्रशासनिक व्यवस्थाएं चरमराई होने का मामला सामने आया है।

इसका मुख्य कारण मालपुरा अस्पताल में वित्तीय व प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दो चिकित्सकों के पास चार्ज चल रहा है एवं दोनों ही अधिकारियों द्वारा जारी किये जा रहे अलग-अलग आदेश स्थाई प्रभारी पद को लेकर कार्मिकों व आमजन के समक्ष प्रश्न खड़ा कर दिया है। अस्पताल में चरमराई व्यवस्थाओं को लेकर अस्पताल सूत्रों से मिली जानकारी में सामने आया कि एक वर्ष पूर्व सीएचसी प्रभारी के सेवानिवृत होने के बाद डॉ. विद्या मघनानी को स्वास्थ्य निदेशालय द्वारा जारी आदेशों में मालपुरा अस्पताल प्रभारी का वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारी बनाया गया था। लेकिन मई 2021 में अल्प समय के लिए सीएमएचओ द्वारा एक आदेश जारी कर डॉ. जीतराम मीणा को अस्पताल की प्रशासनिक व्यवस्थाए सौंपी गई थी।

टोंक जिले में एक मात्र मालपुरा अस्पताल ऐसा अस्पताल है जहां वित्तीय व प्रशासनिक दो प्रभारी बनाये गये हैं जो कि विभाग के नियमों के विपरीत तो है ही साथ ही स्थाई अधिकारी के अभाव में दोनों ही अधिकारियों द्वारा जारी किये जा रहे आदेशों की पालना नहीं होने से व्यवस्थाएं चरमराई हुई हैं। अस्पताल में पदस्थापित सीनियर नर्सिंग स्टाफ अपने राजनैतिक आकाओं की सिफारिशों के सहारे मनचाही ड्यूटी लगवा मौज मना रहे हैं तो अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्थाएं महज प्रशिक्षु नर्सिंगकर्मियों के सहारे चंद सीनियर कार्मिक संभाल रहे हैं। पड़ताल में सामने आया कि अस्पताल में 16 चिकित्सक कार्यरत हैं जिनमें 4 चिकित्सक अपनी सुविधा के मुताबिक ड्यूटी मालपुरा सीएचसी में व्यवस्थार्थ दर्शा रहे हैं तो मासिक सैलेरी अन्य सेन्टर से उठा रहे हैं।

मालपुरा के सरकारी अस्पताल में लैबर रूम व ऑटी के सामने खड़े आवारा जानवर।

■ यहां वित्तीय व प्रशासनिक दो प्रभारी बनाये गये हैं

साथ ही मालपुरा सीएचसी में प्रथम व द्वितीय श्रेणी के 34 मेल नर्स तैनात हैं लेकिन इनमें से एक दर्जन से अधिक कार्मिक राजनैतिक दबाव बना सीएचसी के वार्ड सहित ड्यूसिंग जैसी अति आवश्यक सेवाओं के बजाय मौज मस्ती के कार्यों में लगे हुए हैं। अस्पताल में इवनिंग व नाइट ड्यूटी में लम्बे समय से एक कार्मिक नर्सिंगकर्मियों के सहारे व्यवस्थाएं चला रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी में बीते दिनों स्थाई प्रभारी को लेकर सीएमएचओ टोंक को भेजे पत्र के बाद सीएमएचओ ने निदेशालय को पत्र लिखा लेकिन उस पर भी ठोस कार्यवाही नहीं होने का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है।

अलवर में पानी के लिये बुजुर्ग महिलाएं टंकी पर चढ़ीं

अलवर शहर में स्कीम 10 बी में 10 मिनट भी नहीं आ रहा पानी

अलवर, (निसं)। शहर में स्कीम 10 बी की बुजुर्ग महिलाएं मंगलवार को पानी की टंकी पर चढ़ गई। घरों में पानी की सप्लाई नहीं होने के कारण महिलाओं ने पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध जताया। यह चेतावनी भी दी कि बिना पानी मरने की नौबत है। महिलाओं ने बताया कि अब भी समाधान नहीं हुआ तो आगे कलेक्टर के आवास के बाहर आंदोलन करेंगे।

महिला राजकुमारी ने कहा कि पानी 10 से 15 मिनट आता है। खूब शिकायत कर चुके हैं। अब पानी की टंकी पर चढ़े हैं। पानी नहीं मिला तो मरना पड़ेगा। अब दूसरी कॉलोनी से पानी लाते हैं। पानी के टैंकर मंगाने की क्षमता नहीं है। स्कीम 10 बी वार्ड 4 से धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि पिछली गर्मी में ज्ञापन दिया था। कई बार शिकायत कर चुके हैं। अब सर्दी के मौसम में 10 मिनट पानी आता है। आखिरी छोर के घरों में तो बिल्कुल पानी नहीं आता है। सुबह हम खुद नल खुलवाने पहुंचते हैं।

स्कीम 10बी को अमृत योजना में कनेक्शन देने की बात कही थी। लेकिन अब अमृत योजना में कनेक्शन नहीं दिया गया। वार्ड में तीन बोरिंग बताते हैं। लेकिन पानी कहां जाता है। कोई जानकारी नहीं दे रहे हैं। वार्ड के लोगों ने बताया कि पानी की समस्या से जलदाय विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया। महिलाएं पानी की टंकी पर चढी तो उसके बारे में बता दिया। इसके बावजूद भी उनका कहना है कि जो करना है कर लो। हम कुछ नहीं कर सकते। इस कारण मजबूरी में महिलाएं पानी की टंकी पर चढी हैं।

पानी की किल्लत से परेशान महिलाएं टंकी पर चढ़ गई।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता विवि. में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पर राज्यपाल की रोक

अजमेर, (कासं)। कुलाधिपति व राज्यपाल कलराज मिश्र ने हरिदेव जोशी पत्रकारिता व जनसंचार विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भर्ती पर रोक लगा दी है। राज्यपाल के प्रमुख सचिव सबीर कुमार ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। यह कदम नियमों, मापदंडों व योग्यता की अनिवार्य शर्तों को लांघकर अपनाई जा रही भर्ती प्रक्रिया पर पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी द्वारा जताई गई आपत्ति और अखबारों में छपी खबरों पर संज्ञान लेते हुए उठाया गया है। देवनानी ने राज्यपाल को 21 जनवरी को लिखे पत्र में विवि. के कुलपति ओम थानवी द्वारा मनमाने तरीके से भर्ती प्रक्रिया को अंजाम दिए जाने का विस्तार से खुलासा किया था। इस पर जयपुर में विभिन्न अखबारों में खबरें भी छपी थीं।

देवनानी ने बताया कि नियमानुसार कोई भी पद विज्ञापित करने से पूर्व उस पर लागू होने वाले आरक्षण और रोस्टर के आलोक में परीक्षण करना आवश्यक होता है। उन पर प्राप्त आपत्तियों को निस्तारित करने के बाद ही विज्ञापन जारी किया जाता है। विभिन्न शैक्षणिक पदों पर विज्ञापन से पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा वेबसाइट पर रोस्टर कैलेण्डर चस्पा कर उन पर आपत्तियां मांगी गई। अन्य लोगों के साथ विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने भी आरक्षण प्रावधानों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी। उनकी आपत्तियों को निस्तारित किए बिना ही विज्ञापन जारी कर दिया। हास्यास्पद बात यह है कि असिस्टेंट प्रोफेसर को असिस्टेंट लाइब्रेरियन के समक्ष दर्शा दिया गया है। इस विश्वविद्यालय में जारी शैक्षणिक पदों के विज्ञापन में यूजीसी की अनिवार्य योग्यता को अपनी सुविधानुसार बदल दिया गया। विज्ञापित पदों के लिए आवश्यक जानकारी 4 दिसंबर, 2021 को वेबसाइट पर दी गई। एक माह से भी कम समय में अंतिम तिथि 2 जनवरी, 2022 निर्धारित कर दी गई, जबकि उस दिन रविवार का अवकाश था। इन सब तथ्यों से स्पष्ट है कि भर्तियों जैसे गंभीर कार्य को कितने मनमाने तरीके से किया गया है। कुलपति का कार्यकाल 8 मार्च को खत्म हो रहा है और पिछले माह दिसम्बर में भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया। इससे उनकी जल्दबाजी की मंशा स्पष्ट तौर पर साबित होती है। देवनानी ने कहा कि प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर पदों के लिए यूजीसी मापदण्डों में जो आवश्यक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं, उन्हें अपनी सुविधानुसार बदल दिया गया।

■ अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी के पत्र और अखबारों में छपी खबरों पर राज्यपाल ने लिया संज्ञान

खातेदारी की भूमि पर पीएम आवास क्यों ?

टोंक, (निसं)। हाईकोर्ट ने मंगलवार को खातेदारी की भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राशि स्वीकृत करने से जुड़े मामले में राज्य के मुख्य सचिव, प्रमुख राजस्व सचिव, प्रमुख पंचायती राज सचिव, टोंक कलेक्टर व जिला परिषद सीईओ सहित उनियारा पंचायत समिति के विकास अधिकारी सहित दो अन्य को कारण बताओ नोटिस जारी कर आठ सप्ताह में जवाब तलब करते हुए पूछा है कि किन नियमों के तहत खातेदारी की भूमि पर पीएम आवास योजना की राशि स्वीकृत की।

न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह की एकलपीठ ने यह अंतरिम आदेश उनियारा पंचायत समिति के रूपपुरा पंचायत के कृष्ण कुमार शर्मा द्वारा एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा के जरिये दायर की गई याचिका पर प्रारम्भिक सुनवाई करते हुए दिए है। याचिका में बताया गया है कि उनियारा के रूपपुरा ग्राम पंचायत के ग्राम फतेहगंज में प्रार्थी की खातेदारी की जमीन है इस पर अवैध तरीके से एक महिला सुशीला को स्थानीय पंचायत प्रशासन ने मिलीभगत कर पीएम आवास योजना में राशि स्वीकृत कर दी तथा उक्त महिला ने वहां निर्माण भी कर लिया जबकि प्रार्थी ने दस्तावेजों के साथ स्थानीय प्रशासन को शिकायत भी की कि यह स्वीकृति गलत है किंतु स्थानीय अधिकारियों ने गलत तथ्यों के साथ जांच कर आला अफसरों को भ्रमित किया तथा कोई कार्यवाही नही की, इस पर प्रार्थी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर जिम्मेदार अफसरों के विरुद्ध कार्यवाही करने तथा स्वीकृत राशि वापस वसूलने तथा निर्मित मकान को तोडने की गुहार करते हुए याचिका दायर की है। अदालत ने सुनवाई के बाद पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

■ सीएस व टोंक कलेक्टर सहित अन्य को हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया

नीट यूजी काउंसलिंग प्रथम राउंड का प्रोविजनल सीट अलॉटमेंट जारी

कोटा, (निसं)। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट 2021 में काउंसलिंग के लिए प्रथम राउंड आल इंडिया कोटे का प्रोविजनल सीट अलॉटमेंट मंगलवार दोपहर को जारी कर दिया। एम्स, जिपमेर एवं सेन्ट्रल यूनिवर्सिटीज तथा ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज की काउंसलिंग एक कॉमन पोर्टल (एमसीसी) पर संपन्न हुई।

एमसीसी काउंसलिंग का सेकण्ड राउण्ड 9 फरवरी से 14 फरवरी के मध्य होगा। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट पारिजात मिश्रा ने बताया कि ऑल इंडिया 15 प्रतिशत कोटे में एमबीबीस कोर्स के लिए जनरल कैटेगिरी की क्लोजिंग रैंक 13970, ओबीसी कैटेगिरी में 14930, एससी में 78780, एसटी में 102589 और ईडब्ल्यूएस कैटेगिरी में 15662 क्लोजिंग रैंक रही।

हेल्पर को बंधक बना एईएन कार्यालय परिसर में लूटपाट

लालसोट, (निसं)। उपखंड के डीडवाना ग्राम औद्योगिक क्षेत्र के नजदीक स्थित सहायक अभियंता द्वितीय कार्यालय से अज्ञात लुटेरों द्वारा रात्रि में गाइड हेल्पर को बंधक बनाकर बंदूक की नोक पर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया।

लुटेरे मध्यरात्रि पश्चात मुख्य द्वार का ताला तोड़कर सहायक अभियंता कार्यालय द्वितीय में दाखिल हुए, वहां मौजूद गार्ड कम हेल्पर की कनपटी पर बंदूक रखकर उसे बंधक बना लिया। इसके बाद अज्ञात लुटेरों द्वारा सहायक अभियंता कार्यालय द्वितीय परिसर में सुरक्षित रखी हुए चार बिजली के ट्रांसफार्मरों को तोड़कर मौके पर ही उसमें से कीमती धातु के तार निकाल लिए वहीं चार अन्य बिजली के ट्रांसफार्मरों में से भी कीमती धातु आदि चोरी करने के लिए उन ट्रांसफार्मरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। साथ ही वहां से अनुबंध पर लगी एक पिकअप गाड़ी को भी लूट कर फरार हो गए। लुटेरों के जाने के बाद किसी तरह उस बंधन से मुक्त होकर मामले की सूचना तुरंत पुलिस व खुद के अधिकारियों को दी। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद लालसोट थाना अधिकारी अंकेश चौधरी व पुलिस उपाधीक्षक शंकर लाल मीणा मय पुलिस जाब्ते की घटनास्थल पर पहुंचे एवं हेल्पर गार्ड से लूटपाट की घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की एवं बारीकी से घटनास्थल का जायजा लिया। वही इस लूटपाट की घटना को लेकर सहायक अभियंता द्वितीय राधेश्याम मीणा द्वारा मामला पुलिस थाने में दर्ज कराया है। वही पूरे मामले को लेकर थाना अधिकारी अंकेश चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस लूटपाट की वारदात को लेकर सीसीटीवी फुटेज आदि खंगाले जा रहे हैं एवं अज्ञात लुटेरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं इस लूटपाट की घटना का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस टीम विभिन्न जगहों पर अज्ञात लुटेरों की तलाश में जुटी हुई है।

डॉ. राठी आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष

अजमेर, (कासं)। सदस्य डॉ. जसवंत सिंह राठी को राजस्थान लोक सेवा आयोग का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला है। इस अवसर पर डॉ. राठी ने कहा कि आयोग अभ्यर्थियों की आशाओं का केंद्र है। स्थापना से लेकर अभी तक आयोग ने विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए उतार-चढ़ाव के अनेक पडाव पार किए हैं। समय की मांग के अनुरूप आयोग द्वारा परीक्षा पद्धति, पाठ्यक्रम व कार्यप्रणाली में सुधार किया जाता रहा है। डॉ. राठी ने कहा कि आयोग द्वारा जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार परीक्षाओं का आयोजन उनकी प्राथमिकता रहेगी। अभ्यर्थियों से सीधा संवाद कायम हो सके इसकी व्यवस्था की जाएगी। जिन परीक्षाओं का आयोजन किया जा चुका है उनका परिणाम शीघ्र जारी करना, लम्बित वादों के निस्तारण के लिए प्रभावी प्रयास उनके द्वारा किए जाएंगे।

35 लाख रू. की कीमत का 12.55 क्विंटल अवैध डोडा-चूरा पकड़ा

उदयपुर/कानोड़, (निसं)। कानोड़ थाना पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही में कानोड़ के निकट हंसराज जी का खेडा गांव से दो वाहनों में लदा 12.55 क्विंटल डोडा-चूरा पकड़ने में सफलता हासिल की है।

पुलिस के अनुसार पकड़े गए डोडाचूरा की किमत करीब 35 लाख रूपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार तस्कर डोडा-चूरा लदे वाहनों लॉक करते हुए सुने बाड़े छोड़कर अंधेरा का लाभ लेते हुए भाग निकले थे। इसके बाद पुलिस ने कार के लॉक खोलने के लिए पत्थर से कांच तोड़कर वाहनो को पुलिस थाने ले जाया गया। जानकारी के अनुसार टीम ने बिना नम्बर की पिकअप व स्कार्पियो गाड़ी में भरे हुए 63 कट्टों में डोडा-चूरा लदा था। दोनों ही वाहनों को पुलिस ट्रैक्टर के पीछे बांधकर थाने लाई जहां वाहनों में लदे कट्टों का वजन किया गया तो 12.55 किलो ग्राम पाया गया। यह डोडा-चूरा हंसराज जी का खेड़ा निवासी नारायण जाट के बाड़े से जब्त किया गया। साथ ही अज्ञात तस्करों पुलिस से बचाव के लिए मुठभेड़ होने पर फायरिंग करने में प्रयुक्त अवैध पिस्टल मय जिंदा कारतूस व दो फायरिंग किए हुए कारतूस के खाली केस बरामद कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। जांच भीण्डर थानाधिकारी देवेन्द्र सिंह देवल के जिम्में की गई है।

कानोड़ पुलिस की कार्रवाई में जब्त किया गया डोडा-चूरा।

■ पुलिस ने कानोड़ में की कार्रवाई में दो वाहन भी जब्त किये

बाड़े में बंधी बकरी का बघेरे ने शिकार किया

निवाई, (निसं)। गांव नोहटा में सोमवार की रात बघेरे ने बाडे में बंधी एक बकरी का शिकार कर मार दिया। पूर्व सरपंच तेजवीर सिंह चौधरी सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि नोहटा पहाडी के नीचे रैगरों की बस्ती में बघेरे ने राधेश्याम रैगर के बाड़े से बकरियों को बांधने के लिए बना रखे एक सुरक्षित घर से बड़ी चतुराई के साथ नीचे से मिट्टी की खुदाई कर अन्दर घुस गया और बकरी को घसीटकर पास के बाडे में ले जाकर शिकार कर लिया। उन्होंने बताया कि सुबह जब पशु पालक राधेश्याम अपने बाडे में गया तो उसे बकरी गायब मिली तथा मौके पर बघेरे के पगमार्क दिखाई दिए। बघेरे द्वारा बकरी का शिकार करने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की मौके पर भीड एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने बघेरे के पगमार्क देखते हुए बकरी की तलाश की तो पास ही स्थित अनिल जाट के बाडे की ओर बकरी को घसीटकर ले जाने के निशान मिले।

पागल गीदड़ के काटने से चार जने घायल

नारायणपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में मंगलवार देर शाम को एक पागल गीदड़ ने एक लड़की, एक युवक, दो महिलाओं को काटकर जख्मी कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमपुरा निवासी कोयली अपनी देवरानी मेवा के साथ खेत में कार्य कर रही थी। खेत में कार्य करते समय पागल गीदड़ ने महिला मेवा के मुंह पर हमला कर दिया। छुड़ाने गई जेठानी कोयली पर भी गीदड़ ने हमला कर दिया। घायल महिलाओं का नारायणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार चल रहा है।

ग्राम पंचायत गढ़ी की महर की ढाणी निवासी पूनम गुर्जर को भी पागल गीदड़ ने मुंह, हाथ, पैर पर काटकर जख्मी कर दिया। वहीं प्रेमपुरा निवासी कृष्ण कुमार ब्राह्मण के बांये पैर को काट लिया। इससे घायलों की हालात गंभीर बनी हुई है। देर शाम समाचार लिखे जाने तक पागल गीदड़ को नही पकड़ा गया। पागल गीदड़ के आतंक से लोग भयभीत है।

नारायणपुर में पागल गीदड़ के काटने पर अस्पताल में उपचार के लिए आई घायल महिला कोयली।

सिलेंडर के धमाके से मकान टूटा

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय स्थित वार्ड 19 नया बास स्थित एक मकान में गैस सिलेंडर लीकेज होने से मकान क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें एक महिला भी झुलस गई। शहर के वार्ड उन्नीस के एक घर में तेज धमाके के साथ मकान फट गया और धमाके के साथ दरवाजे टूट गये। धमाके की आवाज इतनी तेज हुयी कि चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में एक 35 वर्षीय महिला भी झुलस गई, जिसको अस्पताल ले जाया गया। जिससे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जानकारी अनुसार वार्ड 19 के परमेश्वर लाल सैनी के घर यह हादसा उस वक्त हुआ, जब 35 वर्षीय बबीता चाय बनाने के लिये रसोई में गई और गैस लाइटर जलाते ही तेज धमाका हुआ। हादसे की वजह गैस सिलेंडर लीक होना बताया जा रहा है। हादसे के बाद एचपी गैस एजेंसी के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली।

उदयपुर जिले में कोरोना से दो मौत, 495 पॉजिटिव मिले

उदयपुर, (कासं)। जिले में मंगलवार को कोरोना से दो और मौतें हुई हैं। बीते चार दिनों में जिले में आठ मौतें हो चुकी हैं। मंगलवार को 495 पॉजिटिव मिले हैं वहीं एक्टिव केस 3079 में से 102 अस्पताल में भर्ती है। सीएमएचओ डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि निजी चिकित्सालय में भर्ती 68 वर्षीय वृद्ध व 45 वर्षीय महिला की कोरोना से मौत हो गई है। जांच रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई है।

जिले में प्राप्त 2583 सैम्पल जांच रिपोर्ट में से 2088 नेगेटिव व 495 पॉजिटिव मिले हैं। शहरी क्षेत्र में मिले 226 संक्रमितों में 18 कोरोना वॉरियर्स, 119 नए केस, 87 क्लॉज कान्टेक्ट व 02 माइग्रेंट शामिल है। ग्रामीण क्षेत्र में मिले 269 संक्रमितों में 20 कोरोना वॉरियर्स, 105 क्लॉज कान्टेक्ट व 144 नए संक्रमित है। संक्रमितों का कुल आंकड़ा 70552 हो गया है। इनमें से 66704 रिकवर हो चुके है। जिले में एक्टिव केस की संख्या 3079 है इनमें से 2977 होम आइसोलेटेड है। अस्पताल में 102 संक्रमित भर्ती है। 472 संक्रमित रिकवर भी हुए है।

भीलवाड़ा में 192 पॉजिटिव केस

भीलवाडा, (निसं)। जिले में मंगलवार को संक्रमित मरीजों का आंकड़ा 200 से कम आया है। पिछले कई दिनों से 200 से ज्यादा कोरोना के केस आए थे। अधिकारियों ने इसे राहत नहीं बताया है। अधिकारियों ने बताया कि एक दिन का आंकड़ा कम होने से संक्रमण कम नहीं हुआ है।

डिप्टी सीएमएचओ डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि मंगलवार को 1706 मरीजों के सैंपल की जांच की गई। इसमें से 192 नए मरीजों की पहचान हुई है। उन्होंने बताया कि जिले के ग्रामीण इलाकों में अभी संक्रमण ज्यादा है। मंगलवार को आई रिपोर्ट में सुवाना में 35, आसींद में 25 मरीज सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि साल ही शुरूआत में भीलवाड़ा शहर में संक्रमण काफी ज्यादा फैला था लेकिन अब शहरी क्षेत्र में संक्रमण काफी कम हो गया है।

बीकानेर में 131 नये पॉजिटिव निकले

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में सोमवार को जहां दिनभर में 47 पॉजिटिव रोगी आए थे, वहीं मंगलवार को आंकड़ा 131 तक पहुंच गया है। पीबीएम अस्पताल में अभी भी 33 रोगी भर्ती हैं। मंगलवार की सूची में पीबीएम अस्पताल में भर्ती रोगी भी पॉजिटिव आए हैं। हमेशा की तरह इस बार भी सूची में बड़ी संख्या अस्पताल में भर्ती मरीजों की है।

एक्सपर्ट का मानना है कि अस्पताल में ही संक्रमण फैला हुआ है। ऐसे में यहां भर्ती रोगी इसकी चपेट में आ रहे हैं। अभी भी जिन एरिया में कोविड पॉजिटिव आ रहे हैं, उनमें छीपों का मोहल्ला, जामसर, सुदर्शना नगर, महेश्वरी धर्मशाला, तिलक नगर, सोहन कोठी, शिवबाड़ी, जयनारायण व्यास कॉलोनी, सिविल लाइन, पवनपुरी, वेटरनरी कॉलेज, आरएसी केंपस, मकड़ासर, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज का यूजी हॉस्टल, आर्मी केंट एरिया, करणी नगर, नागणेचजी स्कीम, रिडमलसर, उदासर, लूणकरनसर, रानीबाजार, सार्दुलगंज, जयपुर रोड, स्वर्णजयंती योजना, शेरेरां गांव, नापासर, सुदर्शना नगर, भट्ड़ों का चौक सहित अनेक एरिया में पॉजिटिव मिल रहे हैं।

शाहपुरा की राजकुमारी मृदुल कुमारी का निधन

आसपास व दूरदराज के राज परिवारों के सदस्य मौजूद रहे

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की शाहपुरा रियासत की राजकुमारी मृदुल कुमारी (शीलू बाईसा) की अंत्येष्टि मंगलवार को रामद्वारा श्मशान में की गई। सोमवार को उनके पैतृक निवास रेतिया पैलेस में निधन हो गया था। वो पिछले तीन माह से बीमार थी। वो 82 वर्ष की थी। अंत्येष्टि में आस पास के राजपरिवारों के सदस्यों व शाहपुरा के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंच कर श्रद्धांजलि दी। मुखाग्नि शाहपुरा राजपरिवार के मुखिया जयसिंह ने दी। उनके साथ भाणेज शत्रुजीत सिंह भी मौजूद रहे।

पूर्व राजाधिराज स्व. सुदर्शन देव की सुपुत्री मृदुल कुमारी का शाहपुरा स्थित रेतिया बाग पैलेस में सोमवार को निधन हो गया था। उनका जन्म 18 अगस्त 1941 को हुआ था। उनका अंतिम संस्कार कोविड गाइडलाइन की पालना के अनुसार राजपरिवार के श्मशान रामद्वारा में मंगलवार को किया गया। रैतिया बाग पैलेस से अंतिम यात्रा प्रांरभ हुई जो कुंडगेट त्रिमूर्ति स्मारक होते हुए रामद्वारा पहुंची। रास्ते में जगह जगह संगठनों के प्रतिनिधियों ने श्रद्वाजंलि दी। स्वभाव की होकर शाहपुरा के विकास राजकुमारी मृदुल कुमारी सौम्य के लिए सदैव चिन्तित रही। उन्होंने पूर्व राजाधिराज स्व. सुदर्शन देव के समय ही यहां के विकास में भागीदारी निभाना प्रांरभ कर दिया था। अंत्येष्टि आर्य समाज के पदाधिकारियों की मौजूदगी में वैदिक रीति रिवाज से की गई। अंत्येष्टि में बनेडा राजपरिवार के मुखिया गोपालचरण सिसोदिया के अलावा देवगढ , जयपुर सहित आसपास के राजपरिवारों व जमीदारों ने पहुंच कर अपनी ओर से श्रद्वांजलि दी। नगर पालिका अध्यक्ष रघुनंदन सोनी ने विधायक कैलाश मेघवाल के प्रतिनिधि के रूप में पुष्पचक्र अर्पित किया।

अंत्येष्टि में शाहपुरा के पूर्व उप प्रधान गजराजसिंह राणावत, पालिका अध्यक्ष रघुनंदन सोनी, अरवड के नरेंद्र सिंह, राजस्थान राज्य भारत स्काउट संघ के प्रधान ललित कुमार चैहान, भोपालसिंह राणावत सांगरिया, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजकुमार बैरवा, इमरान खां, राजस्थान आयुर्वेद प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डा. जलदीप पथिक सहित कई जनप्रतिनिधि व आर्य समाज के पदाधिकारी मौजूद थे।

रैतिया बाग पैलेस से राजकुमारी मृदुल कुमारी की अंतिम यात्रा प्रारम्भ हुई।

भाजपा का रीट मामले में सिविल लाइन फाटक पर प्रदर्शन

प्रदर्शन के दौरान बैरिकेट्स तोड़कर सिविल लाइंस फाटक पर जा रहे थे भाजपा और भाजयुमो कार्यकर्ता

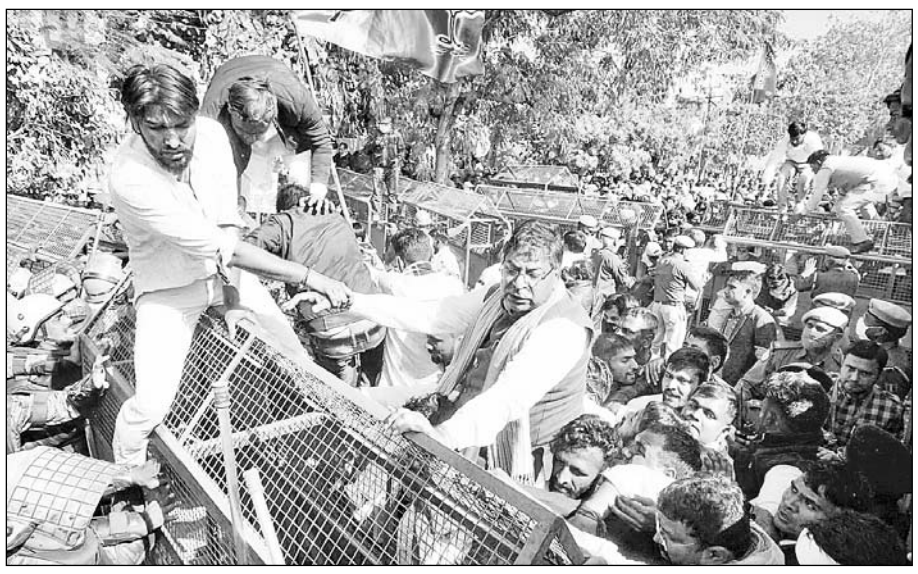

रीट पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया के नेतृत्व में छात्र और कार्यकर्ताओं ने बैरिकेट्स तोड़कर सिविल लाइंस फाटक जाने का प्रयास किया। लाठीचार्ज में घायल भाजपा कार्यकर्ता

- पुलिस ने कार्यकर्ताओं पर किया लाठीचार्ज
- मुख्यमंत्री को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए : पूनिया

जयपुर। रीट में हुई धांधली को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर होता जा रहा है। रीट भर्ती परीक्षा मामले की सीबीआई जांच को लेकर भाजयुमो ने मंगलवार को सरकार के खिलाफ हल्ला बोला। भाजपा मुख्यालय से सिविल लाइन कूच कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका तो हंगामा खड़ा हो गया। कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया जिसमें कुछ कार्यकर्ताओं के चोटें आई हैं। कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार से उन्हें रोकने का प्रयास किया। कार्यकर्ताओ के साथ सिविल लाइन्स फाटक पर पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु शर्मा सहित काफी संख्या में कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया और उन्हें लेकर झोटवाड़ा थाने पहुंची, जहां पूनिया सीबीआई जांच की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि इस प्रकरण में भले ही एसओजी ने 35 लोगों को गिरफ्तार किया हो। जो लोग इस प्रकरण से जुड़े हुए हैं इसमें बड़े नेता भी शामिल हैं। जिन्हें सरकार संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे में सीबीआई की जांच होने से दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। इसके जिम्मेदार स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत है जिन्हें नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए।

भाजयुमो कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में सिविल लाइन फाटक पर जाने के लिए लगाए गए बैरीकेट्स को गिराकर कार्यकर्ता सिविल लाइन फाटक की तरफ जाने लगे। पुलिस ने उन्हें आइनोक्स की तरफ से जाने के लिए कहा, लेकिन कई कार्यकर्ता बैरीकेट्स के उपर चढ़ गए और बैरीकेट्स को हटाने लगे। इस पुलिस ने कार्यकताओं को रोकने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ के चलते कार्यकर्ताओं ने बैरीकेट्स हटाने शुरु किए इस पर पुलिस ने लाठीचार्ज शुरु कर दिया। इससे कई कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों को भी चोट आई हैं।

जयपुर शहर अध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी का कहना है कि भाजपा प्रदेश कार्यालय से रवाना हुए थे। शांति के साथ सभी महिला खड़ी थी। भाईयों को लाठी मारना शुरु कर दिया। जब हम आए तो यहां चार घोड़े पर पुलिस वाले बैठे हुए थे। ये लोग आए और भाईयों के साथ मारपीट के बाद कार्यकर्ता आरती के हाथ पर डंडा मार दिया। फिर मेरे गर्दन पर डंडा मार दिया। अनुराधा का कहना है कि महिला पुलिसकर्मी साथ में नहीं थी। गहलोत के राज में गूंगी बहरी महिला सुरक्षित नहीं तो फिर हमारी बिसात क्या है। हम बेरोजगारी के लिए लड़ रहे थे, लेकिन पुलिस वालों ने हमारे साथ मारपीट की। जो महिला कार्यकताएं घायल हुई उनमें वृत्तिका, वंशिका, परनामी है। वहीं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष आरती सिंह ने बताया कि हम बेरोजगारी के लिए शांति पूर्वक अपनी मांग के लिए आए थे, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार को चाहिए था कि वह उनकी बात शांतिपूर्वक सुनते। लेकिन उन्होंने पुलिस को लाठीचार्ज के आदेश दिए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के राज में महिलाओं के साथ इस तरह मारपीट करना शोभा नहीं देता। वह उनकी बात सुनते और शांतिपूर्वक समाधान निकालते। इस दौरान पुलिस के साथ भाजयुमो कार्यकर्ताओं की धक्का मुक्की से कई पुलिसकर्मियों की वर्दी फट गई तो कई लोगों के हाथ में चोट तो किसी के पैर में चोट आई हैं। किसी के सिर में तो किसी के पीठ में चोट लग गई। वही शाम को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, घनश्याम तिवाड़ी घायल कार्यकर्ताओं से मिलने एसएमएस के ट्रॉमा सेंटर पहुंच कर मुलाकात की।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पर राज्यपाल ने रोक लगाई

जयपुर। कुलाधिपति व राज्यपाल कलराज मिश्र ने हरिदेव जोशी पत्रकारिता व जनसंचार विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भर्ती पर रोक लगा दी है। यह कदम नियमों, मापदंडों व योग्यता की अनिवार्य शर्तों को लांघकर अपनाई जा रही भर्ती प्रक्रिया पर पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी द्वारा जताई गई आपत्ति और अखबारों में छपी खबरों पर संज्ञान लेते हुए उठाया गया है।

देवनानी ने राज्यपाल को 21 जनवरी को लिखे पत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति ओम थानवी द्वारा मनमाने तरीके से भर्ती प्रक्रिया को अंजाम दिए जाने का विस्तार से खुलासा किया था। इस पर जयपुर में विभिन्न अखबारों में खबरें भी छपी थीं। राज्यपाल मिश्र ने भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाने के आदेश दिए। राज्यपाल के प्रमुख सचिव सबीर कुमार ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। देवनानी ने राज्यपाल को लिखे पत्र में कहा था कि नियमानुसार कोई भी पद विज्ञापित करने से पूर्व उस पर लागू होने वाले आरक्षण और रोस्टर के आलोक में परीक्षण करना आवश्यक होता है। उन पर प्राप्त आपत्तियों को निस्तारित करने के बाद ही विज्ञापन जारी किया जाता है। विभिन्न शैक्षिणक पदों पर विज्ञापन से पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा वेबसाइट पर रोस्टर कैलेण्डर चस्पा कर उन पर आपत्तियां मांगी गई। अन्य लोगों के साथ विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने भी आरक्षण प्रावधानों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी और कमी आई

राज्य में मंगलवार को 6212 नए संक्रमित मिले, जबकि सोमवार को 6369 रोगी सामने आए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में मंगलवार को भी करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी और कमी आई है। इस दौरान राज्य में 6212 नए संक्रमित मिले हैं। जबकि 10 हजार से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं। इस बीच प्रदेश में करोना से 20 और लोगों की मौत हुई है।

- जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 1230 नए संक्रमित मिले हैं।
- प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 10 हजार से ज्यादा मरीज ठीक होने के साथ ही एक्टिव केस घटकर 63036 रह गए हैं।
- राज्य में मंगलवार को करोना से 20 और लोगों की मौत हो गई है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 157 और मामले कम आने के साथ ही 6212 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले 6369 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी नए संक्रमितों की संख्या में और गिरावट आई है। मंगलवार को जिले में 1230 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 633, उदयपुर में 495, अलवर में 410, चित्तौड़गढ़ में 396, कोटा में 320, भरतपुर में 248, गंगानगर में 233, भीलवाड़ा में 192, हनुमानगढ़ में 178, अजमेर में 168, सीकर में 158, टोंक में 132, प्रतापगढ़ में 127, राजसमंद में 123, चूरू में 117, सवाई माधोपुर में 109 और झालावाड़ में 102, बीकानेर में 95, जैसलमेर व नागौर में 94-94, बाड़मेर में 89, डूंगरपुर में 87, बूंदी में 82, धौलपुर में 77, बारां में 49, बांसवाड़ा में 44, झुंझुनूं में 40, दौसा में 39, सिरोही में 27, पाली में 11, जालौर में 10 और करौली में 3 नए संक्रमित मिले हैं। इसके साथ ही राज्य में अब तक 12 लाख 12 हजार 633 संक्रमित सामने आ चुके हैं। इनमें से 11 लाख 40 हजार 309 लोग स्वस्थ भी हो चुके है। राज्य में फिलहाल रिकवरी रेट फिर बढ़कर 94.03 फीसदी पर पहुंच गई है। वहीं संक्रमण दर 10.78 प्रतिशत दर्ज की गई है। इधर राज्य में मंगलवार को भी 10 हजार 173 संक्रमित ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 63 हजार 36 रहे गए हैं। राजधानी जयपुर में भी इनकी संख्या घटकर 15 हजार 549 पर आ गई है। उधर प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 20 और मरीजों की मौत हो गई है। इनमें जयपुर में 4, करौली, नागौर, पाली, सीकर और उदयपुर में 2-2, टोंक, सिरोही, झुंझुनूं, दौसा, चित्तौड़गढ़ और बांसवाड़ा में 1-1 मरीज की मौत हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9288 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी में मंगलवार को 93 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सर्वाधिक 75 नए मरीज झोटवाड़ा इलाके में मिले है। इसके अलावा आमेर में 49, फागी में 56, गोविन्दगढ़ में 61 नए संक्रमित मिले हैं। शेष स्थानों पर इससे कम मरीज सामने आए। वहीं आज भी 41 मरीज ऐसे रहे जिन्हें अज्ञात की श्रेणी में रखा गया है। जिले में इस बीच 2416 मरीज रिकवर हुए हैं।

सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में कर्मचारी महत्वपूर्ण कड़ी : मुख्यमंत्री

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार राज्य कर्मचारियों के हित में सदैव तत्पर रही है। अधिकारी-कर्मचारी राज्य सरकार का अभिन्न अंग हैं और वे सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के निचले स्तर तक प्रभावी क्रियान्वयन में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

गहलोत मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न कर्मचारी महासंघों के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट को समावेशी एवं लोक कल्याणकारी स्वरूप देने की दिशा में राज्य सरकार सभी वर्गों के सुझाव ले रही है। इसी क्रम में कर्मचारी महासंघों को भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया गया है। इन सुझावों के आधार पर सरकार को कर्मचारी वर्ग के हित में फैसले लेने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंगलवार ने को अपने निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न कर्मचारी महासंघों के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद को संबोधित किया।

इधर राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारे लाल चौधरी ने मुख्यमंत्री के समक्ष नर्सेज की महत्वपूर्ण मांगों को बजट में शामिल करने की मांग रखी। प्रदेश महामंत्री सुनील शर्मा ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष से संवाद के दौरान नर्सेज संवर्ग की प्रमुख मांगे मैंस भत्ता 1200 से बढ़ाकर 2250 करने, महिला नर्सिंग कर्मियों के छोटे बच्चों के लिए अस्पताल में क्रैच खोलने, 2004 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को पुरानी पेंशन बहाल करने, नर्सिंग पदनाम का शीघ्र नोटिफिकेशन जारी करने, नए नर्सिंग महाविद्यालय में पदों का सृजन करने, करोना काल की प्रोत्साहन राशि को शीघ्र दिलाने, ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत नर्सेज को दवाई लिखने का अधिकार देने और ग्रामीण भत्ता दिलाने, नर्सेज स्टूडेंट का स्टाइ फंड बढ़ाने, नर्सिंग संवर्ग की समयबद्ध पदोन्नित की बजट में घोषणा की जाए। इस पर मुख्यमंत्री ने नर्सेज पदाधिकारियों को नर्सेज की प्रशंसा करते हुए उनकी मांगों को बजट में शामिल करने का आश्वासन दिया।

'नौजवानों को न्याय दिलाने के लिए सदन में भी सरकार को घेरेंगे'

जयपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने कहा कि हम नौजवानों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रीट के अभ्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि वह सोशल मीडिया से बाहर आए और युवा मोर्चा के आंदोलन को सड़कों पर समर्थन दें। भाजपा सड़क पर और कानूनी कार्यवाही लड़ने के लिए तैयार है। जब तक सीबीआई जांच नहीं होती, तब तक हम इस निकम्मी सरकार को सदन में भी घुटने टेकने पर मजबूर कर देंगे।

उन्होंने कहा कि 16 लोग शामिल हुए थे। 16 हजार भी सड़कों पर आ गए तो मेरा दावा है कि यह सरकार गिर जाएगी और रीट का न्याय भी हो जाएगा। इस आंदोलन को लेकर हमारी कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है, हमने सभी नौजवानों को साथ लेकर इस आंदोलन का आगाज किया है, ना भारतीय जनता पार्टी और भारतीय जनता युवा मोर्चा का अभिमान है। जो नौजवानों को न्याय दिला सके हम नैतिक रुप से उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के दृश्य मैने कभी नहीं देखे और मेरे से पहले के लोग भी यही कहते हैं कि इस तरह की धांधली उन्होंने भी पहले कभी नहीं देखी। कांग्रेस पार्टी अपने अस्तित्व की राजस्थान में आखिरी लड़ाई लड़ रही है। उन्हें लगता है कि दुबारा सरकार नहीं आएगी जितना लूट सकते हो लूट लो। जितने कांग्रेस के लोगों को भर्ती कर सकते हो भर्ती कर लो। मेरा इस खुले मंच से ऐलान है उनको चुनौती है। मुझे डर है कि अगर सही तरीके से जांच नहीं होती है, सरकार संरक्षण देती है तो लाखों विद्यार्थियों को नौकरी से वंचित होना पड़ सकता है।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्य की गहलोत सरकार को तानाशाह करार दिया है। मंगलवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया की गिरफ्तारी पर शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार ने एक बार फिर जनता की आवाज दबाने की तानाशाही दिखाई है। रीट परीक्षा धांधली की सीबीआई जांच राजस्थान के हर जागरूक नागरिक की मांग है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डॉ. सतीश पूनिया इसके लिए ही शांतिपूर्वक लोकतांत्रिक प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उन्हें गिरफ्तार करवाकर गहलोत जी ने साबित किया कि दाल में काला नहीं, पूरी दाल ही काली है।

एलआईसी के जीवन अक्षय और न्यू जीवन शांति योजना में संशोधन

जयपुर, (का.सं.)। भारतीय जीवन बीमा निगम ने 1 फरवरी से अपनी वार्षिकी योजनाओं के संबंध में एलआईसी की जीवन अक्षय और एलआईसी की नई जीवन शांति की वार्षिकी दरों को संशोधित किया है। संशोधित वार्षिकी दरों के साथ इन योजनाओं का संशोधित संस्करण विक्रय के लिये 1 फरवरी से उपलब्ध होगा।

मोदी सरकार के बजट से सभी वर्ग आत्मनिर्भर बनेंगे : डॉ. पूनिया

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने केन्द्र की मोदी सरकार के लोक कल्याणकारी बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार का बजट युवाओं, किसानों, महिलाओं सहित सभी वर्गों के लोक कल्याण एवं उत्थान को ध्यान में रखते हुए पेश किया गया है, जिससे हर वर्ग स्वाभिमान के साथ आर्थिक उन्नति के साथ आत्मनिर्भर बनेगा। डॉ. पूनिया ने कहा कि मोदी सरकार ने देश की पांच बड़ी नदियों को जोड़ने का बड़ा ऐलान किया है, जिससे देश के किसान भाईयों की 9 लाख हैक्टेयर भूमि को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा एवं नाबार्ड के जरिए कृषि स्टार्टअप योजना को बढ़ावा मिलेगा, जो कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी निर्णय साबित होगा। हर वर्ष 25 हजार किलोमीटर सडक बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। टीवी के माध्यम बच्चों को स्थानीय भाषा में शिक्षा देने का प्रावधान किया है। छोटे एवं मध्यम उद्योगों को 2 लाख करोड़ के ऋण का प्रावधान किया तथा ऑनलाइन माध्यम से एक राष्ट्र, एक रजिस्ट्री का भी निर्णय लिया गया है। बजट से देश के विकास को बुनियादी तौर पर नई दिशा मिलेगी, जिससे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्था वाले देशों में शामिल होगी। राज्यसभा सांसद ओम माथुर ने आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि समावेशी विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुन्धरा राजे ने कहा है कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच को साकार करने और आम आदमी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने वाला है।

बजट घोर निराशाजनक: डॉ. कल्ला

जयपुर, (का.सं.)। शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने कहा कि संसद में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा प्रस्तुत बजट सभी वर्गों के लिए घोर निराशाजनक है। डॉ. कल्ला ने कहा कि करोना के कारण विषम परिस्थितियों से गुजर रही देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की बात हो या बेरोजगारी की मार झेल रहे युवा एवं महंगाई से त्रस्त आमजन, गरीब, किसान व प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारी हो या फिर श्रमिक वर्ग, सभी लोग अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने 2022 तक किसानो की आय दुगनी करने का वादा किया था। जब ये सरकार पहली बार आई तो युवाओं को हर साल दो करोड़ रोजगार देने के सपने दिखाए गए थे। जनता से किए ऐसे कई वादों की कसौटी पर लगातार नाकामयाब रही केंद्र सरकार के इस बजट में एक बार फिर सभी लोगो की उम्मीदों को ठेंगा दिखाते हुए महंगाई, बेरोजगारी बढ़ाने वाला घाटे का बजट पेश किया गया है जो मात्र कॉरपोरेट घरानों की आय में इज़ाफा करने वाला साबित होगा।

जयपुर ग्रेटर निगम की महापौर रही सौम्या गुर्जर के निलंबन पर रोक

अदालत ने मामले की जांच पूरी होने के बाद उसकी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश करने के लिए भी राज्य सरकार को आदेश दिया

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेटर नगर निगम जयपुर की मेयर रही सौम्या गुर्जर के निलंबन आदेश पर मामले में न्यायिक जांच कार्रवाई का नतीजा आने तक अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की जांच पूरी होने के बाद उसकी रिपोर्ट सर्वोच्च अदालत में पेश करने के लिए कहा है। जस्टिस संजय किशन कौल व एम.एम. सुंदरेश की खंडपीठ ने यह आदेश सौम्या गुर्जर की एसएलपी पर सुनवाई करते हुए दिए।

डॉ. सौम्या गुर्जर

- सौम्या ने एसएलपी में कहा कि नगर निगम कमिश्नर द्वारा मामले में दर्ज कराई एफआईआर में ऐसा कोई गंभीर आधार नहीं है जिस पर राज्य सरकार प्रार्थिया को मेयर पद से निलंबित किया जाता।

अदालत ने कहा कि राज्य सरकार के 16 जुलाई 2021 के आदेशानुसार प्रार्थिया पर मेयर के तौर पर अनुचित भाषा का उपयोग करने का आरोप है। जबकि अन्य पार्षदों पर अधिकारी के साथ हाथापाई व धक्का-मुक्की करने का आरोप है। वहीं प्रार्थिया के मामले में राज्य सरकार की न्यायिक जांच की साक्ष्य प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। ऐसे में न्यायिक जांच कार्रवाई का नतीजा आने तक प्रार्थिया की हद तक उसके निलंबन के आदेश पर रोक लगाया जाना उचित होगा। सुनवाई के दौरान प्रार्थिया की ओर से कहा कि राज्य सरकार ने उसके मामले में न्यायिक साक्ष्य जांच की प्रक्रिया पूरी कर ली है। राज्य सरकार अब दूसरे अन्य के मामलों में आठ गवाहों के बयान दर्ज करवाना चाहती है और इन दोनों मामलों को एक साथ संलग्न कर अंतिम बहस करवाना चाहती है। इस पर अदालत ने कहा कि वे मामले में राज्य सरकार की कार्रवाई में दखल नहीं दे रहे हैं, लेकिन प्रार्थिया की भूमिका को देखते हुए न्यायिक जांच कार्रवाई का नतीजा आने तक उनके निलंबन आदेश पर रोक लगाई जा रही है। सौम्या गुर्जर ने एसएलपी में हाईकोर्ट के 28 जून के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें उनकी निलंबन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी।

सौम्या ने एसएलपी में कहा कि नगर निगम कमिश्नर द्वारा मामले में दर्ज कराई एफआईआर में ऐसा कोई गंभीर आधार नहीं है जिस पर राज्य सरकार प्रार्थिया को मेयर पद से निलंबित किया जाता। वहीं नगर पालिका अधिनियम की धारा 39 (1) (डी) की संवैधानिकता वैधता को भी चुनौती देते हुए कहा कि मेयर पद से उनका निलंबन गलत किया है, इसलिए उनके निलंबन पर रोक लगाई जाए।

सौम्या पुनः कुर्सी पर कब बैठेंगी, फिलहाल तय नहीं

- चर्चा है कि अदालत के आदेश की कॉपी मिलने के बाद राज्य सरकार रिव्यू करेगी, उसके बाद ही आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद सौम्या गुर्जर के पुनः मेयर पद पर बहाल होने की राह खुल गई है। हालांकि वे दुबारा मेयर की कुर्सी पर कब बैठेगी, फिलहाल ये कहना मुश्किल है, क्योंकि कोर्ट के आदेश की कॉपी मिलने के बाद सरकार की ओर से रिव्यू किया जाएगा। उसके बाद ही आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

मामले में भाजपा की ओर से पूरे मामले की निगरानी कर रहे पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के अनैतिक व असंवैधानिक निर्णय को गलत मानते हुए यह स्टे दिया है। यह लोकतंत्र की एक बड़ी जीत है। सौम्या गुर्जर ने कहा कि सत्य सिर्फ परेशान हो सकता है, पराजित नहीं। गहलोत सरकार ने अलोकतांत्रिक तरीके से मेयर पद से हटाया था, सुप्रीम कोर्ट में सत्य की जीत हुई है। ज्ञात रहे कि गहलोत सरकार ने गत 6 जून को सौम्या गुर्जर को मेयर पद से और अन्य तीन पार्षदों को आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ हुए विवाद के बाद निलंबित कर दिया था। इस निलंबन के बाद राज्य सरकार ने इस प्रकरण की न्यायिक जांच भी शुरू करवा दी थी। सरकार के निलंबन के फैसले को सौम्या गुर्जर ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने प्रकरण में न्यायिक जांच होने तक दखल देने और निलंबन के आदेशों पर स्टे देने से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद सौम्या गुर्जर के समर्थन में भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में पहले 4 बार सुनवाई हो गई, लेकिन अब तक कोई निणर्य नहीं हुआ था। वहीं दूसरी ओर 31 जनवरी को ही राज्य सरकार ने ग्रेटर निगम की कार्यवाहक मेयर शील धाभाई के कार्यकाल को अगले 60 दिन के लिए बढ़ा दिया है। सरकार ने शील धाभाई का कार्यकाल चौथी बार बढ़ाया है। इससे पहले सरकार ने दिसंबर में आदेश जारी करके हुए 60 दिन के लिए कार्यकाल बढ़ाया था।

आम बजट आम आदमी के लिए निराशाजनक : पायलट

जयपुर, (का.प्र.)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने केन्द्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संसद में प्रस्तुत आम बजट आम आदमी के लिए पूरी तरह से निराशाजनक रहा है। उन्होंने कहा कि "महंगाई सहित-रोजगार रहित" इस बजट और जीडीपी से देश का युवा हताश और निराश हुआ है क्योंकि जीडीपी का अधिकतर हिस्सा पूंजीपतियों की जेब में जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गरीबों, युवाओं और बेरोजगारों के लिए बजट में एक शब्द भी नहीं बोला गया। आजादी के अमृतकाल के नाम से 25 वर्षों का विजन पेश किया गया है, जबकि इस कार्यकाल के 3 वर्षों सहित पिछले 7 सालों की घोषणाओं का कोई हिसाब प्रस्तुत नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आने पर 5 वर्षीय योजना को समाप्त कर दिया और अब 25 वर्षों का विजन दे रही है। उन्होंने कहा कि एमएसपी पर खरीद की गारंटी की घोषणा नहीं होने से किसानों में भारी निराशा है और यह 700 किसानों के बलिदान का अपमान है।

कृषि के लिए बजट में कोई ठोस घोषणा नहीं है। पिछले साल एमएसपी खरीद पर 2.42 लाख करोड़ खर्च हुए जबकि इस साल 2.37 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है।

पायलट ने कहा कि चीन से खतरे को देखते हुए, रक्षा खर्च में कमी करना और 2014 की तुलना में इसका जीडीपी के 2.6 प्रतिशत से घटकर 2.2 प्रतिशत रह जाना बहुत ही चिंताजनक है। सवा लाख पदों को खाली रखकर सरकार देश की सुरक्षा से समझौता कर रही है।

उन्होंने कहा कि 2 करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष देने का वादा करने वाली सरकार ने बजट भाषण में 15 लाख नौकरी देने की सूचना दी है और अगले 5 साल में 60 लाख नई नौकरी का वादा किया है। सरकार की युवाओं और बेरोजगारों के साथ इससे बड़ी वादाखिलाफी हो नहीं सकती। वित्तीय घाटे के 6.8 प्रतिशत तक पहुंच जाना यह प्रमाणित करता है कि देश की अर्थव्यवस्था बहुत कठिन दौर से गुजर रही है और रिजर्व बैंक से लगातार नकदी छापकर काम चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मार्च 2014 में देश पर कर्ज 53 लाख करोड़ था जो अब 136 लाख करोड़ हो चुका है, भाजपा सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं है।

रीट परीक्षा सहित राज्य में हुई सभी भर्तियों की जांच सीबीआई से कराने की मांग

झुंझुनूं, (निसं)। रीट परीक्षा सहित राजस्थान में हुई सभी भर्तियों की जांच सीबीआई से करवाने, जिले में भर्ती करवाने, शेखावाटी को संभाग बनाने, जिले में खेल विश्वविद्यालय सुचारू रूप से चालू करवाने, जिले के दोरासर गांव में जिले के शहीदों के सम्मान में अर्धनिर्मित शौर्य उधान को पूर्ण विकसित करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत जिले के नौजवानों ने मंगलवार को भाजपा नेता राजेश बाबल के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि रीट परीक्षा सहित राजस्थान में हुई सभी भर्तियों की जांच सीबीआई से करवाने की मांग की गई क्योंकि एसओजी ने राजस्थान में अभी तक जो खुलासा किया उससे जाहिर हो रहा है इन घोटालों में बड़े नेताओं और अधिकारियों की लिप्तता है। इन घोटालों की जांच की मांग को लेकर व प्रदेश में आन्दोलन कर रहे नौजवानों को सरकार द्वारा अलोकतांत्रिक तरीके से परेशान किया जा रहा है। साथ ही सभी विभागों में हो रही भर्तीयों में हो रहे घोटालों को रोकने के लिए राजस्थान विधानसभा में विधेयक के माध्यम से सशक्त कानून बनाया जायें। साथ ही बताया की झुंझुनूं जिला सैनिक बाहुल्य क्षेत्र है यहां के जवानों ने देश की रक्षा के लिए शहादत दी है पिछले दो वर्षो से नौजवान भर्ती को लेकर आन्दोलनरत है। जिस पर प्रशासन कोई भी संज्ञान नही ले रहा है, भर्ती नही होने से तैयारी कर रहे नौजवान उम्र पार कर रहे हैं। इसके लिए भर्ती में उम्र के लिए दो वर्ष की छूट दी जाये। यदि प्रशासन भर्ती व्यवस्था नहीं करेगा तो आन्दोलन उग्र और तेज किया जायेगा। शेखावाटी को संभाग बनाने की मांग कई वर्षो से लम्बित चल रही है जिसे लेकर संभाग की जनता आन्दोलनरत है, शेखावाटी को संभाग बनाया जाये,

विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत युवा भाजपा नेता राजेश बाबल के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन देने पहुंचे।

- **विभिन्न मांगों को लेकर जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा**

झुंझुनूं जिले में खेल विश्वविद्यालय की घोषणा कई वर्षों पहले हुई थी जो मात्र कागज पर है जिसे लेकर खिलाड़ी वर्ग और युवा आन्दोलनरत है। खेल विश्वविद्यालय सुचारू चालू किया जावे, जिले के दोरासर गांव में जिले के शहीदों के सम्मान में शौर्यउधान अर्धनिर्मित है, जिसे पूर्ण विकसित किया जावे, जिससे नौजवानो को प्रेरणा मिल सके।

इस दौरान पूजा, पिंकेश, रितु, प्रिया, अभिलाषा, कृष्णा, करिश्मा, निर्मला, सीमा कुमारी, पूनम, विकास कुमार, रिहान चौहान, बाबूलाल, संजय कुमार, विकेश सिहाग, ममता, अजीज अहमद, प्रमोद कुमार, रवि, राकेश कुमार सहित युवा मौजूद रहे।

विद्युत आपूर्ति बन्द रहेगी आज

सादुलपुर, (निसं)। 132 केवी जीएसएस मण्ड्रेला से निकलने वाले 33केवी फीडर नोरंगपुरा फीडर के अधिन आने वाले 33 केवी सब स्टेशन नोरंगपुरा एवं नेशल से जुड़े गांव नोरंगपुरा, सुलखणिया बड़ा, बुढावास, ठिमाउ बड़ी, नेशल, सांखण व रावतसर इत्यादि की विद्युत सप्लाई 132केवी जीएसएस मण्ड्रेला में मेटिनेंश कार्य के चलते 2 फरवरी को सुबह 10 से 3 बजे तक विद्युत सप्लाई बन्द रहेगी। जानकारी एईएन ग्रामीण रमेश जांगिड ने दी।

दिनेश को मिली उपाधि

सादुलपुर, (निसं)। मोहता महाविद्यालय में व्याख्याता अंग्रेजी पद पर कार्यरत दिनेश बासोतिया को कोटा विश्वविद्यालय द्वारा पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिनेश बासोतिया ने बताया कि अपना शौध कार्य जेडीवी राजकीय महाविद्यालय कोटा की प्राचार्या डॉ. अनिता कोठारी के निर्देशन में किया। बासोतिया ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिजनों, गुरूजनों एवं शुभचिंतको को दिया।

सार-समाचार

सेवानिवृत्ति पर डीईओ का सम्मान

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक अमरसिंह पचार रिटायर हो गए है। रिटायर होने के बाद उनका सम्मान किया गया। कार्यालय में ही उन्हें मालाओं से लादकर डीजे के साथ विदा किया गया। इसके बाद शहर के एक रिसोर्ट में उनका सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें जिलेभर के शिक्षा अधिकारियों के अलावा प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए। सभी ने अमरसिंह पचार के कार्यकाल की भूरि भूरि प्रशंसा की। अमरसिंह पचार ने पूरे कार्यकाल में सहयोग करने पर आभार जताया और कहा कि टीम भावना के साथ काम करने का ही परिणाम है कि हम शिक्षा क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर पाए।

मांगों को लेकर दिव्यांगों ने ज्ञापन सौंपा

चूरू, (कासं)। रॉयल विकलांग विकास संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रुकनखानी के नेतृत्व में सोमवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। मंगलवार को दिये गये ज्ञापन में बताया कि गत वर्ष नौ व दस जनवरी को दिल्ली ऐलिमको द्वारा मोटरराईज चिन्हिकरण शिविर लगाया गया था। जिसका सामान सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग में आज से डेढ महिने पहले पहुंच गया था। नेताओं के ना पहुंचने के कारण अब तक शिविर नहीं लगाया गया। प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रुकनखानी ने बताया कि हमने जब समाज कल्याण अधिकारी से बात की, तो उनका जबाब था। बिना नेताओं के मोटरराईज नहीं मिलेगी। इसको लेकर दिव्यांगों ने कलेक्टर के नाम में एसडीएम राहुल सैनी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने वालो में जहिर अब्बास, नबील भाटी, कालू मोहम्मद, मुरलीधरन सैनी, छोटू, असलम, जफर अहमद, जमील भाटी, महबूब खान, आरिफ खान आदि उपस्थित थे।

जयवर्द्धन सिंह का एसआई पद पर चयन

चूरू, (का.सं.)। जिला मुख्यालय स्थित अग्रसेन नगर निवासी जयवर्द्धन सिंह चारण का सीआरपीएफ में सब इंस्पेक्टर के पद पर चयन हुआ है। जयवर्द्धन ने बताया कि एसएससी द्वारा 2019 में भर्ती परीक्षा आयोजित की गयी थी। जिसका परिणाम 31 जनवरी को जारी हुआ था। प्राप्त जानकारी के अनुसार जयवर्द्धन सिंह अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष रिछपाल सिंह चारण के पुत्र है। जयवर्द्धन सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता नीरज कविया को देते हुए बताया कि उनके आशीर्वाद एवं प्रेरणा से उन्हें यह सफलता मिली है। उन्होने बताया कि शिक्षक पिता ने हमेशा उनका मार्गदर्शन कर हौसला बढ़ाया। रिछपाल सिंह चारण ने बताया कि जयवर्द्धन सिंह के चयन होने पर परिवार के लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाईयां दी।

श्याम मन्दिर का श्रृंगार किया

मण्डावा, (निसं)। श्री श्याम मन्दिर चूडीधाम में मंगलवार को माला, तुलसी, रजनीगंधा, देसी गुलाब, गेंदा, ऑर्चित आदि के फूलों से बने मालाओं से प्रभु श्याम का आकर्षक नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। मंगलवार को मौनी अमावस्या का पर्व मनाया गया। सर्व प्रथम बाबा श्याम की मंगला आरती हुई। प्रशासन के निर्देशानुसार कोविड नियमों के साथ बाबा श्याम के भक्त जयकार लगाते हुए दरबार में विशेष पूजा अर्चना की। इससे पूर्व रात को श्याम भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमे। मन्दिर के मंहत गणेश जोशी-पूनम जोशी के नेतृत्व में आचार्यो ने पूजा अर्चना सम्पन्न करवाई। बाद में प्रसाद वितरण किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में पं. सुशील शर्मा, पं. श्रीकान्त जोशी, नरेन्द्र भडिया, कमलेश सैनी, निखिल अग्रवाल, सूर्य प्रकाश, विलास सैनी, शीशराम, मनोहर लाल सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद थे।

पिता की स्मृति में बेटियां विद्यालय में कक्षाकक्ष बनवायेगी

सुजानगढ़, (का.स)। निकटवर्ती गांव तोलियासर में पुत्रियों ने अपने पिता की याद में मृत्युभोज जैसी कुरीति का त्याग कर विद्यालय में कक्षाकक्ष बनवाने का निर्णय लिया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य कमलेश तेतरवाल ने बताया कि शिक्षाविद् सेवानिवृत प्रधानाचार्य जैसराज ढाका की पुत्रियां विमला थालोर निवासी बगडी, लक्ष्मणगढ व पुष्पा कुल्हरी निवासी स्वामी की ढाणी, लक्ष्मणगढ़ ने राउमावि तोलियासर में उपस्थित होकर अपने पिता की स्मृति में कुछ धनराशि देने का प्रस्ताव रखा। प्रधानाचार्य कमलेश तेतरवाल ने प्रेरित किया कि आप स्वर्गीय ढाकाजी की पुण्य स्मृति में एक कक्षाकक्ष बनवाएं तो अच्छा रहेगा। दोनों पुत्रियों व उनके साथ आये उनके पति प्रेमसुख थालोर व हरिसिंह कुल्हरी ने तत्काल सहमति प्रदान कर दी। इस बाबत तय राशि 3,21,000 रुपये ज्ञान संकल्प पोर्टल के माध्यम से विद्यालय के खाते में जमा करवा दिए। भामाशाह परिवार ने प्रधानाचार्य कमलेश तेतरवाल को सहमति पत्र भेंट किया। इस अवसर पर भंवरलाल प्रजापत, बुधरमल रोलन, रिछपाल सारण, मूलचन्द टेलर भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि प्रेरित करने पर इस विद्यालय में पिछले दो माह में ही अपने माता, पिता की स्मृति में बनवाया जाने वाला यह चौथा कक्षाकक्ष होगा।

रीट पेपर लीक प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग

सुजानगढ़, (का.सं)। रीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजयुमो ने प्रदर्शन किया तथा ज्ञापन सौंपा। प्रधान मनभरी देवी मेघवाल, वरिष्ठ नेता वैद्य भंवरलाल शर्मा, बुद्धिप्रकाश सोनी व खुशीराम चांदरा के सानिध्य भाजयुमो अध्यक्ष अमित मौसूण के नेतृत्व प्रदर्शन किया गया। गणेश मंदिर चौराहे से नारेबाजी करते हुए रैली के रूप में उपखण्ड कार्यालय पंहूचे। जहां पर उपखण्ड अधिकारी मूलचंद लूणिया को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन सौंप कर रीट परीक्षा पेपर लीक व अन्य अनियमितताओं की सीबीआई जांच करवाने की मांग की।

इस अवसर पर अंजनी कुमार रांकावत, मदनलाल सैन, हरिओम खोड, राजेश सैन, एड. मनीष गोठडिया, कमल दाधीच, आशीष चोटिया, विश्वदीपक काछवाल, मनोज पारीक, दीनदयाल पारीक, रामनिवास बुगालिया, रविन्द्र पांडे, भवानीशंकर रांकावत, करण सांखला, श्रवण तोषनीवाल, सुरेन्द्र रांकावत, विजय मोदी, मोहित, मोहित बढाढरा, बबलू बजरंगी, बलराम सोनी, अजय, जुगल गोवला सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मैक्स बोलेरो की टक्कर से बाईक सवार पटवारी सहित दो घायल

सादुलपुर-झुन्झुनूं सड़क मार्ग पर बाईक को टक्कर मारने के बाद बोलेरो मैक्स गाड़ी पलट गई।

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर-झुंझनु सड़क मार्ग पर स्थित शनि मन्दिर के पास मंगलवार शाम को एक अनियंत्रित मैक्स बोलेरो गाडी और मोटरसाइकिल की आमने-सामने हुई भिड़ंत में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घटना के बाद बोलेरो गाडी चालक मौके से फरार हो गया। आसपास के वाहन चालकों ने घायलों को एम्बुलेंस के द्वारा अस्पताल पहुंचाया। सूचना पर मौके पर पहुंची राजगढ थाना पुलिस ने दोनों वाहनों को जप्त कर लिया।

प्राप्त जानकरी के अनुसार मंगलवार देर शाम को बैरासर निवासी भूपसिंह (पटवारी) पुत्र शीशराम तथा प्रवीण पुत्र बलवीर पूनिया दोनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव बैरासर छोटा जा रहे थे। जैसे ही वे शनि मंदिर के पास पहुंचे तो सामने से आ रही बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। वहीं टक्कर इतनी भयंकर थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए एवं बाइक को करीब सौ मीटर तक घसीटते हुए साथ ले गयी। जिसके बाद मै स बोलेरो गाडी पलट गई। तभी मौके पर स्थानीय लोगों एवं अन्य वाहन चालको नें घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने दोनों को हिसार रैफर कर दिया। गौरतलब है कि भूपसिंह पटवारी के पद है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस थाना राजगढ़ में मामला दर्ज नहीं हुआ है।

पार्षद ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

चूरू, (का.सं.)। चूरू जिला मुख्यालय पर सोमवार को वार्ड 42 के पार्षद बाबू खां ने कलेक्टर सिद्धार्थ को ज्ञापन सौंपा। चूरू में अवैध रूप से हो रहे भू उपयोग रूपांतरण एवं अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने ज्ञापन में बताया कि चूरू शहर में जगह-जगह हेरिटेज हवेलियों को तोड़ कर भूमाफियाओं द्वारा व्यवसायिक कॉम्पलेक्सों और दुकानो की प्लाटिंग की जा रही हैं। जिसमें नगर परिषद की भूमिका पर भी प्रश्न चिन्ह लगाए हैं। उन्होने ज्ञापन में बताया कि शहर में डा. अभिषेक आर्य पुत्र लछमी नारायण आर्य , भरतीयो की हवेली के पास वार्ड सात, चूरू चौपाटी के सामने, सेठ कन्हैया लाल बगला मार्ग वार्ड 28 सुभाष चौक में बाजार में , राजीव मार्केट में लोहिया की हेरिटेज हवेली व मोजासिया चौक के सामने अशोका इलेक्टोनिक के पास अवैध निर्माण का आरोप लगाया हैं।

सहायक कर्मचारी का सम्मान

चिड़ावा, (निसं)। राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय चिड़ावा के सहायक कर्मचारी विश्वेश्वरलाल सैनी के सेवानिवृत्त होने पर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी शीशराम हलवाई थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस नेता महेश कटारिया ने की। विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र सैनी, पूर्व पालिकाध्यक्ष ओमप्रकाश बसवाला, जगदेव शर्मा, मनोहर लाल जांगिड़, एटीओ नौरंगलाल, सुरेंद्र कुमार सोलंकी व मेहर कटारिया थे।

डीबी अस्पताल में जेबतराशी करते युवक को दबोचा

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय के राजकीय भरतिया अस्पताल में मंगलवार को जेबतराशी करते शातिर युवक को स्टाफ ने दबोच लिया।

मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने भीड़ का फायदा उठाकर मेहरावणसर गांव के शख्स की जेब से पर्स पार कर लिया था, लेकिन अस्पताल स्टाफ के कपिल, राजेश, और रविंद्र की सजगता से कामयाब नहीं हो सका। अस्पताल स्टाफ ने आरोपी को रंगें हाथों पकड़कर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया।

कोतवाली एएसआई वीरेंद्र सिंह ने बताया कि गांव मेहरावणसर का भंवरलाल अपनी पत्नी प्रेम कंवर को इलाज के लिए अस्पताल लेकर आया था। जब भंवरलाल काउंटर पर पर्ची कटवाने के लिए कतार में खड़ा था। तभी आरोपी ने उसकी जेब से पर्स निकाल लिया था, लेकिन उसे पर्स निकालते अस्पताल स्टाफ ने देख लिया। आरोपी किसी दूसरे को अपना शिकार बनाता, उससे पहले ही स्टाफ ने उसे धर दबोच लिया।

- **अस्पताल स्टाफ की सूझबूझ से पकड़ा गया आरोपी**

भंवरलाल के पास में 19 हजार पांच सौ रुपए और जरूरी कागजात थे। जिसे लोगों ने आरोपी से बरामद कर भंवरलाल को सुपुर्द कर दिये। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी अपनी गैंग के साथ भीड़भाड़ वाले स्थानों से जेबतराशी की वारदात को अंजाम देता है। बरहाल पुलिस हिरासत में लिए गये शातिर से पूछताछ में जुट गई है।

'बजट में राजस्थान की अनदेखी की गई'

झुंझुनूं/मण्डावा, (निसं)। केंद्रीय आम बजट 2022 से राजस्थान को केवल निराशा हाथ लगी है।

जानकारी देते हुए सरोज सुंडा जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस झुंझुनूं ने बताया कि मण्डावा विधायक रीटा चौधरी ने इस बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यह अत्यंत निराशाजनक है कि राजस्थान में 25 के 25 सांसद भाजपा व उसके समर्थित होने के बावजूद बजट 2222 बेरोजगारी तथा किसानों की आय व समस्याओं का कोई समाधान पेश नहीं करता है। इस बजट में राजस्थान की भी जमकर अनदेखी की गई है।

यह बजट बिल्कुल पूंजीपतियों को समर्पित है, इस बजट में आम जनता के लिए कुछ भी नहीं है।

केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया यह बजट पूरी तरह से उद्योगपतियों को समर्पित है। इसका युवाओं, किसानों और आमजन से कोई वास्ता नहीं हैं।

विवाहिता को जबरदस्ती से जहर पिलाने से मौत होने का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। विवाहिता द्वारा पीहर से नगदी नहीं लाने पर सास, ससुर व पति द्वारा षड़यंत्र रचकर विवाहिता को जबरदस्ती से जहर पिलाने से मौत हो जाने आरोप का मामला राजगढ़ थाने में दर्ज किया गया है।

थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा ने बताया कि दलबीर पुत्र सुबेसिंह जाति जाट निवासी देवावास तहसील तोषाम जिला भिवानी हरियाणा ने राजगढ़ थाने में रिपोर्ट पेश कर इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि उसकी पुत्री पुनम की शादी हिन्दू रिति रिवाज से 21 जुलाई 2018 को कृष्ण कुमार पुत्र मेवासिंह जाति जाट निवासी थान मठुई तहसील राजगढ (चूरू)के साथ हुई थी तथा शादी में हैसियत से बढकर दान दहेज, सोने के आभूषण दिये थे, मगर दिये गये दान व दहेज से पूनम की सास सुमित्रा, ससुर मेवासिंह व पति कृष्ण कुमार खुश नहीं हुए और बार-बार नगदी की लाने की माँग पर पूनम से मारपीट करते थे। जिस पर पूनम के पिता ने एक बार 55 हजार, एक बार 45 हजार तथा एक बार 30 हजार तथा एक भैंस पुनम के पति को दी, समझाया कि मारपीट ना करे। मगर नहीं माने तथा ओर पैसो की मांग करने पर वह तथा उनका रिश्तेदार इन्द्रसिंह निवासी गुगलवा पुनम से मिलने गये और ससुराल वालों को समझाया तो पुनम के ससुर मेवासिंह, सास सुमित्रा व पति कृष्ण कुमार ने उन दोनों से साथ मारपीट की तथा इन्द्रसिंह का सिर फोड़ दिया, जिसका राजगढ थाने में मामला दर्ज करवाया गया था, लेकिन अपनी लड़की को साथ लेकर नहीं गये। इसके बाद पैसों का दवाब बनाते कि तेरे माँ-बाप से पैसे लाओ, लेकिन उनके पिता व रिश्तेदार क साथ मारपीट करने के कारण पुनम ने पैसे लाने से मना कर दिया।

आरोप है कि पैसे नहीं लाने पर 30 जनवरी को दिन में पूनम की सास, ससुर व पति ने पूनम को षड़यंत्र रचकर जबरदस्ती से जहर पिलाकर चूरू अस्पताल ले गये तथा जान से मारने के इरादे से चिकित्सक को बताये बगैर बताए अस्पताल से पुनम को साथ लेकर भाग आए।

तभी 31 जनवरी को कृष्ण के चाचे की लड़की ने फोन कर उन्हें बताया कि कल पुनम को जहर पिला दिया, इसे आप ले जाओ। जिस पर वह तथा उसकी पत्नी गाडी लेकर थान मठुई आये व पूनम ने पुरे घटनाक्रम की बात उसे बताई कि पैसों के लिए उसे जान से मारने के लिए उसकी सास, ससुर व पति ने जबरदस्ती से उसे एक पैकेट जहर पिला लिया। तभी उसके माता पिता पुनम को इसरवाल हरियाणा अस्पताल लाये, जहां से चिकित्सकों ने हिसार रैफर कर दिया तथा चुडामणी अस्पताल में इलाज के दौरान पूनम की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ षड़यंत्र रचकर दहेज हत्या के आरोप का मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

सम्मान समारोह आयोजित

पाटन (नि.सं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत डोकण की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रावतोड़ा जोहड़ा में मुकेश बाबू का विदाई समारोह के दौरान सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में मुकेश बाबु ने अपने 4 साल का अनुभव साझा किया तथा विद्यालय के समस्त स्टाफ के कार्यशैली की प्रशंसा की। विधालय स्टाफ एवं प्रबुद्धजनों ने उन्हें माला, साफा और बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा भेंट कर उनका सम्मान किया।

इस दौरान प्रधानाध्यापक आनन्द सिंह भाटी, धर्मेंद्र व्याख्यता, उत्तम शर्मा, उदय सिंह, किरोड़ी लाल, अनीता, सुषमा, मुकेश डोकन (पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष एसएनकेपी कॉलेज), रोहिताश पायला, वीरेंद्र कुमावत आदि उपस्थित रहे।

बेदखली सर्व साधारण सूचना

मनके बलवंतसिंह उम्र 56 साल पुत्र काशीराम जाति जाट निवासी नवां तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.) का हूं जो कि इस नोटिस के जरिए सर्वसाधारण को सूचित कर रहा हूं यह कि नवीन कुमार मेरा पुत्र है तथा इंदू पत्नी नवीन कुमार मेरी पुत्रवधू है। मेरा उक्त पुत्र नवीन कुमार आवारा व बदमास प्रवृति के लोगों की संगत में रहता है। करीबन 2-3 माह से मेरा उक्त पुत्र शराब पीकर हमें एवं अपने बच्चों को परेशान कर रहा है तथा लोगों से हमारे व हमारे परिवार के नाम से रूपये व सामान ले लेता है और उनके द्वारा वापिस मांगने पर झगड़ा-फसाद करता है। तथा हमारे समझाने पर भी नहीं मान रहा है। और हमें बार-बार आत्महत्या कर लेने की धमकी देता है। अब मेरे उक्त पुत्र का मेरा व मेरे परिवार का कोई सम्पर्क नहीं रहा है। मैंने मेरे उक्त पुत्र की उपरोक्त आदतों व व्यवहार से तंग आकर आज दिनांक 01.02.2022 को मेरे उक्त पुत्र नवीन कुमार को मेरे व मेरे परिवार की सम्पूर्ण जायदाद व सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आज से मेरे उक्त पुत्र नवीन कुमार का हमारी किसी भी प्रकार की चल व अचल सम्पत्ति/खातेदारी कृषि भूमि व जायदाद मे किसी भी प्रकार का कोई हक व हिस्सा नहीं रहा है। आज के बाद मेरे उक्त पुत्र द्वारा किसी भी व्यक्ति के साथ किये जाने वाले किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन के लिए मैं व मेरा परिवार जिम्मेवार नहीं होंगे, वह स्वयं जिम्मेवार होगा। यदि मेरा उक्त पुत्र किसी के साथ किसी भी प्रकार का झगड़ा-फसाद या अन्य किसी भी प्रकार की घटना कारित करेगा तो उसके लिए हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं होगी तथा हमारे घर व परिवार से मेरे उक्त पुत्र नवीन कुमार से कोई लेन-देन नही रहा है। मैं सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि सूचित रहे। दिनांकः- 01.02.2022

शपथ ग्रहिता -बलवंतसिंह

'आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा यह बजट'

झुंझुनूं, (निसं)। केंद्र सरकार के द्वारा जारी आम बजट पर स्थानीय तीन नंबर रोड स्थित भाजपा राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि आवास पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि आम बजट प्रदेश की जनता को राहत देने वाला है।

युवा, किसान, व्यवसायी वर्ग, कर्मचारी, मजदूर व मध्यवर्गीय परिवार सभी की सुख-सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इस बजट को पारित किया गया है, जिसको लेकर आमजन प्रसन्नता व्यक्त कर रहा है। बजट को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया ने कहा कि यह बजट आत्म निर्भर अर्थव्यवस्था को मजबूती की ओर ले जाएगा। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मिलने वाले पेंशन पर टैक्स को हटाकर केंद्र सरकार ने देश के कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ा दी है। उन्होंने कहा कि यह बजट हर तबके, हर वर्ग को लाभ देने वाला है। पत्रकारों से वार्ता करते हुए भाजपा राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि विश्वंभर पूनिया ने कहा कि यह बजट किसानों के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है, अब सम्मान निधि के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य भी सीधा किसानों के खातों में आएगा। इसमें बिचौलियों का कार्य पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया जिससे किसानों को संपूर्ण लाभ मिलेगा, साथ ही खेती में काम आने वाले आधुनिक उपकरणों की कीमत को घटाया गया है जिससे किसान कम खर्च पर अत्यधिक फसल का उत्पादन कर अपनी आय को बढ़ा सकेगा। इसके अलावा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के स्वप्न को साकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नदियों को जोड़ने के कार्य को आगे बढाते हुए देश की 5 नदियों को जोडने हेतु 65 सौ करोड रुपए का बजट रखा है। भाजपा जिला प्रवक्ता कमल कांत शर्मा ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने आम बजट में आमजन को खुशियों भरा तोहफा दिया है। शर्मा ने कहा कि आमजन के रोजमर्रा की वस्तुओं कपडा, चमडा आदि की कीमतों को कम किया गया है जिससे रोजमर्रा की वस्तुएं आमजन की पहुंच में आ गई है, और महंगाई घटेगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बजट को आमजन के लिए सुखद बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद ज्ञापित किया है। इस मौके पर भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

- **बजट को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया ने प्रतिक्रिया दी**

कलेक्टर पहुंचे चिड़ावा, अधिकारियों की ली बैठक

चिड़ावा, (निसं)। पंचायत समिति के सभागार में जिला कलेक्टर लक्ष्मण सिंह कुड़ी ने उपखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिला कलेक्टर उपखंड अधिकारियो से रूबरू हुए। जिला कलेक्टर को बिजली विभाग के एक्सईएन अशोक चौधरी ने लगभग 60 ट्रांसफार्मर चोरी होने की बात रखी। इस चिड़ावा डिप्टी सुरेश शर्मा ने कहा कि क्षेत्र से कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा जिला कलेक्टर ने कानून व्यवस्था की जानकारी डिप्टी से ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी ईमानदारी से करते हुए दिए गए टारगेट को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कमी मिलने पर दण्ड के लिए तैयार रहें और अच्छे काम करने वाले अधिकारियों को कार्य का पुरस्कार भी मिलेगा। बैठक में तहसीलदार गंभीर सिंह, ईओ जुबेर खान, चिड़ावा पंस विकास अधिकारी रणसिंह समेत उपखंड के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सैम्पल लेने आई टीम को देख दुकानदार भागे

चिड़ावा, (निसं)। शहर में मंगलवार को खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी अचानक कार्रवाई के लिए पहुंचे। कल्याणराय मन्दिर के पीछे किराना की दुकान पर जब टीम ने घी, तेल व अन्य सामग्री के सैम्पल लिए। इस दौरान अन्य किराना व्यापारियों तक आग की तरह खबर फैल गई। खबर लगते ही शहर के अन्य किराना व्यापारी अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद कर घरों को रवाना हो गए। टीम की कार्रवाई को लेकर शहर के लोगों में उत्सुकता देखने को मिली।

लाठीचार्ज की निंदा की

झुंझुनूं, (निसं)। रीट परीक्षा में राज्य सरकार द्वारा भारी धांधली के विरोध में जयपुर भाजपा प्रदेश कार्यालय से मुख्यमंत्री आवास तक रैली व प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर बर्बरता पूर्ण लाठीचार्ज करने व अपनी नाकामी को दबाने का प्रयास करने वाली राजस्थान सरकार द्वारा बर्बरता पूर्ण कार्यवाही कर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया को गिरफ्तार करने की कार्यवाही का झुंझुनूं भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कड़ी निंदा की गई है। राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि विश्वंभर पूनिया ने कहा कि गहलोत सरकार ने रीट परीक्षा धांधली में लिप्त नेताओं व अधिकारियों को बचाने के लिए विरोध कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कर सैकड़ों कार्यकर्ताओं को भारी चोट पहुंचाई है, इस प्रकार की बर्बरता पूर्ण कार्यवाही राज्य सरकार की तानाशाही को स्पष्ट करती है। भाजपा जिला प्रवक्ता कमल कांत शर्मा ने कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही राज्य की गहलोत सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई है।

प्रारूप-13
(नियम13(2) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय नगरपालिका रावतसर जिला हनुमानगढ़ (राज.)

क्रमांक :- 2684-2695 दिनांकः- 01.02.2022

लोक सूचना

अधोहस्ताक्षरी की जानकारी में यह लाया गया है कि चक 18 डीडब्ल्यूडी के खसरा सं. 166/412(4) किला नं. 1 की 0.177 है., किला नं. 10 की 0.177 है., किला नं. 11 की 0.177 है., किला नं. 20 की 0.035 है., कुल 0.566 है. व पत्थर नं.165/412(5) के किला नं. 4 से 7, 14, 15 की 1.518 है. कुल तादादी 2.084 है. क्षेत्र चक 18 डीडब्ल्यूडी तहसील रावतसर जिला हनुमानगढ़ में स्थित भूमि या उसके भाग का 17 जून 1999 से पूर्व की कालावधि से गैर.कृषिक प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/किया गया है और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियमए 1956 की धारा 90-क की उप-धारा (8) के अधीन पर्यवसित किये जान के दायी हैं।

अतः उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिन के भीतर-भीतर कारण बतायें कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाये और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लंगमों से मुक्त निहित किया जा सके।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर अधिन 2022(वर्ष) के 02 (मास) के 01 दिन की जारी की जाती है।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपालिका, रावतसर

मुझे लगता है कि उन्हें सबसे पहले यह तय करने की जरूरत है कि वह एक सलामी बल्लेबाज है या मध्यक्रम के बल्लेबाज है। क्योंकि वह दक्षिण अफ्रीका में कप्तान थे और उन्होंने ओपनिंग की। जो मेरे लिये थोड़ा निराशाजनक था। क्योंकि वह नंबर 4 व 5 पर काफी सफल रहे है।

- अजीत अगरकर

केएल राहुल की भूमिका को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो

वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मेगा ऑक्शन के लिए अपना नाम रजिस्टर कराया है। ब्रावो आईपीएल के स्टार क्रिकेटर हैं और पिछले कुछ सालों से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ जुड़े रहे हैं। 38 वर्षीय ब्रावो को इस बार रिटेन नहीं किया गया और वह आईपीएल 2022 के लिए दो करोड़ के बेस प्राइस के साथ नीलामी में उतरेंगे। ब्रावो इसके साथ ही एक खास रिकॉर्ड भी बना लेंगे। आईपीएल के पहले सीजन (2008) से लेकर 2022 तक कम से कम नीलामी में शामिल रहे पहले विदेशी क्रिकेटर बन जाएंगे।

क्या आप जानते हैं ?... मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबाल के आयोजन के लिए रियो डी जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

आईपीएल नीलामी में उतरेंगे 590 खिलाड़ी

बेंगलुरु में 12 और 13 फरवरी को होगी नीलामी

नीलामी के लिये पंजीकृत 590 खिलाड़ियों में से 228 कैप्ड, 355 अनकैप्ड और 7 एसोसिएट नेशंस के खिलाड़ी है

नयी दिल्ली, 1 फरवरी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की ओर से मंगलवार को 2022 सीजन की मेगा नीलामी में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी की। बेंगलुरु में 12 और 13 फरवरी को होने वाली दो दिवसीय मेगा नीलामी में कुल 590 खिलाड़ियों की नीलामी होगी। नीलामी के लिए पंजीकृत 590 खिलाड़ियों में से 228 कैप्ड , 355 अनकैप्ड और सात एसोसिएट नेशंस के खिलाड़ी हैं।

रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, पैट कमिंस, क्विंटन डिकॉक, शिखर धवन, फ़ाफ़ डुप्लेसी, श्रेयस अय्यर, कैगिसो रबादा, मोहम्मद शमी और डेविड वॉर्नर बड़ी नीलामी की शुरुआत करने वाले मार्क्स (सबसे नामचीन) सेट का हिस्सा होंगे। मंगलवार को आईपीएल ने नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की अंतिम सूची साझा की। इस सूची की संख्या को 1214 से छांटकर 590 खिलाड़ियों पर रोका गया है। इस अंतिम सूची में 44 नए खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं जिन्हें फ्रैंचाइज़ी के अनुरोध पर नीलामी सूची में पंजीकृत किया गया था। उन 44 नए खिलाड़ियों में एक नाम इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज़ जोफ्रा आर्चर का है, जिनके बारे में ईसीबी ने हाल ही में कहा था कि वह कोहनी की सर्जरी से उबरने के अंतिम चरण में हैं और जून में क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। मंगलवार को टीमों को भेजे गए ईमेल में आईपीएल के मुख्य परिचालन अधिकारी हेमांग अमीन ने कहा कि आर्चर खिलाड़ियों के त्वरित सेट का हिस्सा होंगे, जो खिलाड़ी नंबर 161 से शुरू होगा।

अमीन ने यह भी कहा कि ईसीबी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आर्चर के आईपीएल 2022 में खेलने की संभावना नहीं है और अगर कोई फ्रैंचाइज़ी उन्हें चुनती है तो उन्हें रिप्लेसमेंट नहीं मिलेगा। अमीन ने कहा, ''ईसीबी ने 2023 और 2024 में संभावित भागीदारी की दृष्टि से जोफ्रा आर्चर को नीलामी के लिए पंजीकृत किया है, क्योंकि उनकी मौजूदा चोट के कारण उनके आईपीएल 2022 में भाग लेने की संभावना नहीं है। इसलिए, उनका नाम नीलामी सूची में शामिल किया गया है, लेकिन वह मार्क्स या अन्य सेटों में पेश नहीं होंगे। वह त्वरित नीलामी के दौरान बुलाए जाने के लिए उपलब्ध होंगे। जो कोई भी उन्हें चुनेगा, उसे इस सीज़न के लिए रिप्लेसमेंट खिलाड़ी नहीं मिलेगा क्योंकि वह पहले से चोटिल हैं और इस सीज़न में उनके भाग लेने की संभावना नहीं है।

590 खिलाड़ियों की इस सूची में 228 कैप्ड और 355 अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। साथ ही असोसिएट देशों से सात खिलाड़ियों पर बोली लगाई जाएगी। मार्क्स खिलाड़ियों के बाद कैप्ड खिलाड़ियों और अनकैप्ड खिलाड़ियों की एक-एक सूची के साथ नीलामी आगे बढ़ेगी। विशेषता का क्रम इस प्रकार होगा : बल्लेबाज़, ऑलराउंडर, विकेटकीपर-बल्लेबाज़, तेज़ गेंदबाज़ और स्पिन गेंदबाज़।

पहले चरण में कई ऐसे नाम हैं जो इस नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बन सकते हैं। इनमें भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज़ इशान किशन शामिल हैं जिन्होंने दोनों नई टीमें लखनऊ सुपर जायंट्स और अहमदाबाद के प्रस्तावों के बावजूद नीलामी में प्रवेश करने का फ़ैसला किया था।

किशन के अलावा कैपड खिलाड़ियों के पहले चरण में पिछले सीज़न में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले हर्षल पटेल, टी20 विश्व कप के फ़ाइनल में प्लेयर ऑफ़ द मैच रहे ऑलराउंडर मिचेल मार्श, वेस्टइंडीज़ की सीमित ओवर टीम के उपकप्तान निकोलस पूरन, युवा भारतीय ओपनर देवदत्त पड़िक्कल और वेस्टइंडीज़ के लिए हैट्रिक लेने वाले पहले खिलाड़ी बने जेसन होल्डर भी शामिल हैं। पहले चरण में दिनेश कार्तिक, ड्वेन ब्रावो और सुरेश रैना के रूप में अनुभवी खिलाड़ी भी मौजूद हैं।

अंडर-19 विश्व कप में सभी को प्रभावित करने वाले डेवाल्ड ब्रेविस भविष्य के लिए एक अच्छे विकल्प बन सकते हैं। 18 वर्षीय डेवाल्ड ब्रेविस एक और खिलाड़ी हैं जिनपर सभी की निगाहें रहेगी। अंडर-19 विश्व कप में साउथ अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करते हुए ब्रेविस ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया हैं। एबी डीविलियर्स को अपना आदर्श मानने वाले ब्रेविस ने कई फ्रैंचाइज़ियों का ध्यान आकर्षित किया है जिन्होंने बताया है कि उनकी शानदार तकनीक उन्हें भविष्य के लिए एक अच्छा विकल्प बनाती है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने वाला आठवां देश बना श्रीलंका

बर्मिंघम, 1 फरवरी। पिछले सप्ताह कुआलालम्पुर में आईसीसी का कॉमनवेल्थ गेम्स क्वालीफ़ायर्स जीतने के बाद श्रीलंका उन आठ टीमों में शामिल हो गया है जो बर्मिंघम में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला टी20 टूर्नामेंट में खेलेंगी। श्रीलंका के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बारबाडोस, इंग्लैंड, भारत, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका भी इसमें हिस्सा लेंगे।

आईसीसी के चीफ़ एक्जीक्यूटिव जेफ़ एलार्डिस ने कहा, कॉमनवेल्थ गेम्स में खेलने वाली सभी टीमों का पूरा होना अच्छा है और श्रीलंका को बहुत मुबारकबाद जिन्होंने क्वालीफ़ायर में बहत अच्छा खेला। अब आठ टीमें स्वर्ण पदक के लिए लड़ेंगी और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह बहुत प्रतिस्पर्धा वाला टूर्नामेंट होगा।

एलार्डिस ने कहा, कॉमनवेल्थ गेम्स अगले साल महिला क्रिकेट कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यह हमारे लिए पारंपरिकता से परे क्रिकेट को ले जाने और दुनिया भर के अधिक लोगों को खेल का आनंद लेने का मौक़ा देने का एक बड़ा अवसर है, जबकि खिलाड़ी भी इसका हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्सुक हूं। प्रतियोगिता लीग-कम-नॉकआउट प्रारूप में खेली जाएगी। ऑस्ट्रेलिया और भारत जिन्होंने 2020 टी20 विश्व कप का फ़ाइनल खेला, वह पहला मैच 29 जुलाई को खेलेंगी।

आर्चर की मेगा आईपीएल नीलामी में वापसी, 2023 सीजन से खेलने के लिए उपलब्ध होंगे

मुंबई, 1 फरवरी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने आईपीएल 2022 के लिए होने वाली मेगा नीलामी में वापसी की है। क्रिकबज के मुताबिक आर्चर ने बेंगलुरु में 12 और 13 फरवरी को होने वाली मेगा नीलामी के लिए अपना नाम सूचीबद्ध किया है, जिसकी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को फ्रेंचाइजियों से पुष्टि की।

आर्चर ने खुद का आधार मूल्य दो करोड़ रुपए रखा है। बीसीसीआई ने हालांकि सभी फ्रेंचाइजियों को यह स्पष्ट किया है कि 26 वर्षीय तेज गेंदबाज का इस साल के आईपीएल में भाग लेना उनकी मौजूदा चोट की स्थिति को देखते हुए संदेहजनक है। उनका नाम नीलामी में इसलिए जोड़ा गया है, क्योंकि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई को सूचित किया है कि उनका 2023 और 2024 सीजन में खेलना निश्चित है।

बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजियों को 44 नए नामों की एक सूची उपलब्ध कराने के लिए एक पत्र लिखा है, जिन्हें फ्रेंचाइजियों के आग्रह पर नीलामी रजिस्टर में जोड़ा गया है। बीसीसीआई ने कहा, ईसीबी ने 2023 और 2024 में संभावित भागीदारी के मद्देनजर आर्चर को नीलामी के लिए पंजीकृत किया है, क्योंकि उनकी मौजूदा चोट के कारण उनके आईपीएल 2022 में भाग लेने की संभावना नहीं है।

उल्लेखनीय है कि नीलामी रजिस्टर को 1214 खिलाड़ियों की मूल सूची से घटाकर 590 कर दिया गया है, जिसे 22 जनवरी को संकलित और वितरित किया गया था। रजिस्टर में जोड़े गए आर्चर इंग्लैंड के एकमात्र खिलाड़ी है। इसमें एक और उल्लेखनीय नाम ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का है। सिडनी में हाल ही में एशेज टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले ख्वाजा ने शुरुआत में नामांकन नहीं किया था। आर्चर और ख्वाजा के अलावा 44 नए लोगों की नई सूची में अफगानिस्तान का एक, ऑस्ट्रेलिया के पांच, भारत के 11, आयरलैंड के दो, न्यूजीलैंड के छह, स्कॉटलैंड के दो, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज के चार तथा दक्षिण अफ्रीका के सात खिलाड़ी शामिल हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने लैंगर के पुनः आवेदन की रिपोर्टों का किया खंडन

कैनबेरा, 1 फरवरी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें ऑस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के अपनी भूमिका में बने रहने के लिए पुन: आवेदन करने का दावा किया गया था। लैंगर का अनुबंध इस साल जून में समाप्त होने वाला है और इस भूमिका में उनके भविष्य पर संदेह बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि लैंगर ने 28 जनवरी को मेलबोर्न में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले और उच्च प्रदर्शन एवं राष्ट्रीय टीमों के कार्यकारी महाप्रबंधक बेन ओलिवर से मुलाकात की थी। अमेरिका के खेल प्रसारणकर्ता फोक्स स्पोर्ट्स के मुताबिक बैठक काफी उठा रही थी, इस बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी कर कहा, यह बैठक यह न तो उठा थी और न ही गर्म और लैंगर को यह नहीं बताया गया था कि अगर उन्हें 2018 से अपनी भूमिका में बने रहना है तो उन्हें एक और आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा जाएगा।

क्रिकेट डॉट कॉम.एयू की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, वैसे हम गोपनीय बातचीत पर टिप्पणी नहीं करते हैं, लेकिन अब हमें लगा कि इस मौके पर चीजों को सही करना महत्वपूर्ण है। अन्य झूठे दावों के बीच हम इस दावे को सिरे से खारिज करते हैं कि बैठक उठा या गर्म थी और जस्टिन को अपनी भूमिका के लिए फिर से आवेदन करने के लिए कहा गया था। जस्टिन को इस साल के मध्य तक मुख्य कोच के रूप में अनुबंधित किया गया है और हमने लगातार यह सुनिश्चित किया कि उनकी भूमिका के भविष्य के बारे में चर्चा एशेज सीरीज के समापन के बाद शुरू होगी।

बंद दरवाजों के पीछे खेली जाएगी भारत-वेस्टइंडीज वनडे सीरीज

अहमदाबाद, 1 फरवरी। भारत और वेस्ट इंडीज के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आगामी रविवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे बंद दरवाजों के पीछे खेली जाएगी। गुजरात क्रिकेट संघ (जीसीए) ने मंगलवार को इसका ऐलान किया। जीसीए ने एक ट्वीट में कहा, हम तीन वनडे मैचों के लिए वेस्ट इंडीज के भारत दौरे की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। छह फरवरी को पहला वनडे बहुत ही खास और ऐतिहासिक होगा, क्योंकि भारत अपना 1000 वां वनडे मैच खेलेगा। भारतीय टीम इस उपलब्धि को हासिल करने वाली दुनिया की पहली क्रिकेट टीम होगी। मौजूदा स्थिति को देखते हुए सभी मैच बंद दरवाजों के पीछे खेले जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत को वेस्ट इंडीज के खिलाफ छह से 11 फरवरी तक अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीन वनडे और इसके बाद कोलकाता के ईडन गार्डन में 16 से 20 फरवरी तक तीन टी-20 मैच खेलने हैं। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने सोमवार को वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए स्टेडियम में 75 फीसदी क्षमता के साथ दर्शकों के बैठने की अनुमति दिए जाने की घोषणा की थी। कैब के अध्यक्ष अविषेक डालमिया ने एक बयान में कहा था, हम राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, मुख्य सचिव और पश्चिम बंगाल सरकार के आभारी हैं कि उन्होंने खेल गतिविधियों को फिर से शुरू करने की घोषणा की और साथ ही दर्शकों की 75 प्रतिशत क्षमता को स्टेडियम में वापस लाने की अनुमति दी।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दर्शकों की मौजूदगी को हरी झंडी

कोलकाता, 1 फरवरी। पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार ने सोमवार को 16 फ़रवरी से ईडन गार्डन्स में भारत और वेस्टइंडीज़ के बीच खेली जाने वाली तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज़ के लिए दर्शकों की मौजूदगी को हरी झंडी दिखाई। सोमवार को जारी राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुसार, ''सभी इनडोर और आउटडोर खेल गतिविधियों के आयोजन को 75 दर्शकों के साथ अनुमति दी जाएगी'', जिसका अर्थ है कि लगभग 50,000 प्रशंसकों के उपस्थित रहने की उम्मीद की जा सकती है।

कीरोन पोलार्ड के नेतृत्व वाली वेस्टइंडीज़ कोलकाता आने से पहले अहमदाबाद में तीन वनडे मैचों की सीरीज़ भी खेलेगी। पहला मैच 6 फ़रवरी को होगा। कोलकाता ने पिछले साल नवंबर में न्यूज़ीलैंड के विरुद्ध 70 प्रतिशत दर्शकों के साथ तीसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच की मेज़बानी की थी।

इस फ़ैसले के बाद बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अविषेक दालमिया ने एक बयान जारी करते हुए कहा, ''हम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, मुख्य सचिव और पश्चिम बंगाल सरकार के आभारी हैं कि उन्होंने खेल गतिविधियों को फिर से शुरू करने की घोषणा की और साथ ही दर्शकों को 75 प्रतिशत क्षमता में स्टेडियम वापस लाने की अनुमति दी।''

मंगलवार से शुरू हुए जयपुर पोलो सत्र के पहले टूर्नामेंट राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप के पहले मुकाबले में बेदला पोलो ने तेलंगाना पोलो को साढ़े चार के मुकाबले छह गोल से हराया। बेदला पोलो के लिये हिम्मत सिंह बेदला और धनंजय सिंह ने 2-2, हुर अली और लांस वाटसन ने 1-1 गोल किया। तेलंगाना के लिये नवीन सिंह ने 2, बशीर अली और हमजा अली ने 1-1 गोल किये तथा आधे गोल का उसे लाभ मिला।

टाटा ओपन के रूप में एक और खिताब अपने नाम करना चाहते है बोपन्ना

पुणे, 1 फरवरी। खिताब के साथ सीजन की शुरुआत करने के बाद भारत के स्टार पुरुष युगल जोड़ीदार- रोहन बोपन्ना और रामकुमार रामनाथन पुणे में अपने नाम के साथ एक और खिताब जोड़ना चाहते हैं। बालेवाड़ी कॉम्प्लेक्स में जारी 2022 टाटा ओपन महाराष्ट्र में बोपन्ना और रामकुमार को दूसरी सीड मिली है और अब यह जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार है। पूर्व विश्व नंबर-3 बोपन्ना को लगता है कि रामकुमार की ऊर्जा और जुनून ने उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलने की आजादी दी है और इसी कारण वह अपने इस जोड़ीदार के साथ पुणे में एक और शानदार सप्ताह की उम्मीद कर रहे हैं। इस टूर्नामेंट में चौथी बार खेलने के लिए तैयार बोपन्ना ने मंगलवार को यहां वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, चाहे वह डेविस कप हो या कोई अन्य टूर्नामेंट, मैंने रामकुमार को एक खिलाड़ी के रूप में विकसित होते देखा है। मैं उसे ऑफ कोर्ट बहुत अच्छी तरह से जानता था और ऑन कोर्ट सौहार्द ने हमें वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद की। बोपन्ना और रामकुमार ने जनवरी में एडिलेड में पहली बार एक साथ कोई खिताब जीता था। अब ये दोनों महाराष्ट्र लान टेनिस संघ द्वारा आयोजित किए जा रहे दक्षिण एशिया के एकमात्र एटीपी 250 टूर इवेंट के चौथे संस्करण में शुरुआती दौर के मुकाबले में अमेरिकी जोड़ी-जेमी सेरेटानी और निकोलस मोनरो का सामना करेंगे।

मिताली को वनडे रैंकिंग में दूसरा स्थान

दुबई, 1 फरवरी। भारतीय महिला वनडे क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज मंगलवार को आईसीसी की ओर से जारी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। ताजा रैंकिंग के अनुसार मिताली 738 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर आई हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली (731) नंबर एक से तीसरे स्थान पर खिसक गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली ने 750 अंकों के साथ शीर्ष पायदान पर कब्जा किया है। इस बीच एक अन्य भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना 710 रेटिंग अंकों के साथ छठे स्थान पर बरकरार हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में अनुभवी भारतीय गेंदबाज झूलन गोस्वामी 727 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया की जेस जोनासन 760 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट्ट, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन और दक्षिण अफ्रीका की मारिजैन कप्प क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

जयपुर एकेडमी सेमीफाइनल में

जयपुर, 1 फरवरी, यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 24वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये नॉक आउट दौर के दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में लेफ्ट आर्म स्पिनर मिहीत अग्रवाल 13 रन पर 3 विकेट, अंशुल गढ़वाल 13 रन पर 2 विकेट व आफताबुद्दीन 23 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी तथा रणजी खिलाड़ी अमित गौतम 64 रन नाबाद की शानदार पारी की बदौलत जयपुरिया एकेडमी ने संस्कार क्रिकेअ एकेडमी को 7 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला अरावली क्रिकेट एकेडमी से होगा। प्रतियोगिता का अगला मेच बृहस्पतिवार को खेला जायेगा।

संक्षिप्त स्कोर

संस्कार क्रिकेट एकेडमी 122 रन 9 विकेट खोकर 37 ओवर में।

(एम. अभिषेक यादव 42 रन, आदित्य झाला 27 रन, भावेश शर्मा 12 रन मिहीत अग्रवाल 13 रन पर 3 विकेट, अंशुल गढ़वाल 13 रन पर 2 विकेट व आफताबुद्दीन 23 रन पर 2 विकेट लेकर जयपुरिया की ओर से सफल गेंदबाज रहे)

जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी 123 रन 3 विकेट खोकर 23.1 ओवर में।

(अमित गौतम 64 रन नाबाद, राहुल खण्डेलवाल 34 रन, आदित्य झाला 19 रन पर 1 विकेट व अनिरुद्ध कोशिक 14 रन पर 1 विकेट लेकर संस्कार एकेडमी की ओर से सफल गेंदबाज रहे)

16 से खेला जा सकता है रणजी ट्रॉफी का लीग चरण

मुम्बई, 1 फरवरी। रणजी ट्रॉफ़ी 2021-22 का लीग चरण 16 फ़रवरी से 5 मार्च के बीच खेला जा सकता है। 38 टीमें नौ जगहों पर नॉकआउट राउंड में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी। चेन्नई, अहमदाबाद, तिरुवनंतपुरम, बेंगलुरु, राजकोट, कटक, गुवाहाटी, कोलकाता और हैदराबाद में लीग चरण के मैच होंगे। व्यस्त शेड्यूल को देखते हुए एक ही मैदान पर लगातार मैच होने हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घोषणा की है कि एलीट ग्रुप की चार-चार टीमें एक स्थान पर भिड़ेंगी। हालांकि यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि प्लेट ग्रुप की छह टीमें आपस में कहां भिड़ेंगी। 27 जनवरी को बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा था कि रणजी ट्रॉफ़ी दो चरणों में होगा। लीग चरण फ़रवरी-मार्च और नॉकआउट चरण आईपीएल के बाद जून में होगा।

मिस्टर जयपुर बॉडी बिल्डिंग 6 को

जयपुर, 1 फरवरी। जयपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में मिस्टर जयपुर सीनियर व जूनियर जिला बॉडी बिल्डिंग, मैन्स स्पोर्ट फिजिक प्रतियोगिता का आयोजन 6 फरवरी, रविवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब के ऑडीटोरियम में आयोजित किया जायेगा। जयपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि जूनियर प्रतियोगिता में आयु वर्ग 21 वर्ष रहेगा।

भारत ने चीन को फिर पीटा

मस्कट, 1 फरवरी। महिला एफआईएच हॉकी प्रो लीग में पदार्पण करने वाली भारतीय महिला टीम ने चीन को फिर हरा दिया और प्रो लीग की तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया। भारत ने चीन को कल 7-1 के बड़े अंतर से रौंदा था और आज उसने चीन के संघर्ष को 2-1 से काबू कर लिया। चीन ने पहले हाफ में निराशाजनक खेल दिखाया जबकि भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक हॉकी का प्रदर्शन किया।

भारत को तीसरे ही मिनट में पेनल्टी कार्नर मिला जिसे गुरजीत कौर ने गोल में बदल दिया। भारत पहले क्वार्टर की समाप्ति तक कोई और गोल नहीं कर पाया। दूसरे हाफ में चीन ने बेहतर खेल दिखाया। वांग शुमिन ने भारतीय गोलकीपर सविता को पराजित कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। भारत ने इसके बाद चीन के गोल पर जवाबी हमले किये और इसका उसे फायदा मिला। भारत को पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन दीप ग्रेस एक्का का शॉट बाहर चला गया।

गुरजात ने मौजूदा चैम्पियन बंगाल को 9 अंक से हराया

बेंगलुरु, 1 फरवरी। गुजरात जाएंट्स ने वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन में राइवलरी वीक के तहत मंगलवार को खेले गए अपने 14वें मैच में मौजूदा चैम्पियन बंगाल वॉरियर्स को 34-25 से हरा दिया।

गुजरात की यह इस सीजन की पांचवीं जीत है जबकि बंगाल को 15 मैचों में सातवीं हार मिली है। गुजरात के जीत के नायकों में अजय कुमार (9) और परदीप कुमार (7) रहे, लेकिन असल नायक उसका डिफेंस रहा, जिसने 14 अंक लेने की दिशा में सात बार बंगाल के कप्तान मनिंदर (9 अंक) को आउट किया। बंगाल के लिए रण सिंह ने बेहतरीन हाई-5 लगाया। मनिंदर ने इस सीजन में 27वीं मल्टी प्वाइंट रेड के साथ बंगाल का खाता खोला। पांच मिनट के बाद स्कोर बंगाल के पक्ष में 3-2 था लेकिन राकेश नरवाल ने मोहम्मद नबीबक्श को आउट कर गुजरात को 4-3 की लीड दिला दी।

परदीप कुमार ने फिर सुपर रेड के साथ गुजरात को 7-3 से आगे कर दिया।। डू ओर डाई रेड पर दो बार लपके जाने के बाद मनिंदर ने नौवें मिनट में डू ओर डाई रेड दो अंक लिए। स्कोर 8-8 बराबर हो गया था। बंगाल ने परदीप को डैश कर 17वें मिनट में लीड ली।

सुपर टैकल की स्थिति में हालांकि मनिंदर का शिकार हुआ और इस तरह यह टीम 12-11 से आगे हो गई। अंतिम मिनट में अजय डू ओर डाई रेड पर गए। वह अंक लेकर लौटे। फिर रविंदर कुमावत ने डू ओर डाई रेड पर अंक ले गुजरात की लीड बरकरार रखी।

पहले हाफ में सबकुछ बराबरी पर चला। दोनों टीमों को चार-चार टैकल अंक मिले। रेड में गुजरात (9) को एक अंक की लीड मिली। गुजरात ने इस हाफ में बंगाल के कप्तान मनिंदर को तीन बार लपका। हालांकि रण सिंह ने सभी चार टैकल अंक लेकर संतुलन बनाए रखा। ब्रेक के बाद अमित नरवाल ने अजय को थाई होल्ड कर स्कोर 13-13 कर दिया। मनिंदर रिवाइव हुए लेकिन अगले ही पल वह सुपर टैकल की स्थिति में लपक लिए गए। अब गुजरात 15-13 की लीड पर थे। सुपर सब एचएस राकेश अब गुजरात के लिए डू ओर डाई रेड पर थे। सुपर रेड के साथ उन्होंने स्कोर 18-13 कर दिया।

आईपीएल 2022 में गेंदबाजी करने पर बोले हार्दिक, यह सभी के लिए सरप्राइज

अहमदाबाद, 1 फरवरी। नई आईपीएल फ्रेंचाइजी अहमदाबाद के कप्तान चुने गए स्टार भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने उनके 2022 आईपीएल सीजन में गेंदबाजी करने को लेकर कहा है कि यह सभी के लिए सरप्राइज होगा। हार्दिक ने मंगलार को इस संबंध में सवाल पूछे जाने के जवाब में कहा कि उनकी टीम को पता है कि वह कहां खड़े हैं। उन्होंने इस बारे में सीधा जवाब नहीं दिया, हालांकि उन्होंने अपनी कप्तानी के नजरिए, अपने द्वारा निर्धारित लक्ष्यों और वह अहमदाबाद फ्रेंचाइजी की संस्कृति को कैसे आकार देना चाहते हैं, के बारे में आशावादी होते हुए बातचीत की।

राशिद खान, शुभमन गिल, मुख्य कोच आशीष नेहरा और टीम के मेंटर गैरी कर्स्टन के साथ हार्दिक चाहते हैं कि उनका पक्ष नई विरासतों की गाथा लिखे, क्योंकि फ्रेंचाइजी का लक्ष्य ऊंचाइयों को छुना है।

हार्दिक ने अपनी नई यात्रा के बारे में बताया, हम शून्य से शुरुआत कर रहे हैं और मुझे लगता है कि हम नई विरासतें बना सकते हैं और नई संस्कृतियां बना सकते हैं जिनका मैं समर्थन करना चाहता हूं। यह एक बहुत ही रोमांचक समय होने जा रहा है।

गहलोत सरकार ने भी अवैध अतिक्रमण ध्वस्त करने के मामले में सख्ती दिखाते हुये रीट पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी रामकृपाल मीणा की गोपालपुरा बाइपास के पास 1667 वर्गगज में बनी अवैध इमारत को ध्वस्त करवा दिया है। जे.डी.ए. के अवैध निर्माण निरोधक दस्ते ने मंगलवार को इस चार मंजिला इमारत को तोड़ने की कार्रवाई की। रामकृपाल मीणा ने यहां सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके कॉलेज और स्कूल बना रखी थी।

वायु सेना में महिला पायलटों को एक्सिपेरिमैंटल नहीं परमानैंट कमीशन मिलेगा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस निर्णय की घोषणा की

नई दिल्ली, 1 फरवरी (वार्ता)। रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक और कदम उठाते हुए वायु सेना में अब महिलाओं को प्रायोगिक के बजाय स्थायी योजना के तहत लड़ाकू पायलट के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को खुद इस निर्णय की घोषणा की। सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना में महिला लड़ाकू पायलटों को भर्ती करने की प्रायोगिक योजना को स्थाई योजना में बदलने का निर्णय लिया है। यह भारत की नारी शक्ति की क्षमता तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नारी सशक्तिकरण के प्रति वचनबद्धता का प्रमाण है।

वायु सेना में महिला पायलटों को लड़ाकू भूमिका के लिए पहली बार वर्ष 2016 में मौका दिया गया था जिसके बाद 3 महिला अधिकारियों ने लड़ाकू विमान के पायलट के रूप में प्रशिक्षण लिया था। वर्ष 2018 में फ्लाइंग ऑफिसर अवनी चतुर्वेदी ने अकेले लड़ाकू विमान उड़ा कर इतिहास रचा था।

उल्लेखनीय है कि, उच्चतम न्यायालय ने कुछ महीने पहले ही राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में महिलाओं की भर्ती को मंजूरी देते हुए सरकार से अकादमी के दरवाजे महिलाओं के लिए खोलने का आदेश दिया था।

सरकार द्वारा प्रायोगिक आधार पर महिलाओं के लिए फाइटर स्ट्रीम खोलने का फैसला करने के एक साल से भी कम समय बाद, चतुर्वेदी जुलाई 2016 में फ्लाइंग ऑफिसर के रूप में कमीशन की गई तीन सदस्यीय महिला टीम का हिस्सा थीं। 2020 में, नौसेना ने डोर्नियर समुद्री विमान पर महिला पायलटों के अपने पहले बैच को तैनात करने की घोषणा की। इसने विमानवाहक पोत आई.एन.एस. विक्रमादित्य सहित लगभग 15 अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर 28 महिला अधिकारियों को तैनात किया है और इस तरह की और नियुक्तियों की योजना के साथ संख्या बढ़ने की तैयारी है।

2019 में सेना ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महिलाओं को सैन्य पुलिस में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की। सैन्य पुलिस की भूमिका में छावनियों और सेना प्रतिष्ठानों की पुलिसिंग, सैनिकों द्वारा नियमों और विनियमों के उल्लंघन को रोकना, शांति और युद्ध के दौरान सैनिकों की आवाजाही के साथ-साथ रसद को बनाए रखना और जब भी आवश्यक हो, नागरिक पुलिस को सहायता प्रदान करना शामिल है। 2016 में आई.ए.एफ. की फाइटर स्ट्रीम में शामिल होने की एक्सपेरिमेंट योजना लागू होने के बाद 16 महिलाओं को फाइटर पायलट के रूप में कमीशन किया गया है। ये वायु सेना के इतिहास में एक बड़ा क्षण था।

वायुसेना के एक प्रवक्ता ने कहा, रक्षा मंत्रालय ने इसे स्थायी योजना बनाने की मंजूरी दे दी है।" यह फैसला ऐसे समय में आया है जब सशस्त्र बलों में महिलाओं के लिए नए दरवाजे खोले गए हैं। नौसेना अपने पुरुष समकक्षों के साथ युद्धपोतों पर सवार होने के लिए उन्हें और अधिक अवसर देने की योजना के साथ आगे बढ़ रही है, सेना ने उन्हें हेलीकॉप्टर उड़ाने की अनुमति दी है और वे स्थायी कमीशन की पात्र हैं।

वित्त मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देने वाली योजनाओं का कोई उल्लेख नहीं किया। इसी प्रकार, ईस्टर्न एंड वैस्टर्न डैडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर्स (डी.एफ.सी.) को पूरा करने, या रेल की वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाने के बारे में भी कुछ नहीं कहा गया। सन् 2019 से अब तक यह तीसरा वर्ष है, जब ट्रान्सपोर्टरों का ऑपरेटिंग रेशियो (एक रुपया कमाने के लिये खर्च किये गये पैसे) 100 प्रतिशत से ऊपर चला गया है, जबकि पेंशन व्यय की व्यवस्था सरकारी तथा एक्स्ट्रा बजटरी सपोर्ट से करके इण्डियन रेलवे (आई.आर.) इसे 100 प्रतिशत से नीचे रखने की कला प्रदर्शित कर चुका है।

रेल -कन्सल्टैंट सुधांशुमणि ने कहा, "पिछले दो वर्षों में, कॉम्पट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल (सी एंड ए जी) ने आई.आर. को आँकड़ों में गड़बड़ करने के लिये झाड़ लगाई है।" आई.आर. को आज कर्ज के ब्याज को चुकाने में स्थगन मिल गया, लेकिन इसका बकाया कर्ज आज की स्थिति में 4 लाख करोड़ से ज्यादा है। जब इस स्थगन-काल की समाप्ति शुरु होगी, कर्ज की राशि बहुत ज्यादा बढ़ चुकी होगी। मणि ने कहा, "इस बजट में पूँजीगत व्यय पर 2.45 लाख करोड़ रु. और आवंटित किये गये हैं, जबकि समझदारी यह होती कि इस खर्च में कटौती की जाती तथा निवेश की वापसी के पूर्व और बाद के ऑडिट का और अधिक ताकतवर तंत्र स्थापित किया जाता। रेलवे बोर्ड के पूर्व सदस्य राजेश अग्रवाल ने कहा कि, इस समय जरुरत इस बात की थी कि कोई न्यायिक कमेटी गठित की जाती तथा रेल-वित्त पर श्वेत पत्र जारी किया जाता।

रीट पेपर लीक के आरोपी रामकृपाल मीणा का स्कूल-कॉलेज ध्वस्त

गहलोत सरकार ने भी अवैध अतिक्रमण ध्वस्त करने के मामले में सख्ती दिखाई

जयपुर, 1 फरवरी (कासं)। रीट पेपर लीक के आरोपी रामकृपाल मीणा ने गोपालपुरा बायपास के नजदीक जगन्नाथपुरी में सरकारी जमीन पर कब्जा करके एस.एस.कॉलेज और स्कूल बना रखी थी, इस बिल्डिंग पर मंगलवार को जेडीए ने बुलडोजर चलाया।

प्रवर्तन टीम ने करीब 1667 वर्गगज पर बनीं इस चार मंजिला इमारत को ध्वस्त किया। यहां पर 9 कमरे बनाये हुए थे, इसी इमारत की चौथी मंजिल पर आरोपी रामकृपाल और उसके परिजन रहते थे। इस कार्रवाई के बाद चर्चा है कि जिस तरह से उत्तरप्रदेश (यूपी) में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेपरलीक करने वाले आरोपियों की संपत्तियों पर बुलडोजर चलवाये हैं, ठीक वैसे ही राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सख्ती दिखाने का दिखावा किया है।

- **जयपुर में गोपालपुरा बाईपास स्थित जगन्नाथपुरी में 1667 वर्ग गज सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाई गई थी चार मंजिला अवैध इमारत।**

जेडीए आयुक्त गौरव गोयल ने बताया कि, गोपालपुरा बायपास के नजदीक जगन्नाथपुरी में जहां पर यह कॉलेज और स्कूल बना हुआ था, उसका बड़ा हिस्सा सरकारी जमीन पर था। जैसे ही इसकी जानकारी मिली, तभी जोन उपायुक्त को कहकर मौके की रिपोर्ट मंगवाई। स्कूल-कॉलेज सरकारी जमीन पर बने होने की पुष्टि होते ही इस बिल्डिंग को तोड़ने के आदेश दे दिये। मंगलवार से मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी के निर्देशन में बिल्डिंग को तोड़कर जमीन पर कब्जा करने का काम शुरू हो चुका है। इस जमीन पर जेडीए संपत्ति का बोर्ड लगाया जायेगा।

''मोबाइल व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वक्तव्य देने के लिए भी उन्होंने कागज़ का सहारा लिया।

जी.एस.टी. की उच्चतम प्राप्तिओं के बारे में घोषणा करते समय भी उनके हाथ में एक कागज़ था। इसे वो अपने बजट भाषण में शामिल नहीं कर पाई थीं।

प्रधानमंत्री ने पूरा बजट भाषण सुना तथा जब भी वित्त मंत्री ने कोई महत्वपूर्ण बात कही, उन्होंने अन्य सदस्यों के साथ मेज थपथपाकर उसका स्वागत किया।

सिद्धू अब केवल अमृतसर से ही चुनाव लड़ेंगे

अमृतसर, 1 फरवरी (वार्ता)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की अमृतसर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से ही उनके खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती आज स्वीकार की।

- **सिद्धू ने मजीठिया की चुनौती हाथोंहाथ स्वीकार की।**
- **मजीठिया ने सिर्फ एक ही सीट से चुनाव लड़ने तथा अमृतसर विधानसभा सीट से सिद्धू को उनके सामने खड़े होने की चुनौती दी थी।**

मजीठिया ने यहां मीडिया को सम्बोधित करते हुये कहा कि वह अब दो जगह से नहीं बल्कि अमृतसर पूर्व से ही चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी गनीव कौर उनके स्थान पर मजीठा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी। कौर ने गत सोमवार को मजीठा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था।

कांग्रेस ने अखिलेश व शिवपाल यादव के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारे

कांग्रेस का मकसद है कि, वह भाजपा को हराने में अखिलेश की पूर्ण मदद करना चाहती है

लखनऊ, 1 फरवरी। मैनपुरी की करहल सीट से समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और इटावा की जसवंतनगर सीट से प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया व सपा-प्रसपा गठबंधन के उम्मीदवार शिवपाल सिंह यादव के खिलाफ उम्मीदवार उतारने से परहेज किया है। ऐसा करके कांग्रेस ने भविष्य में भाजपा के खिलाफ जरूरत पड़ने पर समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाने का स्पष्ट संकेत दिया है। हालांकि, कांग्रेस ने करहल सीट पर पहले अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया था, लेकिन मंगलवार को नामांकन करने से रोक दिया।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा उत्तर प्रदेश की सभी 403 सीटों पर पार्टी के चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुकी हैं। यह बात और है कि कांग्रेस ने सपा मुखिया अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव के खिलाफ अब प्रत्याशी नहीं उतारने का निर्णय किया है। चुनाव की आहट तेज होते ही कांग्रेस और सपा के गठबंधन की अटकलों को अखिलेश ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि बड़े दलों का स्ट्राइक रेट खराब होता है। उनका इशारा कांग्रेस के साथ 2017 में हुए सपा के गठबंधन की ओर था। सपा और कांग्रेस दोनों का मुख्य लक्ष्य भाजपा को हराना है।

- **ऐसा करके कांग्रेस ने भविष्य में भाजपा के खिलाफ जरूरत पड़ने पर समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाने का स्पष्ट संकेत दिया है।**

बीते दिनों एक सवाल के जवाब में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा था कि विधान सभा चुनाव के बाद यदि सपा को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने की जरूरत पड़ी तो इस पर विचार किया जाएगा। कांग्रेस के इस कदम को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है।

हालांकि, इस बारे में कांग्रेस के मीडिया व कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन नसीमुद्दीन सिद्दीकी का कहना है कि मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ रायबरेली और अमेठी में कभी प्रत्याशी नहीं उतारा। राजनीतिक शिष्टाचार को निभाते हुए कांग्रेस ने भी अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव के खिलाफ उम्मीदवार नहीं खड़ा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य भाजपा को हराना है। भाजपा के खिलाफ करहल और जसवंतनगर सीटों पर लड़ाई कमजोर न हो, इसलिए भी पार्टी ने दोनों सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करने से परहेज किया है।

''क्रिप्टो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगाया जाएगा।

चिदंबरम ने कहा कि, "यह स्पष्ट रूप से किसी को लाभान्वित करने वाला नहीं है, क्योंकि भारत की 99.9 प्रतिशत जनता के लिए डिजिटल असैट्स कोई मायने नहीं रखती।"

राहुल गांधी के "ज़ीरो-सम बजट" ट्वीट पर चिदंबरम ने ठेठ तमिल भाषा में टिप्पणी की।

उन्होंने इसे इस तरह से वर्णित किया- ज़ीरो कैश एसिस्टैन्स, जिन लोगों ने अपनी नौकरियां खोईं, उनके लिए ज़ीरो, जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उनके लिए ज़ीरो, एम.एस.एम.ई. के लिए ज़ीरो, जो लोग कुपोषण और भुखमरी से त्रस्त हैं, उनके लिए ज़ीरो, अत: ज़ीरो प्लस ज़ीरो, प्लस ज़ीरो, प्लस ज़ीरो, प्लस ज़ीरो का योग भी ज़ीरो ही हो सकता है।

'या तो भारत के कानून का सम्मान करे अन्यथा अपनी दुकान बंद करे ट्विटर'

नई दिल्ली, 1 फरवरी। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने आपत्तिजनक सामग्री हटाने के अपने आदेश का सम्मान नहीं करने के लिए इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर पर करारा प्रहार किया। अदालत ने ट्विटर से यह बताने के लिए कहा है कि इस मुद्दे पर क्यों न उसे बंद कर दिया जाए। कोर्ट ने कहा, आपको अनिवार्य रूप से देश के कानून का पालन करना होगा, नहीं तो आप अपनी दुकान बंद कर दें।

मुख्य न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एम. सत्यनारायण मूर्ति की खंडपीठ ने कहा कि ट्विटर की गतिविधि अदालत की अवमानना की तरह है। खंडपीठ ने सोमवार को पूछा कि उसके खिलाफ आपराधिक प्रक्रिया क्यों न शुरू की जाए। कोर्ट ने ट्विटर को अगली सुनवाई के दिन इस संबंध में एक शपथपत्र दाखिल कराने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई सात फरवरी को तय कर दी। कड़ा रुख अपनाते हुए हाई कोर्ट ने ट्विटर से कहा कि बचने के लिए वह तकनीकी का सहारा नहीं ले सकती।

- **आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने आदेशों की अवहेलना के मामले में ट्विटर के खिलाफ यह सख्त टिप्पणी की।**

हाई कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा, पिछली सुनवाई के दौरान हमने स्पष्ट आदेश दिया था कि आपत्तिजनक सामग्री को तत्काल हटाया जाए। ऐसा करने में विफल रहने पर अदालत की अवमानना मानी जाएगी। यदि आपको अपनी सेवा जारी रखनी है तो आपको अनिवार्य रूप से देश के कानून का पालन करना होगा, नहीं तो आप अपनी दुकान बंद कर दें।

विभिन्न इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर सत्ताधारी वाई.एस.आर. कांग्रेस के सदस्यों एवं समर्थकों द्वारा न्यायपालिका के खिलाफ आपत्तिजनक एवं अपमानजनक पोस्ट से संबंधित स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई चल रही है। इसी मामले की सुनवाई में सोमवार को ट्विटर को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट की नाराजगी का सामना करना पड़ा। हाई कोर्ट के आदेश पर सी.बी.आई. इस मामले की जांच कर रही है और इस सिलसिले में अभी तक कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

'करोना से बच्चों को भारी नुकसान हुआ अब उनके लिए बजट आवंटन में भी कटौती हुई'

कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि, मोदी सरकार ने बाल अधिकारों के मद में आवंटित राशि में 23 फीसदी की कटौती की है

नई दिल्ली 1 फ़रवरी (वार्ता)। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन ने केंद्र सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में बच्चों से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के मद में कटौती करने पर चिंता जाहिर की है।

के.एस.सी.एफ. ने बयान जारी कर कहा कि पिछले बजट में बच्चों के मद में कुल बजट का 2.46 फीसदी धन आवंटित किया गया था , जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह घटकर 2.35 फीसदी रह गया है। यह 2008 से बाल अधिकारों के मद में आवंटित की जा रही अभी तक की सबसे कम धनराशि है।

- **पिछले बजट में बच्चों के मद में कुल बजट का 2.46 फीसदी धन आवंटित किया गया था , जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह घटकर 2.35 फीसदी रह गया है। यह 2008 से बाल अधिकारों के मद में आवंटित की जा रही अभी तक की सबसे कम धनराशि है।**

उन्होंने कहा कि करोना महामारी ने बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य से लेकर उनकी देखभाल, पोषण, पेयजल, स्वच्छता और संरक्षण को काफी प्रभावित किया है। समाज के हाशिए पर रहने वाले गरीब लोगों की आमदनी में कमी होने से उनके बच्चों को बाल श्रम, ट्रैफिकिंग, शोषण, यौन दुर्व्यवहार, अपमान और अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। इन सभी पहलुओं को देखते हुए केंद्रीय बजट में बच्चों के हित में धनराशि बढ़ाए जाने की जरूरत थी। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन महिला और बाल विकास मंत्रालय के बजट आवंटन पर भी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पिछले वित्तीय साल के मुकाबले आठ प्रतिशत की कमी की गई है, जो वर्ष 2020-21 के 20,401 करोड़ रूपये से घटकर 2022-23 में 18,859 करोड़ रूपये हो गया है। पिछले चार वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण भी राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना (एन.सी.एल.पी.) के कार्यान्वयन के लिए किए गए बजट आवंटन में लगातार कमी का संकेत देता है।

तेजपाल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एन.वी.रमना एवं न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना तथा हिमा कोहली की बैंच ने उस समय दिया, जब तेजपाल की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने इस केस को शीघ्र सूचीबद्ध किये जाने का अनुरोध किया, क्योंकि दो जज इसकी सुनवाई से अलग हो चुके हैं। सी.जे.आई. ने कहा, "हम इसे पुन: सूचीबद्ध करेंगे।" दो अलग-अलग सुनवाइयों में अलग हो जाने वाले दो जज हैं- न्यायमूर्ति यू.यू. ललित तथा एल. नागेश्वर राव। तेजपाल ने अपील में मांग की है कि, गोवा सरकार द्वारा की गई अपील की "इन -कैमरा" सुनवाई की जाये। ज्ञातव्य है कि 21 मई 2021 को ट्रायल कोर्ट उसे दोषमुक्त घोषित कर चुका है।

निर्मला सीतारमण इकॉनमी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे थे कि, विन्टर ओलम्पिक्स में शामिल होने वाले सभी लोग इस मुद्रा से भुगतान करें, तथा सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई थीं।

लेकिन ओमिक्रॉन फैलने तथा कोविड आइसोलेशन के नये तथा अत्यधिक सख्त नियमों के कारण, चीन के चीनी सी.बी.डी.सी. की लॉन्चिंग रोक दी है।

दूसरी तरफ, चीनी एन.एफ.टी. (नॉन फंजिबल टोकन्स) जैसी डिजिटल परिसम्पत्तियों का ट्रेड बढ़ रहा है। उदाहरण के लिये इससे डिजिटल आर्ट को खरीदा जा सकता है।

यह लोगों के पास है तथा डिजिटल असैट्स मार्केट में खरीदी-बेची जा रही है। भारतीय लोग भी ऐसी एन.एफ.टी. खरीद-बेच रहे हैं तथा अब इस प्रकार की करैन्सी की ट्रेडिंग पर 30 प्रतिशत टैक्स लगेगा।

एन.एफ.टी. रियल टाइम डिजिटल आर्ट है। बहुत से आर्टिस्ट अपने आर्टवर्क को डिजिटल फॉर्मेट में बदल रहे हैं तथा इन्हें डिजिटल नीलामी प्लेटफॉर्मों पर प्रस्तुत कर रहे हैं। इन डिजिटल आर्ट्स के मालिक अपने आर्टवर्क के स्वामित्व को बनाये रखते हैं तथा इन्हें खरीद-बेच सकते हैं।

वित्त मंत्री वर्तमान प्राइवेट डिजिटल करैंसियों तथा बड़ी ट्रेडिंग करने की प्रवृत्तियों में भारतीयों के प्रवेश को हतोत्साहित करने या कम करने की कोशिश कर रही हैं। भारतीय खरीददार वर्तमान ग्लोबल प्राइवेट डिजिटल करैन्सियों को लेकर दिन पर दिन बहुत सक्रिय हो रहे थे। सुस्थापित डिजिटल करैंसी एक्सचैंजों में ट्रेडिंग की मात्रा बढ़ती जा रही है।

इनके लिये, जब तक सब सही चल रहा है, अच्छी बात है। लेकिन इसका अर्थ यह भी है कि लोग बड़ी मात्रा में ट्रेडिंग करके बढ़ते हुए दायित्वों (ऑब्लिगेशन) को कम कर रहे हैं। बड़ी मात्रा में घाटे का मतलब भुगतान संबंधी ऑब्लिगेशन भी हो सकता है।

डिजिटल असैट्स ट्रेडिंग पर टैक्स लगाये जाने से, डिजिटल एक्सचेंज तथा डिजिटल करैंसी लेने वाले लोग-दोनों ही हतोत्साहित अनुभव करेंगे। इसलिये, ऐसा संभव है कि वर्तमान प्राइवेट डिजिटल करैंसियों की ट्रेडिंग तथा कुल भारतीय निवेश पर टैक्स लगने का प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

इसलिये, इस पर टैक्स लगने का नतीजा यह होगा कि, उन भारतीयों की संख्या में कमी आएगी जो वर्तमान डिजिटल असैट्स तथा करैंसियों की ओर जा रहे हैं।

दूसरी तरफ, भारत डिजिटल करैंसी के वैश्विक लेन-देन के मामले में सबसे आगे होगा। ज्ञातव्य है कि डिजिटल करैंसी मूलभूत रूप से करैंसी की परिकल्पना (कॉन्सेप्ट) को पूरी तरह बदल रहा है। कौड़ियों से आकारविहीन डिजिटल करैंसी तक की यात्रा अर्थव्यवस्था की प्राचीनतम संस्थाओं में एक धन की अवधारणा तक के विकास की कहानी है।

'बजट पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ाने वाला'

नई दिल्ली, 1 फरवरी (वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व वित्त मंत्री पी चिदम्बरम ने आम बजट 2022-23 को निराशाजनक बताते हुए कहा है कि इसमें गरीबों, कमजोरों, आदिवासियों, युवाओं, मध्यम वर्ग के लिए कुछ नहीं है और यह पूरी तरह से 'पूंजीवादी बजट' है।

- **चिदंबरम ने कहा कि, लोककल्याण को रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया है और सभी क्षेत्रों में सब्सिडी पर कटौती की गई है।**

चिदंबरम ने संवाददाताओं से कहा कि, देश की अर्थव्यवस्था 2019-20 के स्तर पर है यानी दो साल पीछे देश की अर्थव्यवस्था चल रही है लेकिन सरकार ने इससे उभरने के लिए कोई कदम बजट में नहीं उठाए हैं।

वित्त मंत्री ने ''गैर राजनीतिक''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बोल्ड अप्रोच अपनातीं।

लेकिन इस अप्रोच में प्राइस लाइन बाधा होगी। चूंकि हाल ही के महीनों में महंगाई स्थिर होकर मजबूत हो चुकी है, इसलिए क्षमता निर्माण का भारी व्यय आर्थिक सिस्टम में और पैसा ला सकता है जिससे मंहगाई बढ़ेगी।

इसके साथ ही "प्राइस लाइन" पर विचार करना महत्वपूर्ण होगा क्योंकि महंगाई के एक बार स्थिर हो जाने पर उसे रोकना मुश्किल होगा। और तेजी से बढ़ती महंगाई कुल मिलाकर खेल बिगाड़ सकती है।

बजट किसी उद्योग अथवा अर्थव्यवस्था के किसी भाग को प्रोत्साहित करने के लिए किन्हीं "इन्सैन्टिब्ज़ या छूटों में फेरबदल का प्रयास नहीं कर रहा है। यह उस बड़े लक्ष्य पर अपनी आस्था प्रकट कर रहा है जो सभी सैक्टर्स को सक्रियता के एक उच्च स्तर पर ले जाएगा।

सीतारमण ने कड़ी समग्र रणनीति के अलावा, बजट में अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन की तकनीकी का समावेश किया है। वित्त मंत्री ने कृषि विकास के लिए "ड्रोन्स" के उपयोग तथा क्षेत्रीय भाषाओं के बढ़े हुए "डिजिटल एजूकेशनल कन्टैन्ट्स" के जरिए स्थानीय तकनीकी, ई-एजूकेशन और शिक्षण की बात की है और इन सबसे अधिक उन्होंने अब एक अधिकारिक डिजिटल करैन्सी की घोषणा की है।

एक परम्परागत बजट की अपेक्षा एक अधिक अवधि के विकास पथ पर चलने के चक्कर में उनके पास करों पर गौर करने का समय नहीं रहा। उन्होंने टैक्स के बेसिक स्ट्रक्चर को नहीं छेड़ा है और सभी टैक्स रेट्स अपरिवर्तित रखी गई हैं।

वास्तव में इसने थोड़ा भ्रम पैदा कर दिया है क्योंकि टैक्सेशन के वकील और विशेषज्ञ इस पर आश्चर्य प्रकट कर रहे हैं कि इनकम टैक्स या कस्टम अथवा ऐसे अन्य करों को क्या हो गया है।

वित्त मंत्री ने भारतीय घरेलू उद्योगों को ज्यादा संरक्षण प्रदान करने के लिए कस्टम ड्यूटीज़ में ही आंशिक फेरबदल किया है। संक्षेप में, वित्त मंत्री ने यह बजट बनाने में महाभारत से प्रेरणा प्राप्त की है तथा वे उद्धृत करती हैं:

"राजा को किसी भी तरह की विलासिता त्याग कर और राजधर्म अपनाकर अपनी जनता के योगक्षेम (कल्याण) के प्रबंध करने चाहिए और साथ ही धर्मानुसार टैक्स एकत्र करने चाहिए।" अन्ततः, उन्होंने पहली बार एक "धार्मिक" बजट पेश किया है।

'आरोप लग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जो भी दोषी पाया जाए, चाहे वह कितने भी बड़े पद पर क्यों ना हो और कितना भी प्रभावशाली क्यों ना हो, उसे सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

पायलट ने कहा कि, लाखों परिवारों को यह सीधे तौर पर प्रभावित कर रहा है, ऐसे में सरकार को यह कदम उठाना ही होगा क्योंकि हम किसी नौजवानों को अकेला नहीं छोड़ सकते। जब लाखों का जीवन और भविष्य किसी मुद्दे से जुड़ा होता है, तो वह मुद्दा अपने आप ही गंभीर हो जाता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600